C M Y K

आज का विचार

सुख वहां नहीं
जहां धन मिले....
सुख वहां है
जहां मन मिले...

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-264 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, गुरूवार 17 जुलाई , 2025

जयनगर मंडल में मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

रविंद्र जडेजा ने 73 साल बाद लॉर्ड्स मे रचा इतिहास

अपने बच्चे की बीमारी ठीक करने, 3 वर्षीय नाबालिग बच्चे की दे दी बली

◆ धड़ को जलाकर तीन दिनों तक सिर अपने पास रखा था हैवान... १ साल के बाद खुला राज

(अम्बिकावाणी समाचार)

अम्बिकापुर। अपने बच्चे की बीमारी ठीक हो जाने के अन्धविश्वास एवं अंदेशा पर ०३ वर्षीय नाबालिक बच्चे की बली देने वाले हैवान आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पहले नाबालिक बच्चे को मिठाई बिस्किट देने के बहाने बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया था और लोहे की छूरी से बच्चे की गर्दन को रेतकर हत्या कर दिया था। पूरा मामला बलरामपुर रामानुजगंज जिले के पंचायत चटनिया, थाना चांदो क्षेत्र का है।

आरोपी को थाना सामरीपाठ पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा है।

पुलिस ने बताया कि थाना सामरीपाठ सबाग, पारा सुलुंगडीह निवासी प्रार्थी बिरेन्द्र नगेसिया पिता बीरसाय नगेसिया, उम्र २४ वर्ष, ने ६ अप्रैल वर्ष २०२४ को थाना सामरीपाठ उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि २९ मार्च २०२४ को वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ महुआ फूल उठाने ग्राम झलबासा जंगल गया था, वहाँ पर झाला-झोपड़ी बनाकर डेरा किये थे। १ अप्रैल को वह सुबह प्राथमिक शाला सबाग रसोई का काम करने गया था। स्कुल की छुटटी के बाद वापस झलबासा डेरा आया तब पत्नी दयामुनी बताई कि उनका लड़का अजय नगेसिया, जितन नगेसिया के बच्चों के साथ डेरा के बगल में महुआ पेड़ के नीचे खेल रहा था। वह जब नदी किनारे करेला तोड़कर वापस आई तो देखा बच्चा वहां नहीं था। माता-पिता ने आशंका जताई थी की उनके बच्चे को कोई अज्ञात व्यक्ति फुसलाकर कहीं ले गया है।

प्रार्थी की सूचना पर थाना सामरीपाठ में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के दिशा निर्देशन एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कुसमी इम्मानुएल लकड़ा के मार्गदर्शन पर गुम बालक का पता तलाश लगातार किया जा रहा था।

पुलिस द्वारा मुखबिर एवं गांव में लगातार लोगों के बीच रहकर सूचना संकलन किया जा रहा था, जिसके तारतम्य में कुछ ग्रामीणों द्वारा घटना के संबंध में आवश्यक सुराग देने पर आरोपी राजू कोरवा को पुनः तलब कर कड़ाई से पूछताछ किया गया। पूछताछ पर आरोपी राजू कोरबा द्वारा घटना घटित करना स्वीकार करते हुये बताया कि उसका बड़ा लड़का बचपन से ही मिर्गी बीमारी एवं मानसिक रूप से कमजोर है। उसने महादानी देवता को आदमी बच्चा की बली देने से मेरा लड़का ठीक हो जायेगा का मन बना लिया था। घटना दिनांक को ग्राम झलबासा रास्ता में गुम बालक अजय नगेसिया उम्र करीब ३ वर्ष अकेला दिखा, जिसे वह मिठाई बिस्कुट दूंगा कहकर बहला फुसलाकर गोद में उठाकर अपने घर ले जाकर उसी दिन लोहे की छूरी से बच्चे के गर्दन को काटकर हत्या कर दिया और धड़ को बोरा में डालकर बोड़ादह कोना नाला में ले जाकर उसी रात जला दिया तथा उसके सिर को ०३ दिन तक अपने घर में छिपाकर रखा था। जब मृतक बालक के परिजन बच्चे को खोजने लगे तब वह बच्चे के सिर को कपड़ा में लपेटकर बोड़दहा नाला के पास ले जाकर गड्ढा खोदकर दफन कर दिया और उपर से मिटटी पाटकर ०४-०५ पत्थर उपर में रख दिया।

गड्ढा खोदकर निकाला गया खोपड़ी नुमा हड्डी का अवशेष

आरोपी के निशान देही पर शव उत्खनन की कार्यवाही की गई। जमीन के करीब २ फीट नीचे खोपड़ीनुमा हडडी के अवशेष मिले, जिसे जप्ती कार्यवाही की कार्रवाई की गई। आरोपी के बताये अनुसार घटना में प्रयुक्त लोहे की छूरी को उसके घर से बरामद कराया गया। आरोपी राजू कोखा पिता लेब्दू कोरखा, उम्र ४० वर्ष जाति पहाड़ी कोरवा, निवासी कटईडीह, पंचायत चटनिया, थाना चांदो का कृत्य धारा ३०२, २०१ भादवि का अपराध घटित करना पाये जाने एवं अपराध घटित करना स्वीकार करने से गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह, स.उ.नि. आनन्द मसीह तिर्की, प्र. आर. ६८१ संजय साहू, आर. १८४ आदित्य कुजुर, आर.९२८ संतोष यादव, आर. ११० अमित लकड़ा, आर. ६९१ ओमकार रजक का सराहनीय योगदान रहा।

गुम पुत्र को खोजने परिजन पहुंचे थे आरोपी के पास

पतासाजी विवेचना दौरान यह तथ्य आया कि आरोपी राजू कोरवा के पास मृतक के दादा और झलबासा निवासी झल्लू के साथ गुम बालक अजय नगेसिया को खोजने के लिये तंत्र-मंत्र बोलने पर आरोपी राजू के पास पहुंचे थे। आरोपी द्वारा बताया गया कि बड़ा पूजा करना पड़ेगा तब मिलेगा। इसकी जानकारी पुलिस को मिलने पर आरोपी राजू कोरवा को तलब कर पूछताछ किया गया, जो बताया कि नशे की हालत में होने से ऐसा बोल दिया था। आरोपी राजू कोरवा पूछताछ में बार-बार अपने बयान बदल रहा था, तथा अलग-अलग बयान देकर पुलिस को लगातार गुमराह कर रहा था।

कुछ अलग

झारखंड के बोकारो में एनकाउंटर, 25 लाख के इनामी समेत दो नक्सली ढेर; सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद

बोकारो ,16 जुलाई (ए)। झारखंड के बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड में बुधवार सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। यह मुठभेड़ जागेश्वर बिहार थाना क्षेत्र के धनिया के आसपास के जंगलों में लुगु पहाड़ और झुमरा पहाड़ के बीच चल रही है, जिसमें दो नक्सलियों की मौत हो गई, जबकि सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हो गया है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने लुगु पहाड़ और झुमरा पहाड़ के बीच सर्च ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसका पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने जवाब दिया।

अब 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा मॉनसून सत्र, सरकार ला रही ये 8 विधेयक; इनकम टैक्स बिल भी शामिल

नई दिल्ली ,16 जुलाई (ए)। केंद्र सरकार आगामी मॉनसून सत्र में कुल 8 नए विधेयक पेश करने और पारित कराने की तैयारी में है। यह सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर अब 21 अगस्त तक चलेगा। पहले संसद 12 अगस्त तक ही चलने वाली थी, जिसे बाद में एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। इस दौरान 13 और 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कोई बैठक नहीं होगी। लोकसभा सचिवालय ने जिन प्रमुख विधेयकों की जानकारी दी है उनमें टैक्स, शिक्षा, खेल, और खनिज नीति जैसे क्षेत्रों से जुड़े विधेयक शामिल हैं। लोकसभा में मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025, जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025, भारतीय प्रबंध संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2025, कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025, भू-धरोहर स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रख-रखाव) विधेयक, 2025, खनिज और खान (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग-रोधी विधेयक (संशोधन), 2025 विधेयक पेश किए जाने की संभावना है।

इनके अलावा, गोवा में अनुसूचित जनजातियों के विधानसभा क्षेत्रों में पुनः प्रतिनिधित्व निर्धारण विधेयक, 2024, मर्चेंट शिपिंग विधेयक, 2024, भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025 और आयकर विधेयक, 2025 को पारित कराने के लिए पेश किया जाएगा।

संसद की विधायी शाखा के अनुसार, इस बार सभी सांसदों को 'मेंबर्स पोर्टल' के माध्यम से ही समन और सूचनाएं भेजी गई हैं। सभी सांसदों को सत्र के शेड्यूल और विधायी कार्यक्रम की जानकारी डिजिटल रूप में दी गई है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्य के सात नगरीय निकाय आज होंगे पुरस्कृत

00 नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु देंगी पुरस्कार

00 उप मुख्यमंत्री साव विभागीय अधिकारियों और संबंधित निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ग्रहण करेंगे पुरस्कार

रायपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छत्तीसगढ़ के सात नगरीय निकायों को केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 17 जुलाई को आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में ये पुरस्कार प्रदान करेंगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव विभागीय अधिकारियों और संबंधित निकायों के प्रतिनिधियों के साथ पुरस्कार ग्रहण करेंगे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को प्रेसीडेन्ट्स अवार्ड प्रदान करेंगी। स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिलासपुर नगर निगम का तीन लाख से दस लाख तक आबादी की शहरों की श्रेणी में, कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार जनसंख्या तक की श्रेणी में और बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में इसके लिए चयनित किया गया है। राज्य स्तर पर स्वच्छता में अच्छे कार्यों के लिए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा रायपुर नगर निगम को मिनिस्टरियल अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

स्वच्छता के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन करने वाले शहरों को मान्यता देने के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के अंतर्गत इस बार सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) की एक विशेष श्रेणी की शुरूआत की जा रही है। इस लीग में उन शहरों को शामिल किया गया है जो पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार शीर्ष तीन में रहे हों और जो चालू वर्ष के स्वच्छ सर्वेक्षण मूल्यांकन में अपनी संबंधित जनसंख्या श्रेणी में शीर्ष 200 में बने हुए हैं। सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) की विशेष एवं नवीन श्रेणी में असाधारण एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में छत्तीसगढ़ के भी तीन नगरीय निकाय शामिल हैं। अंबिकापुर नगर निगम को 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में तथा पाटन नगर पंचायत और बिश्रामपुर नगर पंचायत को 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में एसएसएल के लिए चयनित किया गया है।

दुकान व मकान बेचना है

अम्बिकापुर के हृदय स्थल जोड़ा-पीपल मुख्य मार्ग (चित्रमंदिर रोड पर) लगभग 1700 वर्गफीट में निर्मित दुकान तथा सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।

संपर्क करें - मो. 9826443537

दुकान किराए पर उपलब्ध

स्थानः ब्रह्म रोड, शिवगोपी होटल के सामने, अंबिकापुर

फ्लोरः पहला मंजिल (First Floor)

क्षेत्रफलः 800 वर्ग फुट

पार्किंग की सुविधा उपलब्ध

संपर्क करें - मो. 7415805463

खरी-खरी

दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी एवं कपास की फसल लेने वालों को भी मिलेगा प्रति एकड़ दस हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि

रायपुर। राज्य सरकार की कृषक उन्नति योजना का फायदा धान के अलावा दलहन, तिलहन, मक्का, लघु धान्य फसल, कोदो, कुटकी, रागी एवं कपास की फसल लेने वाले किसानों को भी मिलेगा। उन्हें प्रति एकड़ दस हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। राज्य शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग ने योजना के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कृषि विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य का अधिकांश क्षेत्र वर्षा आधारित होने से मौसमीय प्रतिकूलता एवं कृषि आदान लागत में वृद्धि के कारण कृषि आय में अनिश्चितता बनी रहती है। इनके कारण किसान फसल उत्पादन के लिए आवश्यक आदान जैसे उन्नत बीज, उर्वरक, कीटनाशक, यांत्रिकीकरण एवं नवीन कृषि तकनीकी में पर्याप्त निवेश नहीं कर पाते हैं। राज्य सरकार द्वारा कृषि में पर्याप्त निवेश एवं काश्त लागत में राहत देने के लिए कृषक उन्नति योजना प्रारंभ की गई गई है। राज्य शासन ने फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देने, दलहन व तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार तथा इनके उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के साथ चिन्हित अन्य फसलों पर आदान सहायता राशि देने का निर्णय लिया है। कृषक उन्नति योजना का लाभ

00 कृषि विभाग ने जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश

केवल उन्ही कृषकों को मिलेगा जिन्होने एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराया है। विगत खरीफ मौसम में एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत ऐसे कृषक जिन्होंने धान की फसल ली है तथा प्रदेश की सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय किया है, ऐसे किसानों द्वारा धान के स्थान पर अन्य खरीफ फसल के लिए किसान पोर्टल में पंजीयन तथा गिरदावरी में रकबे की पुष्टि के उपरांत मान्य रकबे पर 11 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। खरीफ मौसम में दलहन, तिलहन, मक्का, लघु धान्य फसल, कोदो, कुटकी, रागी एवं कपास उगाने वाले किसानों को एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन तथा गिरदावरी में रकबे की पुष्टि उपरान्त मान्य रकबे पर दस हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता प्रदान की जाएगी। कृषक उन्नति योजना के नवीन दिशा-निर्देशों के अनुसार विधिक व्यक्तियों जैसे ट्रस्ट, मण्डल, प्राइवेट लिमिटेड, समिति, केन्द्र एवं राज्य शासन की संस्था, महाविद्यालय आदि संस्थाओं को योजना से लाभ लेने की पात्रता नहीं होगी। जो कृषक प्रमाणित धान बीज उत्पादन कार्यक्रम लेते हैं, और सामान्य धान भी सहकारी समितियों में विक्रय करते है, उनके द्वारा कुल विक्रय की जाने वाली धान की मात्रा, उनके कुल धारित रकबे की सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए। इसे छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित एवं छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा आपसी समन्वय से सुनिश्चित किया जाएगा। कृषकों को आदान सहायता राशि का भुगतान कृषि भूमि सीलिंग कानून के प्रावधानों के अध्याधीन किया जाएगा। कृषकों को आदान सहायता राशि उनके बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से की जाएगी। खरीफ सीजन-2025 में प्रदेश के किसानों से उपार्जित धान की मात्रा पर धान (कॉमन) पर 731 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 15 हजार 351 रुपए प्रति एकड़ तथा धान (ग्रेड-ए) पर 711 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 14 हजार 931 रुपए प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

बीज उत्पादक किसानों द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड को विक्रय किए गए धान बीज पर निर्धारित आदान सहायता राशि की कृषकवार मांग का विवरण बीज निगम द्वारा संचालक कृषि को प्रेषित किया जाएगा। संचालक कृषि द्वारा मांग अनुसार राशि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड को उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी या कृषि विभाग के विकासखण्ड मुख्यालयों में स्थित कार्यालयों से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

पहला कालम

दुधमुंही बच्ची को गोद में लेकर उफनता नाला पार कर रही महिला लड़खड़ाई,तेज बहाव में बह गया मासूम

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। नवजात को गोद में लेकर उफनते नाले को पार करने के प्रयास के दौरान महिला पानी के तेज बहाव में लड़खड़ाई और उसके बाद उसके गोद से मासूम छूट गया और तेज बहाव में बह गया। ग्राम पंचायत गेतरा की रहने वाली सरिता, जब अपने तीन माह की नन्हीं बच्ची को गोद में लिए मगरीहा नाला पार कर रही थी, तब शायद उसे अंदाजा नहीं था कि बहते पानी की तेज लहर उसकी दुनिया छीन ले जाएगी। घटना बुधवार की दोपहर करीब साढ़े १२ बजे की बताई गई है।मासूम को गोद में लेकर नाला पार कर रही महिला तेज बहाव में बीच में लड़खड़ा गई जिससे मासूम मां के हाथों से फिसल गई और मगरीहा नाला की उफनती लहरों में समा गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही डीडीआरएफ सुरजपुर की टीम हरकत में आई और घटनास्थल की ओर रवाना हुई।कमांडेंट संजय गुप्ता के निर्देशन में सर्च ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी है। टीम प्रभारी बीरबल गुप्ता के नेतृत्व में बृज बिहारी, धनसाय नेताम, रीकेश, धीरेंद्र, तुलेश्वर, हंसलाल, शिवप्रताप, नेमसाय, टामेश्वर और कृष्णा मगरीहा नाले के एक-एक कोने को छान रहे हैं। मासूम बच्ची की मां सरिता की आंखें अब भी पानी की लहरों पर टिकी हैं। शायद दिल के किसी कोने में यह आस बाकी है कि उसकी बच्ची किसी चमत्कार से वापस उसकी गोद में लौट आए।घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे हैं। हर कोई नन्हीं जान की सलामती के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है।

निधन बीरेंद्र सिंह

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। लाल मैदान के समीप डीएमक्यू डबल स्टोरी कॉलोनी निवासी कॉलरी कर्मी वीरेंद्र सिंह(राजू) ५८ वर्ष का मंगलवार १५ जुलाई को निधन हो गया।बुधवार को स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। स्व सिंह गायत्री खदान में स्विच बोर्ड अटेंडर के पद पर कार्यरत थे और पिछले पखवाड़े भर से उनका रायपुर में इलाज चल रहा था।

लगातार आफत की बारिश...कलिकापुर कुरसा नदी में का पानी पुल के ऊपर आया,घण्टो आवगमन अवरुद्ध

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)। लगातार मूसलाधार बारिश से रामानुजगंज लूरगी से सनवाल मुख्य मार्ग रामचंद्रपुर के पीछे कलिकापुर कुरसा नदी में का पानी पुल के ऊपर आ गया जिससे दोनों ओर सुबह ८:३० बजे से आगमन अवरुद्ध हो गया दोनों ओर सैकड़ो की संख्या मिलो एकत्रित हैं। घण्टो आवगमन अवरुद्ध रहा।

गौरतलब है की रामानुजगंज लूरगी रामचंद्रपुर सनवाल मुख्य मार्ग में बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन आना जाना करते हैं।रामचंद्रपुर में विभिन्न विभागों के कार्यालय संचालित है। यह प्रमुख मार्ग है आज सुबह ८:३० बजे से कुरसा नदी पुलिया के ऊपर से पानी जाने लगा इसके बाद यहां आवागमन अवरोध हो गया सड़क के दोनों और बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हैं जो पानी कम होने का इंतजार कर रहे हैं।

कई स्कूलों में शिक्षक समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाएंगे वहीं रामचंद्रपुर में विभिन्न विभागों के कार्यालय संचालित है जिसके कर्मचारी भी आज कार्यालय में समय पर नहीं जा पाए। घंटों आवागमन अवरुद्ध रहा।

४० किलोमीटर अतिरिक्त सफर तय करना पड़ा

पुलिया के ऊपर से पानी जाने के कारण सनवाल रामचंद्रपुर क्षेत्र के लोगों को रामानुजगंज जिन्हें आना अति आवश्यक है उन्हें ४० किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करके आना पड़ रहा है।

एनिकट के कारण सड़क पर जाता है पानी

जल संसाधन विभाग के द्वारा बिना सूझबूझ के लोक निर्माण विभाग के सड़क के नजदीक कुरसा नदी में एनीकट का निर्माण कर दिया गया है जिस कारण से प्रत्येक वर्ष इसी प्रकार की समस्या बरसात के समय में आती है। जब-जब मूसलाधार बारिश होता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ केवल एक संगठन ही नहीं , अपितु एक राष्ट्रवादी विचारधारा है -पवन साय

पत्थलगांव (अम्बिकावाणी समाचार)।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में सक्रिय गणवेशधारी स्वयंसेवकों के साथ गुरु पूजन कर तन-मन-धन से समर्पण करता है , किंतु गुरु पूर्णिमा

के दिन सामान्य जनों में अधिक व्यस्तता होने के कारण कुछ दिन के पश्चात ही नगर के सभी स्वयंसेवकों , प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से संघ विचारधारा से जुड़े बंधुओं के लिए गुरु पूजन कार्यक्रम आयोजित करता है । इस वर्ष यह कार्यक्रम १५ जुलाई २०२५ को आयोजित की गई । जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ प्रांत के संगठन महामंत्री पवन साय जी पधारे एवं माननीय जिला संघ चालक श्री मुरारी लाल अग्रवाल जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम पूर्ण हुआ । कार्यक्रम की शुरूआत स्वयंसेवकों के गुरु : परम पवित्र भगवा ध्वज के आरोहण से हुई । तत्पश्चात सामूहिक गीत , अमृत वचन कर उद्बोधन हेतु पवन साय जी को मंच पर आमंत्रित किया । पवन साय जी ने कहा ; राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ केवल एक संगठन ही नहीं , अपितु एक राष्ट्रवादी विचारधारा है । जो सदैव राष्ट्र के हित के विषय में सोचती है... संघ से जुड़ा व्यक्ति केवल बताता ही नहीं अपितु उसे अपने चरित्र में ढालता है वही वास्तविक स्वयंसेवक है । जिस प्रकार एक व्यवसाय यह सोचता है कि हमारा व्यवसाय दिन प्रतिदिन कैसे बढ़े इस प्रकार एक संघ का सच्चा स्वयंसेवक यह सोचता है कि संघ का कार्य किस प्रकार से उत्तरोत्तर वृद्धि करें । संघ का स्वयंसेवक समाज से जुड़ा हुआ रहता है एवं यही उसकी मूल धारणा है । यदि मैं अपने जीवन का एक वृतांत बताऊं तो , जब श्री राम मंदिर अयोध्या का निर्माण होना था । तब मुझे भी १०० व्यक्तियों से संपर्क करने का दायित्व दिया गया था । मैंने २०० व्यक्तियों से संपर्क किया और मुझे गर्व होता है कि ; मैंने श्री राम मंदिर के निर्माण में अपना गिलहरी सेवा प्रदान किया । यदि बात आती है सामाजिक सद्भाव के परिकल्पना की तो , यह कोई राजनीतिक पार्टी नहीं कर सकता या कोई और अन्य संगठन नहीं कर सकता , यह यदि कोई कर सकता है तो वह केवल और केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है । राष्ट्रहित के लिए प्रत्येक स्वयंसेवक को तन , मन और धन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ इस पुनीत कार्य को करना चाहिए । उद्बोधन के पश्चात सामूहिक गीत करते हुए प्रत्येक स्वयंसेवकों ने अपने सामर्थ्य के अनुसार राष्ट्रहित के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए समर्पण किया । तत्पश्चात संघ प्रार्थना कर सभी स्वयंसेवक एवं नगर वासी बंधु स्वल्पाहार ग्रहण कर अपने-अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किये.।

जयनगर मंडल में मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जयनगर मंडल में मां समलेश्वरी महामाया व्यवसायी प्रभात शाखा केनापारा में गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता धर्मजागरण प्रांतीय टोली के प्रशासनिक सदस्य ठाकुर राम राजवाड़े, पूर्व खंड संघ चालक पूरन यादव रहे। कार्यक्रम में मुख्य शिक्षक योगेन्द्र राजवाड़े ने शाखा लगाया व ध्वज स्थापना पूर्व खंड कार्यवाह देवशरण सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ठाकुर राजवाड़े ने कहा कि जब कभी हमें गुरु और ईश्वर एक साथ मिल जाएं तो सर्वप्रथम हमें अपने गुरु को प्रणाम करना चाहिए, क्योंकि भगवान तक पहुंचने वाला हमारा गुरु ही होता है। पहला गुरु मां होती है, दुसरा गुरु धरती मां और तीसरा गुरु जो हमें शिक्षा देते हैं। वैसे हमारे जीवनकाल में कई प्रकार के गुरु मिलते हैं जैसे शिक्षा देने वाले गुरु, सामाजिक गुरु, राजनीतिक गुरु, संगीत सिखाने वाले गुरु। जीवन में जिस भी क्षेत्र में हमें ज्ञान प्राप्त होता है, जो हमें ज्ञान देते हैं, वे हमारे गुरु हैं। उन्होंने गुरु की महत्ता पर कहा कि हमारा संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी व्यक्ति विशेष को गुरु नहीं मानता है, क्योंकि व्यक्ति में अहम आ जाता है। हमारा संगठन जो कि सभी अनुषांगिक संगठन का मूल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है, भगवा ध्वज को गुरु माना है। कार्यक्रम में मुख्य रुप से जुगेशवर राजवाड़े, अभिषेक सिन्हा, हरिश राजवाड़े, देवधन राम बिंझिया, शांतनु सिंह चौहान, दिनेश राजवाड़े, मनबोध राजवाड़े, राजेन्द्र गवटिया, चन्द्रदेव तिर्की, लवन राजवाड़े, मुलेश यादव, निकुन सिरदार, अंकित दुबे, डिकेश प्रजापति, रामधन सिंह, भूलचू राजवाड़े, सीताराम राजवाड़े, यश सोनी, अमित मित्तल, अरविंद ठाकुर, भागवत प्रजापति, राजकुमार यादव, बलिन्दर राजवाड़े, कृष्णा गुप्ता, दिलेश्वर प्रसाद, महेश यादव, गौरव राजवाड़े, अंगद राजवाड़े, राकेश उपाध्याय, श्यामू साहू, श्रवण प्रजापति व अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मुख्य शिक्षक योगेन्द्र राजवाड़े व आभार मंडल प्रमुख अभिषेक सिन्हा ने किया।

विद्यालयों में 6 से 12 अगस्त तक मनाया जाएगा संस्कृत सप्ताह

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य शासन के निदेर्शानुसार जिले के समस्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में इस वर्ष भी श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) के तीन दिन पूर्व एवं तीन दिन बाद अर्थात ०६ अगस्त से १२ अगस्त २०२५ तक च्चसंस्कृत सप्ताहच्च का आयोजन किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृत सप्ताह के आयोजन संबंधी निर्देश सचिव, छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम्, रायपुर द्वारा जारी किए गए हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार इस अवधि में विद्यालयों में निबंध लेखन, वाद-विवाद, संस्कृत नाटक, कहानी लेखन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही संस्कृत आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, विद्वानों की संगोष्ठी, साहित्य प्रदर्शनी, भाषण, परिचर्चा एवं संस्कृत गीत आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्कृत विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि निर्धारित तिथि अनुसार कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करें एवं संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए एसडीओपी ने बच्चों को किया प्रोत्साहित

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुंजनगर में शाला प्रवेश उत्सव

मंगलवार को धूमधाम के साथ मनाया गया । आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अभिषेक पैकरा व नव पदस्थ थाना जयनगर के प्रभारी रूपेश कुंतल एक्का, सब इंस्पेक्टर सोहन सिंह एएसआई मनोज द्विवेदी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष धूप दीप प्रज्ज्वलित कर की गई ।विद्यालय के बच्चों द्वारा अतिथियों को तिलक और बैच लगाया तत्पश्चात स्वागत गान व स्वागत नृत्य द्वारा अभिवादन किया गया। अतिथियों द्वारा कक्षा छठवीं के नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगा, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक देकर, मुंह मीठा करा शाला प्रवेश कराया गया। विद्यालय परिवार व संस्था प्रमुख पार्वती सारुता द्वारा आर्यभट्ट गणित क्लब व मुस्कान पुस्तकालय का मुख्य अतिथियों द्वारा अनावरण व अवलोकन कराया गया। अतिथियों द्वारा कम जगह में बेहतर प्रयास करने की विद्यालय स्टॉफ की प्रशंसा की गई। मुख्य अतिथि अभिषेक पैकरा ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि वे स्वयं सरकारी स्कूल से पढ़कर इस मुकाम पर पहुंचे हैं उन्होंने बच्चों से कहा कि आप सभी बच्चे भी बेहतर प्रयास कर अच्छे मुकाम प्राप्त कर सकते हैं।विद्यालय शिक्षिका लक्ष्मी सिंह राठौर के प्रयास से पुलिस विभाग शाला प्रवेश उत्सव के साथ न्योता भोज कराया द्य जिसमें स्वल्पाहार एवं पेयजल सभी बच्चों को वितरित किया गया। संकुल प्राचार्य की उपस्तिथि मे शाला प्रबंध व विकास समिति व बाल कैबिनेट के सदस्यों का अपने कर्तव्यों को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के लिए शाला परिवार द्वारा शपथ दिलाया गया द्य आभार प्रदर्शन के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत आरपीएफ लगातार कर रही कार्यवाही

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऑपरेशन यात्री सुरक्षा अभियान के अंतर्गत लगातार सघन अभियान चलाए जा रहे हैं । इस अभियान के अंतर्गत यात्रियों से संबंधित अपराधों की रोकथाम हेतु महत्वपूर्ण स्टेशनों में अपराध के प्रकार एवं प्रवृत्ति का विश्लेषण कर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है ।

इसी क्रम में, इस उद्देश्य के लिए तीनों रेल मंडलों बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर में विशेष टास्क टीमों का गठन किया गया है । प्रत्येक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट स्तर पर टीमों को सक्रिय किया गया है तथा अपराध गुप्तचर शाखाओं को भी पूरी तरह से क्रियाशील किया गया है । साथ ही, रात्रि के समय महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों का विशेष अनुरक्षण कर सतत निगरानी रखी जा रही है ।वर्तमान में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से यात्रा के दौरान यात्रियों के गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर उन्हें संबंधित यात्रियों को सुपुर्द करने की दिशा में भी प्रभावी कार्य किया जा रहा है ।बता दें कि गुमशुदा मोबाइल फोन की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट द्वारा यात्रियों से अनुरोध प्रपत्र भरवाया जाता है और इसे रेलवे सुरक्षा बल साइबर सेल को अग्रेषित किया जाता है । साइबर सेल द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से उक्त मोबाइल फोन को ब्लॉक किया जाता है एवं ट्रेसिंग की प्रक्रिया प्रारंभ की जाती है । ट्रेस किए गए मोबाइल को तस्दीक के पश्चात नजदीकी रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट के माध्यम से वास्तविक स्वामी को सुपुर्द किया जाता है ।

अब तक रेलवे सुरक्षा बल साइबर सेल द्वारा कुल ५७ मोबाइल फोन ब्लॉक किए गए हैं, जिनमें से ९ मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ट्रेस कर अधिकृत मालिकों को सौंपे जा चुके हैं । यह प्रणाली यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है । ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत वर्ष २०२३ में २४६ व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई वहीं वर्ष २०२४ में २६७ व्यक्तियों पर जबकि वर्ष २०२५ में बीते जून माह तक १५६ व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा की गई ये सभी कार्रवाई भारतीय दंड संहिता आईपीसी, दंड प्रक्रिया संहिता सीआरपीसी, भारतीय न्याय संहिता बीएनएस के तहत की गई हैं ।

जी सिनेमा और जी5 में द भूतनी' के प्रीमियर 18 जुलाई को

सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के दीपक मुकुट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स के संजय दत्त द्वारा प्रोड्यूस की गई और सिद्धांत सचदेव द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म

मुंबई। जी सिनेमा और जी५, १८ जुलाई को रात ८ बजे डरावनी और बेहद मजेदार हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द भूतनी' के वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिनेमाघरों में दर्शकों को गुदगुदाने और डराने के बाद, 'द भूतनी' अब अपने जबरदस्त धमाल, रोंगटे खड़े करने वाले रोमांच और जोरदार हँसी के साथ आपके घर आ रही है।

सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के दीपक मुकुट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स के संजय दत्त द्वारा प्रोड्यूस की गई तथा सिद्धांत सचदेव द्वारा लिखी व डायरेक्ट की गई फिल्म, द भूतनी में कई दमदार कलाकारों ने मुख्य किरदार निभाए हैं। इस फिल्म में संजय दत्त बड़े ही अतरंगी भूत भगाने वाले की भूमिका में हैं, जिसके अपने राज हैं, जबकि मौनी रॉय ने बेहद खतरनाक और दिलों को लुभाने वाली आत्मा, मोहब्बत का किरदार निभाया है। उनके अलावा, सनी सिंह और पलक तिवारी ऐसे कॉलेज छात्रों की भूमिका में हैं, जो रहस्यों से भरे इस तूफानी सफर में फँस गए हैं। फिल्म में आसिफ खान और निक (बीयूनिक) भी सहयोगी किरदारों में नजर आएँगे।

फिल्म की कहानी दिल्ली के सेंट विंसेंट कॉलेज के भूतिया परिसर के इर्द-गिर्द घूमती है, जहाँ एक पुराना भूत और एक शापित पेड़ हर वेलेंटाइन डे पर कहर ढाते हैं। ये कहानी एक टूटे दिल वाले छात्र शांतनु (सनी सिंह) की है, जो गलती से 'मोहब्बत' नाम की एक बड़ी ही मनमोहक भूतनी को जगा देता है, जिसके अतीत की कहानी काफी दुख भरी है और उसका जुनून सच में जानलेवा है। जब पूरे कॉलेज कैंपस में लोगों में वहम और भूत-प्रेत का डर बढ़ने लगता है, साथ ही रहस्यमयी मौतों के मामले सामने आने लगते हैं, तब सनकी बाबा (संजय दत्त) अपनी अनोखी शक्तियों वाले टूल-किट और एक रहस्य से भरे अतीत के साथ मैदान में उतरते हैं।

मोहब्बत की ताकत हर दिन बढ़ती ही जा रही है और होलिका दहन का वक्त भी नजदीक आ रहा है– एक ऐसी रात जब वह आत्माओं पर हमेशा के लिए कब्जा कर सकती है – तो अब शांतनु को पता लगाना होगा कि वह असल में क्या चाहती है। लेकिन असली ट्विस्ट क्या है? बाबा शायद वो रक्षक न हों, जैसे वो दिखते हैं। अगर आप थिएटर के रोमांच से चूक गए हैं, तो अब आपके पास अपने सोफे पर बैठे-बैठे ही भूतों से रूबरू होने का मौका है। १८ जुलाई से रात ८ बजे जी सिनेमा और जी५ पर द भूतनी का आनंद लें।

संजय दत्त ने कहा कि द भूतनी का सफर सच में बेहद मजेदार और अनोखा रहा है, जो सही मायने में लीक से हटकर फिल्म है। बदकिस्मती से, रिलीज के दौरान इस फिल्म को सिनेमाघरों में पर्याप्त स्क्रीन नहीं मिल पाई, और यह हमारी उम्मीद से कम समय तक चली। कभी-कभी कुछ फिल्में शोर-शराबे में पीछे रह जाती हैं। पर ये फिल्म हमने बड़े प्यार और सच्ची लगन से बनाई है। हमें इसकी कहानी और उसके पीछे के जज्बातों पर पूरा भरोसा था। मुझे पूरी उम्मीद है कि जी सिनेमा और जी५ पर यह फिल्म दर्शकों के दिलों को छू लेगी।

मौनी रॉय ने कहा कि द भूतनी में मोहब्बत के किरदार निभाने का अनुभव मेरे लिए सच में बड़ा रोमांचक था– सच में यह किरदार बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ रहस्यमयी और काफी संजीदगी भरा भी है, जिसमें भावनाओं की कई परत दिखाई देती है। इस किरदार की गहराई को समझना मेरे लिए खुशी भरा अनुभव था, और सिनेमाघरों में रिलीज के बाद इस फिल्म को मिले जबरदस्त प्यार के लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूँ। संजय दत्त सर के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है– वह सेट पर काफी सहज रहते हैं और सब में नई ऊर्जा जागते हैं। और सिद्धांत सचदेव का तहे दिल से शुक्रिया, जिन्होंने मुझपर चुनौती भरे और लीक से हटकर इस किरदार के लिए भरोसा जताया। 'द भूतनी' में वाकई हर किसी के लिए कुछ-न-कुछ जरूर है – डर, हँसी, और दिल को छू लेने वाली बातें। अब मुझे उस पल का बेसब्री से इंतजार है, जब दर्शक जी सिनेमा और जी५ पर इस फिल्म का भरपूर आनंद लेंगे।

सनी सिंह ने कहा कि 'द भूतनी' में शांतनु का मुख्य किरदार निभाने का अनुभव किसी रोलरकोस्टर राइड से कम नहीं था – वह एक आम इंसान है जो बेहद अजीबोगरीब और डरावनी उथल-पुथल के बीच फँस जाता है। यह फिल्म अपने भावनात्मक पहलू को खोए बिना हॉरर और कॉमेडी का बेहतरीन मेल पेश करती है, और यही बात मुझे सबसे अच्छी लगी। संजय दत्त सर जैसे दिग्गज कलाकार, प्रतिभाशाली मौनी रॉय और बेहद प्यारी पलक तिवारी के साथ काम करने से यह अनुभव और भी यादगार बन गया। सिद्धांत के विजन ने पागलपन भरी इस दुनिया में नई जान डाल दी, और मुझे इस बात की खुशी है कि अब दर्शक अपने घरों में आराम से हँसी, रोमांच और सभी ट्विस्ट का मजा ले सकते हैं। तो बस तैयार हो जाइए, क्योंकि यह डरावनी कहानी अपने साथ थोड़ा पागलपन लेकर दर्शकों के बीच आने वाली है।

पलक तिवारी ने कहा कि द भूतनी में अनन्या का किरदार निभाने का अनुभव वाकई रोमांचक था–वह दिल की मजबूत है, हर बात जानना चाहती है और खुद को सामान्य से बिल्कुल अलग हालत में फँसा हुआ पाती है। फिल्म ने भावनाओं, रहस्य और थोड़े से अतरंगी अंदाज वाले हॉरर का सही संतुलन बनाए रखा, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई। इसकी शूटिंग के साथ-साथ संजय दत्त सर के साथ काम करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात थी– सेट पर उनकी ऊर्जा और मौजूदगी से ही बहुत कुछ सीखने को मिलता है। ये अनुभव वाकई मजेदार था– सेट पर माहौल बहुत अच्छा था और हमारी टीम हर दिन को यादगार बना रही थी। यह पूरा सफर, सिद्धार्थ सचदेव सर के मार्गदर्शन और दमदार कहानी के साथ-साथ मुझ पर उनके भरोसे के बिना संभव नहीं हो पाता। मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ कि दर्शक फिल्म देखें और इसे जी सिनेमा और जी५ पर अपना ढेर सारा प्यार दें।

सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के दीपक मुकुट ने कहा कि 'द भूतनी' पागलपन भरी फिल्म है जिसमें जबरदस्त उथल-पुथल कॉमेडी और रोमांच का जादुई तालमेल दिखाई देता है – और यही बात इस फिल्म को इतना खास बनाती है। हम शुरूआत से ही एक ऐसी दुनिया बनाना चाह रहे थे जो कल्पना से परे और बेमिसाल लगे, जिसमें ऐसे किरदार हों जिनसे आप हर दिन नहीं मिलते। संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह और पलक तिवारी ने इस फिल्म के सफर को सच में यादगार बना दिया है। सिद्धार्थ सचदेव ने अपनी जबरदस्त एनर्जी और विजन से इस अनोखी दुनिया को पर्दे पर बखूबी उतारा है, और हमें बेहद खुशी है कि अब दर्शक जी सिनेमा और जी५ पर इस फिल्म का भरपूर आनंद ले पाएँगे। चाहे आप इसे सिनेमाघरों में न देख पाए हों या इस दीवानगी का फिर से अनुभव करना चाहते हों, यह एक ऐसी डरावनी कहानी है जिसका आप शुरू से अंत तक भरपूर लुत्फ उठाएँगे।

बांगो डेम समेत कोरबा की नदियों में प्रतिबंध के बावजूद मछली शिकार जारी, मत्स्य विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

कोरबा अम्बिकावाणी – जिले में मछली पकड़ने पर शासन द्वारा १५ अगस्त तक लगाए गए सख्त प्रतिबंध के बावजूद कोरबा के बांगो डेम और आसपास की नदियों में अवैध मछली शिकार धड़ल्ले से जारी है। स्थानीय मछुआरे गरी और महाजाल के जरिए प्रतिदिन कुंटल के हिसाब से मछली मार रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह सब मत्स्य विभाग के कार्यालय के नजदीक ही हो रहा है, जिससे विभाग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। ऐतमानगर, ठाड़पाखना, छातापखना, सरभोका, बुका और बुढ़ान जैसे क्षेत्रों में प्रतिदिन १०० से २०० लोग बड़े पैमाने पर मछली पकड़ते देखे जा रहे हैं। जब मौके पर मौजूद एक मछुआरे से जानकारी ली गई तो उसने बताया

कि मत्स्य विभाग के कर्मचारियों को २०० रुपए देकर मछली पकड़ने की मौन स्वीकृति मिल जाती है। इस गंभीर मामले पर जब संवाददाता ने मत्स्य निरीक्षक कमल किशोर से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा, कल गया था, वहां कोई नहीं था, २०० रुपये वाली बात की जानकारी लेकर बताता हूं, कहकर फोन काट दिया। इसके बाद उनका कोई उत्तर नहीं आया। इससे यह संदेह गहराता है कि कहीं न कहीं विभाग की मिलीभगत से यह पूरा खेल चल रहा है। इस विषय में जनपद सदस्य भरत सिदार ने भी चिंता जताते हुए कहा कि उन्होंने पूर्व में ही मत्स्य निरीक्षक को जानकारी दी थी और कार्रवाई का आश्वासन भी मिला था, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। भरत सिदार ने बताया कि उनके क्षेत्र के ग्राम सरपता, बलदेवनागर, घोसरा, पलडूरैना, जामकछार, मिसिया और जजगी गांवों में रोजाना रहटा के माध्यम से १५ से २० क्विंटल तक मछली मारी जा रही है, जिसे बाहर के कोचियों द्वारा पिकअप वाहनों में भरकर ले जाया जाता है।

मामला सिर्फ अवैध मछली शिकार का नहीं, बल्कि विभागीय लापरवाही और भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा करता है। प्रतिबंध के बावजूद हो रही यह गतिविधियां ना सिर्फ सरकारी आदेशों की अनदेखी है, बल्कि मत्स्य संपदा के अंधाधुंध दोहन का उदाहरण भी है। सवाल ये है कि क्या प्रशासन इस पर सख्त कार्रवाई करेगा या फिर मछलियों के साथ कानून का भी शिकार होता रहेगा?

छोटी खबरें

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सलोरा में विज्ञान क्लब के छात्रों ने रंगोली के माध्यम से प्रस्तुत किए विकसित भारतर के विचार

कोरबा अम्बिकावाणी - पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, सलोरा (कोरबा) में विज्ञान क्लब के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० पर आधारित एक विशेष गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० से विकसित होता भारत विषय पर रंगोली के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और दृष्टिकोण का बेहतरीन प्रदर्शन किया। रंगोली के माध्यम से विद्यार्थियों ने शिक्षा, विज्ञान, तकनीकी प्रगति और सामाजिक विकास जैसे विभिन्न पहलुओं को सजीव चित्रों के माध्यम से दशार्या, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों से मेल खाता है। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में न केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना था, बल्कि उन्हें भारत के समग्र विकास और शिक्षा नीति के प्रभावों के प्रति जागरूक करना भी था। विद्यार्थियों ने बताया कि किस प्रकार नई शिक्षा नीति नवाचार, वैज्ञानिक चिंतन और व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करती है। कार्यक्रम का सफल संचालन विज्ञान क्लब प्रभारी संतोष कुमार चौरसिया एवं शिक्षिका इंदु वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। दोनों शिक्षकों ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी तरह की रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र ऋषि पटेल, समीक्षा, विद्या कर्ष, रिशु यादव, श्रेया, लावन्या, अवनी, शाश्वत, कुमार उत्सव, तनुप्रिया, नीलेश, अंकिता दास, विशाल और आयुष्यमान चौरसिया सहित अनेक छात्रों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। विद्यालय का विज्ञान क्लब निरंतर छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है, जिससे वे न केवल अपने व्यक्तिगत विकास, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी योगदान दे सकें।

एनएचएम कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं

बिश्रामपुर - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों के दो दिवसीय हड़ताल पर जाने से स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा है।गौरतलब है कि नियमितीकरण, जॉब सुरक्षा, ग्रेड पे, अनुकंपा नियुक्ति, मेडिकल बीमा, २७ प्रतिशत वेतन वृद्धि जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत सुरजपुर ब्लाक के करीब १२८ कर्मचारी आज से दो दिवसीय हड़ताल पर चले गए हैं। मिशन के कर्मचारियों द्वारा हड़ताल पर चले जाने से अस्पतालों की सेवाओं के अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्रियान्वयन में रुकावट आ गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर के ऑफिस व अस्पताल में कार्यरत करीब दो दर्जन मिशन के कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से आज खासा असर दिखाई पड़ा। ज्ञात हो कि एनएचएम कर्मचारी पिछले २० वर्षों से अपनी सेवा शर्तों में सुधार, नियमितीकरण, अपनी नौकरी की सुरक्षा, समान काम समान वेतन, जैसी चाह लिए लगातार पिछली कई सरकारों के कार्यकाल में धरना प्रदर्शन आंदोलन अनुनय निवेदन ज्ञापन देते रहे हैं। इस सरकार के कार्यकाल में भी मोदी की गारंटी के नाम से उनकी समस्याओं के समाधान का वादा किया गया था, परंतु आज पर्यंत इस संबंध में किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे सभी कर्मचारी अपनी मांग को लेकर हड़ताल पर चले गए हैं।

जनपद सदस्यों के अधिकारों की रक्षा को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने सौंपा ज्ञापन, 7 दिन में समाधान नहीं हुआ तो जनपद घेराव की चेतावनी

कोरबा अम्बिकावाणी - पोड़ी-उपरोड़ा जनपद पंचायत की विभिन्न जनसमस्याओं और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों की रक्षा को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पोड़ी-उपरोड़ा को ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ७ दिवस के भीतर मांगे पूरी नहीं की गईं, तो जनपद कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर जनघेराव किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन में मांग की गई है कि जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा के सभी सदस्यों को १५वें वित्त आयोग की राशि को समान रूप से वितरित किया जाए। इसके साथ ही किसानों को उनके पूर्वजों से काबिज भूमि का वन अधिकार पत्रक तत्काल जारी किया जाए। पार्टी ने ग्रामीणों की सहूलियत के लिए सभी ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर किसानों के फौती नामांतरण की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने की भी मांग रखी है, जिससे वे शासकीय योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसके अतिरिक्त, ज्ञापन में चोटिया टोल नाका से ६० किमी के दायरे में आने वाले वाहनों को टोल टैक्स में छूट देने की मांग की गई है। रेल कॉरिडोर से प्रभावित शेष किसानों को मुआवजे की राशि शीघ्र भुगतान करने, रावा, नगोई, जटगा, मातिन और सासिन रेलवे लाइन क्षेत्रों में जलभराव की तत्काल निकासी कराने तथा लेंगा से सेमरा जिल्दा परिवर्तित सड़क मार्ग के निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने ज्ञापन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन द्वारा इन जनहितकारी मांगों पर ७ दिनों के भीतर कार्यवाही नहीं की गई, तो आंदोलन किया जाएगा। पार्टी के इस रुख से जनपद क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है और प्रशासन के समक्ष दबाव भी बना है कि मांगों पर शीघ्र निर्णय लिया जाए।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

Tender Call

NIT NO : 41 RAIPUR DATED : 16.07.2025

Online bids are invited for the following works up 05.08.2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	172172	डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड जोन क्र. 4 जय जगन्नाथ सामुदायिक भवन मारवाडी शमशान घाट के पास रायपुर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य। **(द्वितीय निविदा)**	10.00
2	172173	शासकीय जे. योगानंदम महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण शासकीय जे. योगानंदम महाविद्यालय रायपुर **(प्रथम निविदा)**	10.00
3	172178	डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड क्र. 64 अंतर्गत मारवाडी शमशान घाट के पास सुलभ शौचालय निर्माण कार्य **(प्रथम निविदा)**	11.79

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 17.07.2025 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal NIT Details and other documents.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regard ing the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE-04
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

बारिश में ढहा पांच साल पुराना पुलिया

खोरंगापारा का रंजना पंचायत से संपर्क टूटा, कलेक्टर ने दिए तत्काल मरम्मत के निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रंजना के आश्रित मोहल्ला खोरंगापारा में पांच वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत एसईसीएल द्वारा निर्मित पुलिया का एक हिस्सा भारी बारिश में बह गया। इससे खोरंगापारा का पंचायत मुख्यालय रंजना से संपर्क विगत पांच दिनों से पूरी तरह टूट गया है, जिससे ग्रामीणों को दैनिक जीवन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खोरंगापारा मोहल्ले में लगभग ४० परिवार निवास करते हैं और यहां एक प्राथमिक शाला संचालित है। वहीं, माध्यमिक व हायर सेकेंडरी शिक्षा के लिए छात्र-छात्राओं को ग्राम रंजना स्थित विद्यालय जाना होता है। लेकिन पुलिया के ढह जाने के बाद न तो कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध है और न ही सुरक्षित रास्ता, जिससे ग्रामीणों की आवाजाही ठप हो गई है। ग्रामीण अब जान जोखिम में डालकर जरूरी सामान की खरीदारी के लिए अस्थाई एवं खतरनाक मार्गों का उपयोग करने को मजबूर हैं। प्राथमिक शाला की शिक्षिका भी रोज जोखिम उठाकर स्कूल पहुंच रही हैं, जबकि माध्यमिक स्कूल जाने वाले बच्चों ने फिलहाल स्कूल जाना बंद कर दिया है। खोरंगापारा और रंजना के बीच आवागमन पूरी तरह ठप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोरबा कलेक्टर ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में जुटी हुई है। जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही पुलिया की मरम्मत पूरी कर आवाजाही बहाल कर दी जाएगी। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत रंजना देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के सपनों का गांव माना जाता है, ऐसे में इस प्रकार की बुनियादी समस्याएं क्षेत्रीय विकास और प्रशासन की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करती हैं। ग्रामीणों ने भी पुलिया की शीघ्र मरम्मत और स्थायी समाधान की मांग की है।

मेडिकल कालेज में नवजात शिशुओं के उपचार में नहीं आयेगी समस्या, एसएनसीयू में छह बिस्तर और बढ़ेंगे, वर्तमान में है 12 बेड की सुविधा

पीएचसी कोरबा में पोर्टेबल एक्सरे की भी होगी सुविधा

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में स्थित स्वर्गीय बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोरबा में जल्द ही स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि होने वाली है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर कलेक्टर अजीत वसंत ने एनटीपीसी को सीएसआर मद से स्वास्थ्य सुविधा हेतु उपकरण और सामग्री के लिए प्रस्ताव प्रेषित किया था। प्रस्ताव प्राप्त होने के पश्चात एनटीपीसी ने मेडिकल कालेज में नवजात शिशुओं के उपचार की सुविधा में वृद्धि के लिए और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोरबा में एक्सरे की सुविधा के लिए एक करोड़ पांच लाख की राशि स्वीकृत की है। उक्त राशि की स्वीकृति से मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विभाग में बिस्तरों की संख्या १२ से बढ़कर १८ हो जाएगी। वहीं पीएचसी कोरबा में पोर्टेबल एक्सरे मशीन की व्यवस्था होने से यहां आने वाले मरीजों को एक्सरे जांच के लिए निजी अस्पताल नहीं जाना पडेगा।

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग से मांग आई थी कि स्वर्गीय बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के शिशु रोग विभाग में नवजात शिशु ईकाई (एसएनसीयू) में विगत कुछ वर्षों से नवजात शिशुओं की भर्ती में वृद्धि हुई है। जिसकी वजह से बिस्तरों की संख्या कम पड़ रही है। यहां नवजात शिशुओं के उपचार हेतु बिस्तरों की संख्या को १२ से बढ़ाकर १८ करने का प्रस्ताव दिया गया था। ताकि अधिक से अधिक शिशुओं का इलाज हो सके। इसी तरह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोरबा में मरीजों को एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी मांग की गई थी। इसके लिए कुल एक करोड़ पांच लाख की राशि का प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिया गया था। कलेक्टर श्री वसंत ने स्वास्थ्य विभाग के प्रस्ताव के आधार पर महाप्रबंधक एनटीपीसी को सीएसआर मद से उक्त राशि स्वीकृति हेतु पत्र लिखा था। कलेक्टर द्वारा प्रेषित पत्र के आधार पर एनटीपीसी द्वारा नवजात शिशु ईकाई में आवश्यक उपकरण और सामग्री तथा पोर्टेबल एक्स-रे के लिए एक करोड़ पांच लाख की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

प्रदीप जायसवाल के अथक प्रयासों से दो साल बाद फिर शुरू हुई रायपुर- गेवरारोड मेमू लोकल: यात्रियों को मिली नई उम्मीद

कोरबा अम्बिकावाणी – दो वर्षों के बाद रायपुरझ्गेवरारोड मेमू लोकल ट्रेन सेवा दोबारा पटरी पर आ गई है। १६ जुलाई को कोरबा तक पहुंचने के बाद, १७ जुलाई से यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नियमित रूप से चलने लगेगी, जिससे स्थानीय यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।११ जुलाई को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के डिप्टी सीओएम कोचिंग अजय फ्रांसिस डेनियल ने सुरक्षा एवं संरक्षा

कारणों से पहले रद्द की गई १३ ट्रेनों का परिचालन पुनः प्रारंभ करने का निर्देश दिया, जिसमें रायपुरझ्गेवरारोड ६८७४५/४६ मेमू लोकल भी शामिल है। समाजसेवी प्रदीप जायसवाल ने इस ट्रेन को पुनः शुरू करने के लिए लगभग दो साल तक लगातार प्रयास किया। उन्होंने जिला प्रशासन, राज्य सरकार और रेलमंत्री तक कई पत्र लिखकर स्थानीय लोगों की आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के नियमित परिचालन से लोग कम खर्च में समय पर और आराम से यात्रा कर पाएँगे, और यह प्रयास लोगों को सुविधा और प्रशासन का आभार सुनिश्चित करेगा। जब तक यह सेवा बंद रही, तब तक गेवरारोड से जुड़े लगभग दो दर्जन गांवों के लोगों को यात्रा करने के लिए कोरबा रेलवे स्टेशन आना पड़ता था। अब ट्रेन चालू होने से उन्हें रायपुर या बिलासपुर तक सीधे पहुंचने में सुविधा मिलेगी।

यात्रा विवरण इस प्रकार होगा

१६ जुलाईः रायपुर से दोपहर १:५० बजे रवाना होकर शाम ७:३० बजे गेवरारोड पहुँचने वाली गाड़ी।

१७ जुलाई सेः गेवरारोड से सुबह ६:३० बजे रवाना होकर रायपुर ११:२५ बजे तक पहुँचेगी। सबसे बड़ी राहत यह है कि अब दिन में रायपुर से कोरबा तक ११ घंटे तक रुकने वाले यात्री पूर्व की तरह इंतजार नहीं करेंगे। यह ट्रेन उन्हें सीधा और सुविधाजनक कनेक्शन प्रदान करेगी। प्रदीप जायसवाल ने प्रशासन एवं रेलवे अधिकारियों की इस पहल के लिए आभार जताते हुए कहा कि यह सेवा फिर से शुरू होना बड़े बदलाव की उम्मीद जगाता है. और इस कार्य में उन्होंने अपने समाजसेवी दृष्टिकोण से योगदान दिया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पत्थलगांव, जिला-जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202507031100007

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-2 सन:- 2024-2025
पत्थलगांव प.ह.नं. 00006 [290/24/क/4 (0.1210 हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- खुसबू गोयल पति श्री राहुल गोयल,
अनावेदक पक्षकार- छ०ग० शासन,

ईश्तहार

एतद् द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका खुशबू गोयल पति श्री राहुल गोयल, जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला- जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम पत्थलगांव प.ह.नं. 06 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 290/24/क/4 रकबा 0.121 हे. का आवासीय प्रयोजनार्थ (मकान निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 30.07.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है।

अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/07/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
पत्थलगांव जिला-जशपुर

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

:: ईश्तहार ::

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश लकड़ा आ.स्व. चन्दरू निवासी इन्दरपुर थाना अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर ने अवगत कराया कि आवेदक के (पिता) स्व. चन्दरू आ० स्व. सुखनराम की मृत्यु दिनांक 16/07/2008 को स्थान निवास में हुई है।

आवेदक के द्वारा मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर न्यायालय में यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

परियोजना समन्वयक पद पर संविदा भर्ती हेतु पात्र अपात्र सूची जारी

कोरबा अम्बिकावाणी - कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, कोरबा के द्वारा परियोजना समन्वयक पद पर संविदा भर्ती हेतु अनिवार्य न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से समाज कार्य/समाजशास्त्र/बाल विकास/मानव अधिकार/लोक प्रशासन/मनोविज्ञान/विधि/जनस्वास्थ्य/सामुदायिक संसाधन/प्रबंधन के विषय में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा उपरोक्त विषयों में स्नातक अंकित होने से द्विभाषी हो जाने से समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार स्नातक को मान्य करते हुए अंक प्रदाय किया गया था।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में समिति द्वारा पुनः निर्णय लिया जाकर प्राप्त आवेदन में से शासन द्वारा निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के आधार पर स्नातकोत्तर योग्यताधारी को स्नातकोत्तर तथा स्नातक योग्यताधारी को स्नातक का अंक प्रदाय किये जाने का निर्णय लिया जाकर पात्र अपात्र की सूची तैयार की गई है, शीघ्र ही दावा आपत्ति का निराकरण करते हुए कौशल एवं लिखित परीक्षा आयोजित कर नियुक्ति की कार्यवाही पूर्ण कर ली जायेगी।

दिसम्बर तक सभी सड़कों को करें गड्ढामुक्त -अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ बरसात में सड़कों और पुल-पुलियों की स्थिति तथा उनकी मरम्मत के लिए किए जा रहे कार्यों समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने परफॉर्मेंस गारंटी के तहत सड़कों की मरम्मत की भी जानकारी ली। बैठक में वर्षा ऋतु में अतिवृष्टि से मार्गों को अवरुद्ध होने से बचाने तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने निगरानी एवं आवश्यक उपायों की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी, संयुक्त सचिव श्री एस.एन. श्रीवास्तव और सभी मुख्य अभियंता भी निर्माण भवन से बैठक में शामिल हुए। सभी संभागों और जिलों से अधीक्षण अभियंता तथा कार्यपालन अभियंता बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समीक्षा बैठक में सभी मैदानी अधिकारियों को शासन के निदेर्शों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदेश की अवहेलना करने वालों पर कोई कोताही नहीं बरती जाएगी, नियमानुसार उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। श्री साव ने राज्य में सड़कों और पुल-पुलियों के संधारण एवं मरम्मत के कार्यों पर नाराजगी जताते हुए सभी सड़कों व पुल-पुलियों को आगामी दिसम्बर माह तक गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों व पुल-पुलियों की नियमित निगरानी करते हुए यथाजरूरत इनकी तत्काल मरम्मत करने को कहा। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ मरम्मत पर जोर दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में अधिकारियों को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में प्रस्तावित कार्यों के शीघ्र डीपीआर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों को अविलंब प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग इस साल आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक के काम करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा पर किसी भी हालत में समझौता न करें। सभी काम निर्धारित मानकों के अनुरूप करना सुनिश्चित करें। निविदा की शर्तों के अनुसार ठेकेदारों से निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण काम करवाएं। एक-एक कार्यों पर नजर रखें और प्रगति की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने नई सड़कों के निर्माण के लिए भू-अर्जन के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा।

श्री साव ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को प्रशासनिक व तकनीकी दक्षता बढ़ाने तथा कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास और निर्माण के कार्यों के लिए राशि की कोई कमी नहीं है। आप जितना बजट मांगेंगे, शासन उतनी राशि देगी। उन्होंने एक माह के भीतर राज्य के सभी पुलों का निरीक्षण कर मरम्मत और रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। श्री साव ने मैदानी अधिकारियों को अपने जिला प्रशासन के सहयोग से पुलों के आसपास अवैध खनिज उत्खनन पर रोक के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने बैठक में बरसात के बाद शुरू होने वाले कार्यों के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आबंटित राशि का शत-प्रतिशत उपयोग करते हुए कहां पर किस प्रकार की मरम्मत करना है, इसे सावधानीपूर्वक तय करने को कहा। उन्होंने ज्यादा पुरानी सड़कों को रिनुअल प्लान में लेने का सुझाव दिया। डॉ. सिंह ने सड़कों के निर्माण के दौरान सड़क सुरक्षा के मानकों को भी गंभीरता से अमल में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए 60 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। उन्होंने इन कार्यों के लिए आगामी 15 अगस्त तक मंजूरी लेने के निर्देश दिए।

> कभी-कभी हम दूसरों को बदलने के लिए बाध्य कर देते हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि वे वैसे ही बनें, जैसा हम चाहते हैं।
>
> 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

ट्रंप की प्रतिक्रिया

फिलिस्तीन और पश्चिम एशिया के लिए कोई न्याय की बात करे यह बात नेतन्याहू और ट्रंप को हजम नहीं होती। यही कारण है कि जब ब्रिक्स देशों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, अस्थिरता और गाजा के खिलाफ इस्त्रइली हमलों और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की तो ट्रंप तिलमिला उठे।

जब ट्रंप अपने देश में यहूदी विरोध के बहाने अपने ही विविद्यालयों पर तमाम पाबंदियां लगा सकते हैं तो ब्रिक्स देशों की यह हरकत कैसे बर्दाश्त करते। फलस्वरूप उन्होंने इन देशों पर ही अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी तक दे डाली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र ट्रंप के तिलमिलाने का कारण साबित हुआ।

घोषणापत्र में कही गई हर बात ट्रंप और नेतन्याहू का मुंह ही नहीं चिढ़ाती, बल्कि इसकी भी झलक दिखाती है कि बदलती दुनिया क्या चाहती है। घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों ने दोहराया कि इस्त्रइल-फिलिस्तीन संघर्ष का न्यायसंगत और स्थायी समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से ही प्राप्त किया जा सकता है।

यह फिलिस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों की पूर्ति पर निर्भर करता है, जिसमें आत्मनिर्णय और वापसी के अधिकार शामिल हैं। ब्रिक्स ने क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का पालन करने का आह्वान किया है, और मानवीय सहायता के राजनीतिकरण और सैन्यीकरण के प्रयासों की कूृषनदा की। घोषणापत्र सामने आते ही ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया जताई और ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे डाली और कहा कि इसका कोई अपवाद नहीं होगा।

लगता है कि ट्रंप ने अपवाद न होने वाली बात कह कर भारत को भी अपना रुख कड़ा करने का इशारा दे दिया है। चीन ने राष्ट्रपति ट्रंप की इस धमकी पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीतिक दबाव का निर्थक साधन बताया। लेकिन ट्रंप भारत के साथ एक बड़े व्यापार समझौते का जो इशारा देते रहे हैं, लगता है वह उलझ सकता है। अभी तक तो भारत इस्त्रइल विरोधी किसी भी मुहिम में शामिल होने से किनारा करने की नीति पर चलता रहा है, लेकिन लगता है कि ब्रिक्स घोषणापत्र भारत की मजबूरी बन गया है।

ब्रिक्स के मूल सदस्यों में शामिल रूस और चीन के तो अमेरिका के दबाव में आने की बात सोचना भी संभव नहीं है, लेकिन भारत, मिस्त्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के लिए दिक्कतें बढ़ने वाली हैं।

नीति आयोग की मानव पूँजी से संबंधित क्रांति

राव इंद्रजीत सिंह द्वारा

भारत जैसे विशाल और वैविध्यैपूर्ण देश में प्रगति का वास्तसविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है। मानव पूँजी—हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता— केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वतपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है।

एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आता है। प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्रगति, बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है। पिछले एक दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिजाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं, बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है।

इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णतया नए सिरे से परिकल्परना की गई है। नीति आयोग ने इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्यायसंगतता पर जोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही, ने —रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया। इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर जोर दिया। इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया। भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है। कौशल भारत मिशन को समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्व पूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है। कौशल भारत मिशन के तहत, 1.5 करोड़ से ज्यादा युवाओं को तकनीक, उद्योग संबंधों और माँग-आधारित पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण वाली पहलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इसने महज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ही प्रशिक्षण नहीं दिया—अपितु इसने क्षेत्रीय जरूरतों का आकलन किया और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही तरह के युवाओं के लिए वास्तविक आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलने वाले कार्यक्रम तैयार किए। इसके साथ ही साथ, इसने गतिशील, समावेशी श्रम बाजार का समर्थन किया। इसने 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को—मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यावसायिक सुरक्षा से संबंधित चार सरलीकृत संहिताओं में युक्तिसंगत बनाने में सहायता प्रदान की। इन सुधारों ने नियोक्ता के लचीलेपन को श्रमिक सुरक्षा के साथ संतुलित किया, जिससे विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को लाभ हुआ, जो भारत के कार्यबल का बहुसंख्यक हिस्सा हैं। अनुपालन को सरल बनाकर और औपचारिकता को प्रोत्साहित करके कार्यस्थल केवल अधिक उत्पादक ही नहीं, बल्कि अधिक मानवीय भी बना।

अक्सर लागत के रूप में देखी जाने वाली स्वास्थ्य सेवा को निवेश के रूप में नए सिरे से परिभाषित किया गया। नीति आयोग ने प्रतिक्रियात्मक उपचार से अग्रसक्रिय स्वाास्थ्या का रुख किए जाने को मूर्त रूप प्रदान करने में मदद की। नीति आयोग द्वारा समर्थित और निरीक्षित प्रमुख आयुष्मान भारत योजना ने 50 करोड़ से अधिक भारतीयों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया, जबकि 1.5 लाख से अधिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों ने प्राथमिक देखभाल को जमीनी स्तर तक पहुँचाया। कार्यक्रमों ने पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और गैर-संचारी रोगों को लक्षित किया—जिनका उद्देश्य केवल बीमारों का उपचार करना ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ रखना भी था। कोविड-19 महामारी ने भारत की स्वास्थ्य प्रणाली की मजबूती की अभूतपूर्व परीक्षा ली। नीति आयोग ने संकट की इस घड़ी का बड़ी दृढ़ता और विश्वातस से सामना करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर के साथ मिलकर संक्रमण के पैटर्न का मॉडल तैयार किया, न्याकयसंगत चिकित्सा संसाधनों का आवंटन सुनिश्चित किया और टेलीमेडिसिन के लिए ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म शुरू किए। महामारी के बाद के इसके विजन ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन संवर्गों और आधुनिक डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे पर जोर देते हुए केवल रिकवरी पर ही पहीं, बल्कि तत्परता पर भी जोर दिया। इन क्षेत्रों से परे, नीति आयोग उद्यमिता और नवाचार के लिए प्रकाश स्तंभ रहा है। स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसे कार्यक्रमों ने विचारों के फलने-फूलने के लिए उपजाऊ इकोसिस्टवम तैयार किया है। महत्वपूर्ण चरणों में नीतिगत समर्थन, इनक्यूबेशन और मार्गदर्शन मिलने की वजह से फिनटेक, एडटेक, एग्रोटेक, हेल्थटेक और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हजारों स्टार्ट-अप आज फल-फूल रहे हैं। ये व्यवसाय मात्र ही नहीं हैं; बल्कि ये रोजगार सृजनकर्ता और समस्या का समाधान करने वाले भी हैं, जो एक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भारत में योगदान दे रहे हैं। लेकिन संभवतः इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि इसके द्वारा साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण की संस्कृति को संस्थागत रूप दिया जाना रही है। इसने विशाल आँकड़ों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रीयल-टाइम डैशबोर्ड और कठोर निगरानी ढाँचों का लाभ उठाकर नीतियों का अनुकूल, जवाबदेह और जमीनी हकीकतों के अनुरूप बना रहना सुनिश्चित किया है। चाहे भारत का पहला एसडीजी सूचकांक जारी करना हो, कार्य निष्पाकदन के मानकों पर राज्यों को मार्गदर्शन देना हो, या नीति निर्माण के लिए व्यवहारिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करना हो, नीति आयोग ने वैज्ञानिक चिंतन को शासन के केंद्र में ला दिया है। विभिन्न मंत्रालयों और क्षेत्रों में संयोजन और समन्वय स्थापित करने की इसकी क्षमता ने इसे एक परामर्शदायी निकाय से कहीं अधिक बना दिया है—यह विकास के अंतःकरण का रक्षक बन गया है। इसने कार्य निष्पाकदन -आधारित रैंकिंग के माध्यम से राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया, हाशिये पर पड़े लोगों की आवाज बुलंद करने के लिए सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर काम किया और सर्वोत्तम प्रथाओं को देश में लाने के लिए वैश्विक साझेदारों के साथ सहभागिता की। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत का बढ़ता कद और संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से मिली प्रशंसा इस प्रयास के प्रति दुनिया के सम्मौन को दशार्ती है। नीति आयोग ने केवल लक्ष्य हासिल करने से कहीं बढ़कर, टिकाऊ, समावेशी और भविष्य के अनुरूप प्रणालियाँ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। सतत विकास लक्ष्यों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता —स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन से लेकर हरित गतिशीलता तक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर कार्यस्थलों में महिला-पुरुष समानता तक- हर पहल में स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

पूरा प्रदेश नफरत का मैदान!

हरिशंकर व्यास

मणिपुर में जातीय हिंसा को दो साल होने जा रहे हैं। 2023 की मई के पहले हफ्ते में कुकी और मैती समूहों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी, जिसमें तीन सौ के करीब लोग मरे हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए है। ऐसा लग रहा था कि अब वहां शांति बहाल हो जाएगी।

लेकिन उलटे हिंसा और भड़क गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आठ मार्च से मणिपुर की सारी सड़कें खोल देने और आवागमन सामान्य रूप से बहाल करने का आदेश दिया था। लेकिन आठ मार्च को सड़कें खुलीं तो हिंसा भड़क गई। सुरक्षा बलों के घेरे में कुछ सड़कों पर आवाजाही शुरू हुई है लेकिन आठ मार्च के बाद जितने हमले हुए उन्हें देखते हुए लोग अभी जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

मणिपुर में भाजपा के तमाम प्रयोग फेल हैं। कारण यह है कि हिंसा भड़कने के बाद जो काम सबसे पहले होना चाहिए था वह करने की बजाय सब कुछ किया गया।

प्रधानमंत्री चाहते तो मणिपुर को उस अवस्था में पहुंचाने वाले मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटा कर हालात सामान्य करने का प्रयास कर सकते थे। लेकिन हिंसा भड़कने के बाद भी बीरेन सिंह बने रहे।

प्रधानमंत्री खुद मणिपुर गए

वे बहुसंख्यक मैती समुदाय को उकसाने वाली बातें भी करते रहे।

जातीय भावनाओं को उकसा कर उन्होंने शांति नहीं बहाल होने दी। न प्रधानमंत्री खुद मणिपुर गए और न उन्होंने मुख्यमंत्री बदला।

जब पानी सर के ऊपर से बहने लगा तो पिछले महीने फरवरी में मुख्यमंत्री को हटाया गया। यह माना गया कि बीरेन सिंह के हटने से शांति बहाल होगी लेकिन वह भी नहीं हुआ क्योंकि बीरेन सिंह पहले ही बहुत डैमेज कर चुके थे।

उनको हटाने से पहले केंद्रीय गृह सचिव रहे अजय कुमार भल्ला को वहां राज्यपाल बना कर भेजा गया। बीरेन सिंह के हटने के बाद भल्ला की कमान में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। उसी भरोसे में अमित शाह ने आठ मार्च को आवागमन सामान्य बनाने का ऐलान किया।

लेकिन राष्ट्रपति शासन में राज्यपाल भी कुछ नहीं कर पाए। इस बीच फिर से सरकार बनाने की कोशिश होती रही। मैती विधायकों की आम राय से सरकार गठन का प्रयास हुआ लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

इस तरह अब तक हुए तमाम प्रयास और प्रयोग विफल हो गए हैं। इसका कारण यह है कि किसी में ईमानदारी नहीं थी। यह भावना नहीं थी जातीय हिंसा खत्म करके हालात सुधारने हैं।

सिर्फ एक मणिपुर का मामला नहीं

नए प्रयोग के तहत सुप्रीम कोर्ट के छह जज मणिपुर जा रहे हैं। 22 और 23 मार्च को नेशनल लीगल सर्विस ऑथोरिटी के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस बीआर गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह मणिपुर में मौजूद रहेंगे। \ ये जज लोगों को मुफ्त कानूनी सेवा और मेडिकल सेवा उपलब्ध करवाने के लिए किए जा रहे उपायों का जायजा लेंगे। यह भी कहा गया है कि मारे गए लोगों के परिजनों और विस्थापितों को मुफ्त लीगल सेवा के प्रति जागरूक करने और हिंसा पीड़ितों के लिए राहत कार्यों को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम है।

यह एक अच्छी पहल है और इसके पीछे मंशा भी ठीक है। लेकिन सामाजिक स्तर पर जितना अविश्वास बढ़ा है और जिस तरह दोनों समुदाय एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे हैं उसमें बड़ी राजनीतिक पहल की जरुरत है। यह सिर्फ एक मणिपुर का मामला नहीं है। इसके साथ मिजोरम का मामला भी है, जहां बड़ी संख्या में मणिपुर के विस्थापितों ने शरण ली है। सीमा पार यानी म्यांमार से होने वाली घुसपैठ की मामला भी उससे जुड़ा है। सरकार पूर्वोत्तर में शांति बहाली के दावे कर रही है लेकिन वहां के हालात अलग कहानी बयान कर रहे हैं।

भारत में गुरुओं के मेले में मक्खियों की तरह चेले शक्कर, भीड़मभाड़, अव्यवस्था

गुरु पूर्णिमा के दिन पूरे देश में गुरुओं के मेले लगे, भयानक अव्यवस्था, भीड़मभाड़, सड़कों पर दर्जनों किलोमीटर के जाम, दुर्घटनाएं लेकिन परेशानियों पर आस्था भारी,यही है आज की भारत की तस्वीर। हालांकि धर्म की आलोचना हमेशा मुश्किल है और मुश्किल में डालती है विशेषकर आज की लोकतान्त्रिक व्यवस्था में ओर भी कठिन है। क्योंकि आबादी का दबाव इस कदर है कि कोई भी व्यवस्था असफल हो सकती है। सीहोर के पास कुबेश्वर में 5 लाख, धूनी वाले बाबा के आश्रम में तीन लाख,मुरैना के नजदीक करह आश्रम में पांच लाख, और दर्जनों किलोमीटर सड़क पर जाम, हजारों राहगीर वाहन,मरीज,परेशान फिर भी आस्था भारी। धर्म और गुरुओं का चोली दामन का साथ है। सनातन धर्म में गुरुओं और ऋषियों की महान परम्परा रही है।भगवान श्री राम के गुरु ऋषि विश्वामित्र जी, कृपाचार्य,गुरु द्रोण, ऋषि परशुराम आदि का उल्लेख सनातन धर्म में त्रेता, द्वापर युग में है। भगवान श्री कृष्ण सांदीपनी आश्रम में गुरु के पास शिक्षा ग्रहण करने गए थे ऐसा शास्त्र बचन है। लेकिन विगत 25 वर्षों से जो गुरुओं की महिमा मंडित हुई है वह सनातन धर्म की परंपरा के अनुरूप नहीं कही जा सकती है। बागेश्वर धाम छतरपुर विगत रात एक दीवार गिरने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई और 11 घायल हैं।अभी हाल ही में सीहोर पंडित प्रदीप मिश्रा के आश्रम में भगदड़ मच गई। आखिर यह सब किस लिए हो रहा है। गुरुओं के आश्रम में व्यक्ति दो कारणों से जाता था एक शिक्षा ग्रहण करने या तनाव से मुक्ति के लिए मन शांति हेतु।मगर इस भागम भाग के दौर में किसी को क्या हासिल होगा यह समझ से परे है।

कुंभ के मेले में खूब करोड़ों चेले उनके गुरु एकत्रित हुए। मुझे नहीं लगता कि पूरे कुंभ से सनातन माइथॉलजी में या सामाजिक संस्थाओं, रीति रिवाज के लिए कोई सार्थक संदेश निकला हो। अलबत्ता उत्तर प्रदेश सरकार ने अपनी पीठ जरूर थपथपा ली कि संसार के सबसे बड़े आयोजन को संपादित किया। लेकिन भीड़ तो भीड़ है इतने इंतजाम के बाद भी भगदड़ तो मची थी और कई चालीस लोग मौत के शिकार हुए।यह भीड़ का आध्यात्म नहीं है बल्कि भेंड़चाल शब्द अधिक सटीक है लेकिन गुरुओं को इसमें अपनी सफलता प्रतीत होती है।आजकल गुरुओं के साथ चेले भी शक्कर हो गए हैं।धार्मिक मंदिर,मठ, आश्रम दौलत से भरे पड़े हैं हालांकि कुछ आश्रम सकारात्मक कार्य भी कर रहे हैं परन्तु अधिकांश गुरुओं के आश्रम अपने धनाढ्य चेले के लिए ही है।

गुरुओं के दमकते आभा मंडल, ऐश्वर्या देखते ही बनती है। 0

0 अजय दीक्षित

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1374

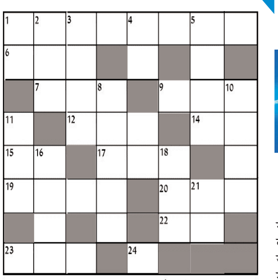

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1979 के दिन इस तत्कालीन राष्ट्रपति ने लोकसभा भंग की थी (8)
6. राज्याभिषेक, सिंहासनारूढ़ हो जाने के समय युवराज के मस्तक पर लगाया लाने वाला टीका (3)
7. स्वीकार करना, मानना (3)
9. अस्वजन, अपरिचित, अनजान, पराया (3)
12. गीत गाने या बोलने का ढंग, शब्दों को उच्चारण करने का खासा ढंग (3)
14. यह मध्यप्रदेश के प्रांत का नगर एवं संभाग है जो प्रदेश प्रांत के विंध्य पठार के एक हिस्से का निर्माण करता है (2)
15. फायदा, मुनाफा, प्राप्ति (2)
17. दौड़ने वाला, धावक (3)
19. दादा का पिता, प्रतितामह (4)
20. विरूद्ध, प्रतिकूल, उलटा (3)
22. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)
23. जिसके पार अपार संपत्ति हो, धनपति, मालामाल, धनाढ्य (3)
24. पृथ्वी, जमीन, सीता की एक सहेली का नाम (1)

ऊपर से नीचे

1. लोक व्यवहार हेतु नियत किया गया आचार, बर्ताव का ढंग (2)
2. प्रबल अभिलाषा, तीव्र उत्कंठा (3)
3. मान्य और सर्वप्रिय, पसंद किया हुआ (4)
4. सजीव रहना, जिंदा रहना, जीवित होना (2)
5. रूपए के मूल्य के छोटे-छोटे सिक्के (4)
8. जो सीधा न जाकर बल खाता हुआ गया हो (5)
10. अनजान, अपरिचित, अज्ञात (4)
11. तानयुक्त स्वरों में आरंभिक धुन प्रदर्शन (3)
13. प्राणतत्व, जीवन, जानकारी, पहचान (2)
16. ऋण मोचन, क्षतिपूर्ति, भुगतान, आवक पत्र (4)
18. पहरेदार या रक्षक को यह भी कहा जाता है (3)
21. उर्दू का एक अक्षर, अलक, जुल्फ, फौज का दस्ता, दूर, दूरी पर, समूह (2)

वर्ग पहेली 1373 का हल

रो	मा	नि	या		कु	श	ल
ज	न		द	ह	श	त	
ना	ना	ना		ल	व		था
म		पा	स		ती	त	र
चा	बु	क		व्यो		बा	
	डा		ना	म	ज	द	गी
	पे	प	र		म	ला	
ड	स्ट	र		मी	ना		

एकदा

निहाल की गिरफ्तारी राहतकारी

अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया है। निहाल (46) पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े कथित 13 हजार करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में आरोपी है। यह मामला अब तक के सबसे बड़े धोखाधड़ी मामलों में से एक है। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो-दोनों ने अलग-अलग आरोप पत्र दायर किए हैं, और दोनों में ही निहाल मोदी को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में निहाल का भाई नीरव मोदी और उनका रिश्तेदार मेहुल चोकसी भी आरोपी हैं। नीरव लंदन की जेल में बंद है, और भारत में प्रत्यर्पण की कार्यवाही का सामना कर रहा है। मामले में दायर आरोप पत्र के मुताबिक, नीरव मोदी ने अपनी कंपनियों के जरिए फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग-एमओयू-जारी करके पंजाब नेशनल बैंक से करीब 6,498 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी, जबकि शेष राशि उसके रिश्तेदार ने यही तरीका अपनाते हुए हड़प ली थी।

बेल्जियम के एंटवर्प में जन्मे, पले-पढ़े तथा अंग्रेजी, गुजराती और हिन्दी में पारंगत निहाल मोदी अपने भाई नीरव मोदी की ओर से अपराध की आय को कथित रूप से वैध बनाने के लिए भारत में वांछित है। निहाल ने भारतीय वित्तीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए फर्जी कंपनियों के जरिए बड़ी मात्रा में अवैध धन को छिपाने और स्थानांतरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

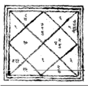

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम दिलाने वाला रहेगा। आज टेक्सटाइल का बिजनेस करने वालों को बड़ा धनलाभ होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। हार्डवेयर का काम रहे व्यक्तियों को आज बढ़िया धन कमाने के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप लेन - देन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे,

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक झ ठाक रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए जी तोड़ मेहनत करेंगे। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल भी हो जाएंगी। इस समय कोई नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज ऑफिस में मीटिग के दौरान आप अपने विचारों को रखेंगें, जिससे आपकी दूरदर्शिता की प्रसंशा होगी।

सिंह राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज आपको रोजगार में तरक्की करने के बेहतरीन मौके मिलेंगें। आज आप जल्दबाजी में कोई भी फैसला न लें और न ही दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करें। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के लिए जरुरी सामान लेने बाजार जायेंगें।

कन्या राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप दिन की शुरूआत किसी अच्छी आदत के साथ करेंगें। आज आप अनावश्यक खर्चों से बचकर रहें।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरूआत के बारे में घर वालों से बात करेंगें। पारिवारिक और व्यवसायिक गतिविधियों में संतुलन बना रहेगा। किसी भी काम को जल्दी पूरा करने की सोच रखें, ये आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी काम को पूरा करने के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। कारोबार में कुछ न कुछ चुनौतियां रहेंगी, हालांकि आपकी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपको जीवन में आगे बढ? के अवसर मिलेंगें, जिनका लाभ आप अवश्य उठाएं। महिलाएं आज घर का काम समय पर पूरा कर लेंगी और वे अपने मनपसन्द काम को आगे बढ़ाएंगी। पारिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आप पुराने घर का रेनोवेशन कराने का विचार कर सकते हैं, इस विषय पर आप जीवनसाथी की राय लें सकतें हैं।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिये खास रहेगा। आज अपने बिजनेस को बड़ा बनाने का प्रयास करेंगें। आज आपके व्यवहार में विनम्रता एवं लचीलापन ही आपको सम्मान दिलाएगा। पारिवारिक रिश्तों में गहराई और अपनापन आपको सुकून देगा।

मीन राशिः आज आपका दिन ठीक झ ठाक रहने वाला है। आज किसी काम के सिलसिले में आपको थोड़ी ज्यादा दौड-धूप करनी पड़ सकती है। इस राशि के छात्र जो सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं,

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते है और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हो लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर ले कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नही पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नही है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममे से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुह नहीं मोड़ सकते हैं।

होम साइंस में बनाएं आदर्श करियर

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है।

वर्तमान समय में होम साइंस अर्थात गृह विज्ञान विषय बहुत व्यापक हो गया है, इसे अब केवल खाना बनाने में दक्षता वाला क्षेत्र ही नहीं माना जाता अपितु गृह-कार्यों को श्रेष्ठता से सम्पन्न करने वाला विज्ञान माना जाने लगा है। होम साइंस एक अंतरविषयी क्षेत्र है, जिसमें कई विषय सम्मिलित हैं। होम साइंस में जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, ग्रामीण विषय, सामाजिक एवं परिवार संबंध, बाल विकास, खाद्य एवं पोषण, परिधान डिजाइन, पहनावा, मानव विकास संसाधन, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन कला, ब्यूटी कल्चर, गृह प्रबंध, फैशन मैनेजमेंट, शिशु देखभाल, भोजन प्रबंध, टेक्सटाइल एंड क्लोथिंग, पोषण इत्यादि विषय समाहित हो गए हैं और यह विषय बदलते वक्त की आवश्यकता बन गया है। इस विषय का ज्ञान रखने वाले युवा बेहतर कॅरियर बना सकते हैं।

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है। गृह विज्ञान प्रकृति में अधिकांशत- वैज्ञानिक है और इसलिए विश्लेषिक मस्तिष्क एवं वैज्ञानिक कुशाग्र बुद्धि होना इस विषय में कॅरियर बनाने हेतु आवश्यक है। इस क्षेत्र में एक व्यावहारिक सोच, सौंदर्यपरक, सृजनशील तथा युक्तिसंगत अभिवृत्ति होना अपेक्षित है।

गौरतलब है कि गृह विज्ञान 10 +2 स्तर पर एक विषय के रूप में लिया जा सकता है। गृह विज्ञान मे शिक्षा चार चरणों में डिप्लोमा डिग्री, स्नातकोत्तर डिग्री और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। होम साइंस में बेहतर कॅरियर बनाने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने आवश्यक हैं। हालांकि एक विषय के रूप में होम साइंस स्कूलों में पढ़ाया जाता है, परंतु यह होम साइंस का बहुत सूक्ष्म रूप होता है जो केवल विषय की सतही जानकारी ही देता है। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय होम साइंस में डिप्लोमा भी कराते हैं, जो एक वर्षीय या दो वर्षीय अवधि के होते हैं। जो विद्यार्थी होम साइंस को स्नातक स्तर पर चुनना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि उन्होंने इस विषय को 12वीं तक पढ़ा हो। यह पाठ्यक्रम कला एवं विज्ञान दोनो विषयो के साथ उपलब्ध है। आप बीएससी होम साइंस, होम इकोनॉमिक्स, एप्लाइड न्यूट्रीशन, ह्यूमन न्यूट्रीशन, खाद्य व तकनीक, हेल्थ एंड न्यूट्रीशन, फूड टेक्नोलॉजी, फूड सर्विसेज से तथा होम साइंस से बीए कर सकते हैं।

गृह विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई में चलाया जा रहा है। ग्रेजुएशन स्तर पर आप बीएससी (ऑनर्स) या बीए (गृह विज्ञान) या गृह विज्ञान स्नातक (बीएचएससी) डिग्री चुन सकते हैं। गृह विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में स्नातक या स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी किया जा सकता है। जादवपुर विश्वविद्यालय एक वर्षीय अवधि का बीएड (गृह विज्ञान) पाठ्यक्रम चलाता है। जो अपनी किस्म का एकमात्र पाठ्यक्रम है। कई विश्वविद्यालयों में एमफिल तथा डॉक्टोरल (पीएचडी) पाठ्यक्रम की सुविधा भी उपलब्ध है।

पूर्णकालिक एमफिल पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है, जबकि अंशकालिक पाठ्यक्रम में दो वर्ष अध्ययन करना होता है। पीएचडी पाठ्यक्रम तीन से चार वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस क्षेत्र में कॅरियर चुनने वाले व्यक्ति को यथार्थवादी सोच सहित तार्किक बुद्धि एवं संतुलित मनोवृति वाला होना चाहिए। कलात्मक कल्पना के साथ सृजनशीलता होना भी इस क्षेत्र में आवश्यक है। होम साइंस रोजगार की दृष्टि से एक अत्यंत उपयोगी विषय है। इससे स्नातक एवं स्नातकोत्तर करने के उपरांत न केवल सरकारी तथा प्रायवेट क्षेत्र में नौकरियाँ हासिल की जा सकती हैं, बल्कि कई प्रकार के स्वरोजगार की प्रारंभ किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा नेट/पीएचडी आदि के उपरांत अध्यापन का पेशा भी अपनाया जा सकता है। गृह विज्ञान विषय से स्नातक कोर्स करने के उपरांत सामुदायिक एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्रों तथा गैर सरकारी संगठनों, अस्पतालों में खाद्य एवं पोषण से जुड़े कार्यों तथा खाद्य सेवाओं में कॅरियर बनाया जा सकता है। विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर के रूप में अध्यापन व्यवसाय में कार्य ग्रहण करने के अलावा शिक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, मनोवैज्ञानिक तथा अनुसंधानकर्ता के रूप में भी अवसर हैं। गृह विज्ञान के छात्र पोषण सलाहकार, अनुसंधान सहायक, खाद्य वैज्ञानिक, खाद्य विश्लेषक तथा पारिवारिक सलाहकार के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। खाद्य उत्पादों, शिशु आहार तथा खाद्य उत्पादों के विक्रय एवं संवर्धन के क्षेत्र में भी कॅरियर के विकल्प हैं। कुछ अन्य क्षेत्र जिनमें होम साइंस के विशेषज्ञ कॅरियर बना सकते हैं, वह इस प्रकार हैं-

केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर करने के उपरांत केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। केटरिंग का कार्य कुछ विशेष स्थानों जैसे स्कूल एवं अस्पतालों में किया जा सकता है। इनके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के संस्थानों एवं कार्यालयों में कैंटीन चलाने में भी यह पाठ्यक्रम बहुत लाभप्रद है। प्रशिक्षित व्यवसायी उन व्यक्तियों के लिए भी केटरिंग सेवाएँ जैसे भोजनालय या टिफिन सेंटर संचालित कर सकते हैं जो कारखानों एवं कार्यालयों में कार्य करते हैं तथा भोजन की, विशेष रूप से दोपहर के भोजन की व्यवस्था नहीं कर सकते या व्यवस्था करने का समय नहीं होता है।

बेकरी एवं कन्फेक्शनरी के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान स्नातक या स्नातकोत्तर व्यक्ति कन्फेक्शनरी, आइसक्रीम पार्लर अथवा बेकरी आसानी से चला सकते हैं। वे अपने निजी ऐसे उत्पादों को भी विकसित करने के लिए अभिनव कौशल का प्रयोग कर सकते हैं जो अधिक पोषक हों और पुराने उत्पादो से भिन्न हों।

डे केयर सेंटर के रूप में कॅरियर

नौकरी करने वाली महिलाओं को परिवार से बाहर शिशु देखरेख की आवश्यकता होती है। जिन बच्चों को 12 वर्ष की आयु का होने तक वयस्कों द्वारा देखरेख किए जाने की आवश्यकता होती है और जिन्हें घर पर अकेले नही छोड़ा जा सकता, उनके लिए गृह विज्ञान के विशेषज्ञ डे केयर सेन्टर, क्रेच, नर्सरी स्कूल एवं ऑफ्टर स्कूल सेंटर जैसी चाइल्ड हुड केयर यूनिट चला सकते हैं। इसके अलावा वृद्धाश्रम का भी संचालन किया जा सकता है।

पुनर्वास केन्द्र के रूप में कॅरियर

होम साइंस स्नातक कम समझ वाले बच्चों के लिए पुनर्वास केन्द्र संचालित कर सकते हैं। ये केन्द्र समाज के लिए न केवल एक सेवा होगी, बल्कि इनसे उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन में भी सहायता मिलेगी।

हॉबी सेंटर के रूप में कॅरियर

गृह विज्ञान के विशेषज्ञ ऐसे हॉबी सेंटर चला सकते हैं जहाँ सजावटी वस्तुएँ, खिलौने, डिजाइनर मोमबत्ती, रंगोली, आभूषण डिजाइनिंग, पेंटिंग तथा घरेलु बेकार सामग्रियों से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया जाता है।

ब्यूटी पार्लर के रूप में कॅरियर

आप ब्यूटी पार्लर के क्षेत्र में भी कॅरियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में आप त्वचा तथा बालों की देखभाल संबंधी सेवाएँ दे सकते हैं।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में होम साइंस एक अच्छा कॅरियर प्रदान करने वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आपका वेतन आपकी योग्यताओं तथा अनुभव पर निर्भर करेगा।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्राफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन ले, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

निधन - श्रीमती माया सोनी

मनेन्द्रगढ़। श्रीमती माया सोनी पत्नी राजकुमार सोनी का 56 वर्ष की आयु में मंगलवार को रायपुर में उपचार के दौरान दुखद निधन हो गया। वे बादल सोनी की माता थीं। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार मनेंद्रगढ़ आमाखेरवा स्थित मुक्तिधाम में किया गया जहां परिजनों सहित नागरिकों ने मौन रखकर पुण्यात्मा को चिरशांति प्रदान करने एवं शोक संतप्त परिवार दुख सहन करने की शक्ति देने ईश्वर से प्रार्थना की।

आय, जाति और निवास प्रमाण-पत्र के लिए 11 दिवसीय शिविर शुरू

15 से 30 जुलाई तक संकुल स्तर पर लगाए जा रहे शिविर, कलेक्टर ने दिए निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों और जरूरतमंद नागरिकों को समय पर आय, जाति और निवास प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ११ दिवसीय विशेष शिविर अभियान की शुरूआत की गई है। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निदेर्शानुसार, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बैकुण्ठपुर ने जिले के विभिन्न संकुल स्तरों पर तत्काल शिविर आयोजित करने के आदेश जारी किए हैं।

अभियान के तहत १५ जुलाई से ३० जुलाई २०२५ तक जिले भर के संकुलों में शिविर लगाकर प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। बिशुनपुर और सलका संकुल में आज लगाए गए शिविरों का अधिकारियों ने निरीक्षण किया और दो दिवस में २०० से अधिक आवेदन प्राप्त होने की जानकारी दी। प्रत्येक आवेदन का सावधानीपूर्वक परीक्षण कर शीघ्र प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे।

शिविर का उद्देश्य-सेवा को घर के करीब लाना - कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि, 'प्रमाण-पत्र की समय पर उपलब्धता विद्यार्थियों के प्रवेश और छात्रवृत्ति जैसे कार्यों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी कारण यह शिविर लगाए जा रहे हैं।' उन्होंने सभी संकुल प्रभारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदक को दस्तावेजों की पूर्ण जानकारी दें और यदि कोई दस्तावेज अधूरा हो तो समय पर सूचना देकर सुधार कराएं।

बैकुण्ठपुर के अनुविभाग के इन स्थानों व तिथियों में लगेगी शिविर - १७ जुलाई को बिशुनपुर, सरड़ी, खरवत, कोसमपारा आनी, १८ जुलाई को कन्या बैकुण्ठपुर, रामापुर बैकुण्ठपुर, मॉडल बैकुण्ठपुर, महलपारा, २१ जुलाई को जमगहना, तरगवां, २२ जुलाई को बालक पटना, सांवारावां कन्या पटना, बरदिया, २३ जुलाई को बरदिया, सोरगा, टेंगनी, २५ जुलाई को कटकोना, मुरमा, अंगा, २८ जुलाई को रनई डुमरिया, २९ जुलाई को छिंदिया, कुड़ेली, बुडार, ३० जुलाई को भखार, जामपानी एवं झरनापारा में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

सोनहत में भी लगेंगे शिविर, एसडीएम को दिए निर्देश - कलेक्टर ने जानकारी दी कि इसी तरह सोनहत अनुविभाग में भी शीघ्र शिविर लगाए जाएंगे। साथ ही, दोनों एसडीएम को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निवास प्रमाण-पत्रों की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूरी जांच के बाद ही जारी किया जाए। उन्होंने कहा, 'हड़बड़ी में प्रमाण-पत्र बनाने से न केवल प्रशासनिक समस्याएं आती हैं, बल्कि लाभार्थियों का समय भी व्यर्थ होता है।'

न्यूज गैलरी

भवन के आभाव में पेड़ के नीचे आंगनबाड़ी का संचालन

जनकपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। आंगनबाड़ी भवन के आभाव में खुले आसमान में पेड़ के नीचे आंगनबाड़ी का संचालन हो रहा है जिसमें नन्हें-मुन्ने बच्चे पढ़ने को मजबूर हैं। बुधवार को जैसे ही यह खबर सामने आई, प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई करते हुए पर्यवेक्षक व कार्यकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया। काश इतनी तत्परता नौनिहालों के लिए भवन उपलब्ध कराने में दिखलाई गई होती तो बेहतर होता।

बता दें कि पेड़ के नीचे जो आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है वह जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र जनकपुर के ग्राम घटई के स्कूल पारा में है जहां बच्चे गांव में ही सड़क के किनारे लगे पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि आंगनबाड़ी भवन जर्जर जर्जर होने के कारण उसे डिस्मेंटल कर नए आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कार्य चालू किया गया जो वर्तमान में अधूरे हालत में बंद पड़ा है। आंगनबाड़ी भवन के आभाव में नौनिहाल पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। आंगनबाड़ी केंद्र में कुल 19 बच्चे हैं। वृक्ष के नीचे आंगनबाड़ी संचालन के कारण कुछ ग्रामीण आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को भेजने को लेकर आशंकित हैं। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में आकाशीय बिजली या कोई अन्य अनहोनी से वे भयभीत हैं। स्कूल पारा में स्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बसंती कुशवाहा का कहना है कि गांव के सरपंच और अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया बावजूद इसके आंगनबाड़ी केंद्र संचालित करने के लिए भवन की व्यवस्था नहीं हो पाई है।

उक्त संबंध में ग्राम पंचायत घटई के सचिव इंद्रपाल यादव का कहना है कि नया आंगनबाड़ी भवन निमार्णाधीन है। आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन पेड़ के नीचे न हो इसके लिए सहकारी समिति के गोदाम में संचालन पर विचार हो रहा है, लेकिन समस्या यह है कि उक्त गोदाम में एक निजी व्यक्ति के द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है जिसकी वजह से आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन भवन में संभव नहीं हो पा रहा है।

पर्यवेक्षक व कार्यकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी

जिले की एकीकृत बाल विकास परियोजना भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत घटई में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र को लेकर प्रशासन ने गंभीर रुख अपनाया है। परियोजना कार्यालय द्वारा पर्यवेक्षक कुमारी अंजली सोनी परिक्षेत्र कंजिया एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घटई बसंती कुशवाहा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए 2 दिवस के भीतर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यवेक्षक अंजली सोनी से यह पूछा गया है कि यदि उन्हें सड़क किनारे आंगनबाड़ी संचालन की जानकारी पूर्व से थी, तो उन्होंने इस संबंध में कार्यालय को लिखित सूचना क्यों नहीं दी। यह स्पष्ट करता है कि उनके द्वारा अपने कार्य के प्रति घोर लापरवाही बरती गई है, जो कर्तव्य परायणता के विपरीत है। वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बसंती कुशवाहा से यह जवाब मांगा गया है कि यदि केंद्र का संचालन किराए के भवन में किया जा रहा था, तो बिना किसी पूर्व सूचना के सड़क किनारे पेड़ के नीचे बच्चों को क्यों बैठाया गया। इसके अतिरिक्त, बच्चों की सड़क किनारे बैठकर पढ़ाई करते हुए तस्वीरें खींचकर उन्हें वायरल करना आचरण नियमों के खिलाफ माना गया है, जिससे शासन-प्रशासन की छवि धूमिल हुई है। परियोजना कार्यालय ने दोनों कार्मिकों को स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होता है, तो उनके विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जिला पुलिस नोडल अधिकारी की नियुक्ति और परीक्षा केंद्रों में होगी सख्ती- व्यापम ने जारी किए निर्देश

20 जुलाई से शुरू हो रही परीक्षाओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) ने २० जुलाई २०२५ से शुरू हो रही आगामी परीक्षाओं के सुचारू एवं पारदर्शी संचालन हेतु सभी जिला कलेक्टरों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इस बार व्यापक बदलाव किए गए हैं। व्यापम अध्यक्ष रेणु जी पिल्ले द्वारा जारी पत्र में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग को मिलकर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

पत्र के अनुसार, प्रत्येक जिले में परीक्षा संचालन हेतु नोडल अधिकारी एवं समन्वयक के साथ-साथ एक उप पुलिस अधीक्षक या उससे उच्च स्तर के अधिकारी को 'जिला पुलिस नोडल अधिकारी' नियुक्त किया जाएगा। इनकी निगरानी में परीक्षा से जुड़ी संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

व्यापम द्वारा प्रत्येक १० परीक्षा केंद्रों पर एक तीन सदस्यीय उड़नदस्ता दल का गठन किया जाएगा, जिसमें कम से कम एक पुलिसकर्मी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। यह दल केवल परीक्षा कक्ष ही नहीं, बल्कि परीक्षा केंद्र परिसर एवं मुख्य द्वार के बाहर तक भी निगरानी रखेगा। दलों को परीक्षा समाप्त होने के दो घंटे के भीतर अपनी रिपोर्ट समन्वयक केंद्र में जमा करनी होगी।

व्यापम ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों में प्रत्येक अभ्यर्थी की हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर व मैनुअल तलाशी से जांच की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक केंद्र में एक पुरुष एवं एक महिला पुलिसकर्मी तैनात होंगे, जो परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम २.३० घंटे पूर्व अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे। महिला अभ्यर्थियों की तलाशी केवल महिला पुलिसकर्मी द्वारा ही की जाएगी। परीक्षा प्रारंभ होने के बाद भी ये पुलिसकर्मी बारी-बारी से केंद्र परिसर एवं उसके बाहर निगरानी करते रहेंगे।

अभ्यर्थियों के लिए दिशानिर्देश, परीक्षा प्रारंभ होने के २ घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचना अनिवार्य।मुख्य द्वार परीक्षा शुरू होने के १५ मिनट पहले बंद कर दिया जाएगा। अभ्यर्थी हल्के रंग के आधी बांह के कपड़े पहनकर आएं और फुटवियर में चप्पल का ही प्रयोग करें। कान में किसी प्रकार के आभूषण पूरी तरह वर्जित हैं। परीक्षा शुरू होने के पहले ३० मिनट और समाप्ति के अंतिम ३० मिनट के दौरान परीक्षा केंद्र से बाहर जाना मना होगा। संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ियां, पर्स, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि परीक्षा कक्ष में लाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

मोदी की गारंटी लागू करने शासकीय सेवकों एवं पेंशनरों ने रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला एमसीबी द्वारा अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर रैली निकाली गई एवं मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव छत्तीसगढ शासन के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।

छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन की बैठक 15 जून 2025 को फेडरेशन के अध्यक्ष कमल वर्मा के अध्यक्षता में संपन्न हुई थी। बैठक में सभी घटक संगठनों के पदाधिकारियों ने ज्वलंत मुद्दों को लेकर मांगों को पूरा कराने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया था जिसमें प्रदेश के कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लिए मोदी की गारंटी अनुसार केंद्रके समान 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता देय तिथि से दिए जाने, प्रदेश के कर्मचारियों के लिए मोदी की गारंटी अनुसार जुलाई 2019 से समय समय पर देय महंगाई भत्ते की लंबित एरियर्स राशि का समायोजन जीपीएफ खाते में करने, वेतन विसंगति एवं अन्य मुद्दों के लिए गठित पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किए जाने, प्रदेश में चार स्तरीय पदोन्नत समयमान वेतनमान कमशः 8 वर्ष, 16 वर्ष, 24 वर्ष एवं 30 वर्ष सेवा पूर्ण करने उपरांत लागू करने, सहायक शिक्षक पद पर नियुक्त शिक्षक एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी को तृतीय समयमान वेतनमान स्वीकृति आदेश जारी किकिए जाने। प्रदेश में अन्य भाजपा शासित राज्यों की भांति कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने, प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति निःशर्त लागू करने स्थायी आदेश जारी करने, वर्तमान में 10 प्रतिशत सीलिंग समाप्त करते हुए सीधी भर्ती के समस्त पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने, मध्यप्रदेश की भांति छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय सेवकों को 300 दिवस अर्जित अवकाश नगदीकरण दिए जाने, प्रदेश के शासकीय सेवकों को पुरानी पेंशन के लाभ हेतु एनपीएस खाते में कटौती तिथि से सेवा गणना किए जाने के साथ ही पूर्ण पेंशन की पात्रता हेतु नीति निर्धारित की जाए, सभी विभागों में समानता लाते हुए सेवानिवृत्त आयु 65 वर्ष की जावे एवं प्रदेश में कार्यरत कार्यभारित, संविदा एवं दैनिक चेतन कर्मचारियों का नियमतीकरण करते हुए नियमित पदस्थापना में नियुक्त किए जाने आदि मांगें शामिल हैं। 16 जुलाई 2025 तक मांगों पर निर्णय नहीं लिये जाने के फलस्वरूप प्रथम चरण में 16 जुलाई को ब्लॉक एवं जिला स्तर पर रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा गया है वहीं 22 अगस्त 2025 के पूर्व निर्णय नहीं लिये जाने पर 22 अगस्त को एक दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर सभी जिला एवं विकासखंड तहसील मुख्यालय में धरना प्रदर्शन किया जावेगा।

डॉ. के. विक्रम राव की श्रद्धांजलि सभा कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में आयोजित हुई

I.F.W.J की कार्यकारिणी बैठक प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में संपन्न हुई

कोरिया बैकुंठपुर - I.F.W.J कार्यसमिति की बैठक में संगठन के दैनिक मुद्दों का प्रबंधन तीनो उपाध्यक्षों, गोपाल मिश्रा, उपेंद्र सिंह राठौड़ और मोहन कुमार एवं कोषाध्यक्ष रजत मिश्रा के च्कोर ग्रुपज्ज को सौपा गया, महासचिव विपिन धूलिया इसके समन्वयक होंगे. I.F.W.J के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव एवं नयी कार्यकारिणी के गठन तक, जो २०२५ के अंत तक संपन्न होने हैं, तब तक यह कोर ग्रुप कार्यों का संचालन करेगा.

कोरिया छत्तीसगढ़ : देश भर के पत्रकार, मीडिया शिक्षक, विभिन्न ट्रेड यूनियन संगठनों (पीटीआई कर्मचारी संघ, टाइम्स कर्मचारी संघ, समाचार पत्र कर्मचारी संघों का कंफेडेरशन, नेशनल फेडरेशन ऑफ न्यूजपेपर एम्प्लॉइज) के प्रतिनिधियों सहित, पत्रकार संघों के प्रतिनिधि और प्रेस कर्मचारियों के नेता नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एकत्र हुए, ताकि पत्रकार और जन-नायक कामरेड के. विक्रम राव के निधन पर शोक व्यक्त कर सकें। देश के सबसे पुराने और सबसे प्रशंसित संगठन के कामकाज को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आई.एफ.डब्लू.जे.की कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसमे डॉ. राव की विरासत को आगे बढ़ाने पर कई अहम्‍फैसले लिए गए। यह भी निर्णय लिया गया कि तीनो उपाध्यक्ष, गोपाल मिश्रा, उपेंद्र सिंह राठौड़ और मोहन कुमार एवं कोषाध्यक्ष रजत मिश्रा का एक कोर ग्रुप होगा, जो संगठन के दैनिक मुद्दों का प्रबंधन करेगा और महासचिव विपिन धूलिया इसके समन्वयक होंगे । आई.एफ.डब्लू.जे. के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव एवं नयी कार्यकारिणी के गठन तक, जो २०२५ के अंत तक संपन्न होने हैं, तब तक यह कोर ग्रुप आई.एफ.डब्लू.जे. के कार्यों का सञ्चालन करेगा। इससे पहले, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हुई शोक सभा में समाचार पत्रों और समाचार एजेंसियों के कर्मचारियों के सामान्य हितों का अभिसरण और मजबूत हुआ, जब अधिकांश वक्ताओं ने भारी आवाज में याद किया कि के विक्रम राव साहब अपनी दुखद मृत्यु से कुछ घंटे पहले तक पत्रकारिता में योगदान दे रहे थे। उनकी अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी पर भी उत्कृष्ट पकड़ थी। वे अपनी मातृभाषा तेलुगु और उर्दू भी जानते थे। उनके लेख विभिन्न भाषाओं में ८० से अधिक प्रकाशनों में छपते थे। उन्हें १९७५ के आंतरिक आपातकाल का विरोध करने के लिए निशाना बनाया गया और उन्हें जॉर्ज फर्नांडीस, भारत के सबसे प्रशंसित राष्ट्रीय नेताओं में से एक, के साथ बड़ौदा डायनामाइट केस में फंसाया गया। वक्ताओं में समाचार पत्र कर्मचारी परिसंघ के उपाध्यक्ष मनोज मिश्रा, पी टी आई के यूनियन नेता, इंदुकांत दीक्षित, अध्यक्ष पीटीआई, बलराम दहिया महासचिव, सी. एल. गुप्ता, पीटीआई के उत्तर भारत विंग के प्रभारी और पीटीआई की वरिष्ठ पत्रकार सुश्री कविता शामिल थीं। भारत भर से विभिन्न आई.एफ.डब्लू.जे. इकाइयों के वक्ता जिसमे विपिन धूलिया महासचिव रजत मिश्रा कोषाध्यक्ष, हसीब सिद्दीकी, अध्यक्ष, शिव शरण घरवार अध्यक्ष लखनऊ यूनियन, नितिन श्रीवास्तव सदस्य कार्य समिति रुड्डछ्ठ, प्रमोद दत्ता अध्यक्ष बिहार यूनियन, सुधीर मधुकर महासचिव बिहार यूनियन, अभिजीत पांडे, सलमान खान अध्यक्ष मध्य प्रदेश यूनियन, हरिओम पांडे राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, उपेंद्र सिंह राठौड़ अध्यक्ष राजस्थान यूनियन, बेणु पांडा महासचिव उत्कल जर्नलिस्ट यूनियन उड़ीसा, पी. आनंदम सचिव तेलंगाना यूनियन, सोमैय्या मामीडी संस्थापक अध्यक्ष तेलंगाना यूनियन, बसवा पुन्नैया बोडिगे सदस्य तेलंगाना विधानसभा मीडिया सलाहकार, प्रभाकर येलोजी, सुश्री शांता कुमारी संयोजक आई.एफ.डब्लू.जे. कर्नाटक, संतोष चतुवेर्दी सचिव आई.एफ.डब्लू.जे., परमेश्वर राव अध्यक्ष आंध्र यूनियन, इकबाल चौधरी नॉएडा, मारूफ रजा संयोजक आई.एफ.डब्लू.जे.नई दिल्ली ने दिवंगत नेता को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रेस कर्मचारी परिसंघ के प्रतिनिधियों ने भी दिवंगत नेता को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसमे अयोध्या प्रसाद वशिष्ठ संस्थापक अध्यक्ष एन.एफ.एन.ई., उमेश चतुवेर्दी, भोपाल के एक प्रतिष्ठित ट्रेड यूनियन नेता, एन.यू.जे.आई. के प्रोफेसर शिवाजी सरकार, सी. एम. पपने महासचिव एन.एफ.एन.ई., प्रदीप फुटेला उत्तराखंड, हवलदार सिंह अध्यक्ष टाइम्स एम्प्लॉइज यूनियन, टाइम्स यूनियन के सदस्य उमाशंकर कुकरेती, राजेंद्र पांडे, हरि, सुरेश डोबरियाल वरिष्ठ पत्रकार, सुश्री सरोज धूलिया उपाध्यक्ष इंडियन वीमेंस प्रेस कॉर्प शामिल थे। कुछ राज्य के सदस्य जो अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण उपस्थित नहीं हो सके, उन्होंने अपने संदेश भेजे। कंफेडेरशन के महासचिव, जी. भूपति, आई.एफ.डब्लू.जे. के उपाध्यक्ष मोहन कुमार, सुश्री नमिता बोरा, असम, अमित कुमार, कोलकत्ता, पश्चिम बंगाल, बी. आर. प्रजापति और आर. मणिकम, अध्यक्ष और सचिव गुजरात जर्नलिस्ट यूनियन, विजय पौल अध्यक्ष त्रिपुरा जर्नलिस्ट यूनियन और अन्य के संदेश पढ़े गए। राव के एक करीबी दोस्त, के. बी. माथुर, जिन्होंने नॉर्दर्न इंडियन पत्रिका और अमृत प्रभात के संपादक के रूप में कार्य किया था और अब टोरंटो, कनाडा में रहते हैं, ने याद किया कि लखनऊ में इमरजेंसी के दौरान उनकी गिरफ्तारी से पहले उन्होंने उनके निवास पर कुछ घंटों के लिए कैसे शरण ली थी। पूर्व शीर्ष सिविल सेवक प्रमोद रावल अपनी डॉक्टर पत्नी सुश्री अमिता रावल के साथ मौजूद थे। प्रोफेसर प्रदीप माथुर ने पत्रकारों को उनके लेखन कौशल में सुधार करने में मदद करने के लिए अपना समर्थन दिया। तत्पश्चात दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। बाद में आई.एफ.डब्लू.जे. की कार्यसमिति ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में अपनी बैठक की और अपने अध्यक्ष डॉ. के. विक्रम राव द्वारा शुरू किए गए आंदोलन को पूरा करने का संकल्प लिया। राजस्थान में होने वाले राष्ट्रीय परिषद सत्र को मंजूर किया गया। आई.एफ.डब्लू.जे. की नई इकाइयों के रूप में शामिल होने के लिए आये विभिन्न राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा की गई, उन्हें अनुमोदन के लिए ढ्ढ.स्न.ङ्ख.छ्व. कोर समिति को अग्रेषित किया गया।

जिले में अब तक 394.8 मिमी वर्षा दर्ज, कोटाडोल में सबसे अधिक 521.6 मिमी

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में मानसून ने अपनी पूरी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। लगातार हो रही बारिश से खेतों में हरियाली की उम्मीदें हरी हो गई हैं और किसान खरीफ फसलों की बुवाई को लेकर आशावान हैं। भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों में जिले में औसतन 12.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। वहीं 1 जून से 15 जुलाई 2025 तक जिले में कुल औसत 394.8 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है जो खरीफ खेती के लिए अनुकूल मानी जा रही है। तहसीलवार आंकड़ों पर नजर डालें तो कोटाडोल ने सर्वाधिक 521.6 मिमी वर्षा के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। भरतपुर 453.7 मिमी वर्षा के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा चिरमिरी में 391.2 मिमी, खड़गवां में 371.9 मिमी, मनेन्द्रगढ़ में 322.2 मिमी और केल्हारी में 305.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में हो रही लगातार बारिश से किसानों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। अब तो खेतों में बोआई कार्य भी तेज होने लगी है। साथ ही आने वाले दिनों में मौसम की अनुकूलता बनी रही तो इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद है।

नगर पालिका परिषद शिवपुर चर्चा में घटिया निर्माण पर पार्षद कुमोद मिश्रा ने उठाई आवाज, CMO को पत्र लिख जांच की मांग

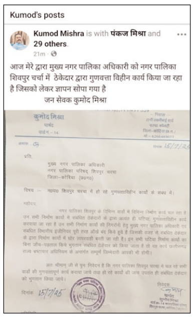

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिला अंतर्गत नगर पालिका परिषद शिवपुर चर्चा में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र के वार्ड पार्षद कुमोद मिश्रा ने नगर पालिका प्रशासन पर निर्माण कार्यों में लापरवाही और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को एक लिखित पत्र सौंपते हुए इन कार्यों की तत्काल जांच कराने तथा जांच पूर्ण होने तक भुगतान पर रोक लगाने की मांग की है। पार्षद मिश्रा का कहना है कि नगर पालिका क्षेत्र में जो भी निर्माण कार्य वर्तमान में किए जा रहे हैं, उनमें गुणवत्ता का अभाव है, जिससे ना सिर्फ जनता की गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि भविष्य में यह कार्य जनसुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। **निर्माण कार्यों की हकीकत उजागर** - वार्ड पार्षद कुमोद मिश्रा ने अपने पत्र में विस्तारपूर्वक बताया कि शिवपुर चर्चा के विभिन्न वार्डों में सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पाइपलाइन बिछाने जैसे बुनियादी विकास कार्यों में ठेकेदारों द्वारा बेहद घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इन कार्यों में सीमेंट, रेत, गिट्टी की मात्रा निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है। यहां तक कि कहीं-कहीं पर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है, जबकि उसकी पूर्णता की रिपोर्ट बनाकर भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पार्षद मिश्रा का आरोप है कि संबंधित ठेकेदारों और नगर पालिका के अधिकारियों की मिलीभगत से कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बरती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने स्वयं कुछ निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया, तो पाया कि नाली की गहराई मानक से कम है, दीवारों की प्लास्टरिंग अधूरी है।

जिले में अब तक सामान्य से कम वर्षा, पटना तहसील सबसे आगे

कलेक्टर ने एसडीएम व तहसीलदारों को जल भराव क्षेत्रों का दौरा करने के दिए निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - कोरिया जिले में इस वर्ष १ जून से १६ जुलाई तक कुल १७८८.६० मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो जिले की सामान्य औसत वर्षा १०४०.९ मिमी के मुकाबले औसतन १५०.२० प्रतिशत अधिक है, हालांकि, तहसीलवार आंकड़ों पर गौर करें तो जिले के विभिन्न हिस्सों में वर्षा वितरण असमान रहा है और कई क्षेत्रों में सामान्य से काफी कम वर्षा हुई है।

भू-अभिलेख शाखा, बैकुंठपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसीलवार वर्षा की स्थिति इस प्रकार है-पटना तहसील में अब तक ६२१.७० मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य का ५८.८० प्रतिशत है। यह जिले में सर्वाधिक प्रतिशत वर्षा वाला क्षेत्र रहा, जबकि विगत वर्ष जून माह में २६२ मिमी तथा १ जुलाई से १६ जुलाई २०२४ के बीच ४१३.६ मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। बैकुंठपुर में १ जून २०२५ से अभी तक ४५१.२० मिमी वर्षा हुई, जो औसत का ४३.३६ प्रतिशत है। विगत वर्ष २०२४ के जून माह में ७१.६ तथा १६ जुलाई २०२४ तक १९९ मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। सोनहत तहसील में ४४४.८० मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य का ३८.०२ प्रतिशत है। जबकि जून २०२४ में १०४.५ तथा १६ जुलाई २०२४ में २२७.६ मिमी वर्षा दर्ज की गई थी वहीं, पोड़ी-बचरा तहसील क्षेत्र में १ जून २०२५ से अभी तक केवल २७०.९० मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य का मात्र ३०.२२ प्रतिशत है और इसे सबसे कम वर्षा वाला क्षेत्र माना गया है, जबकि विगत वर्ष जून माह में ८१.५ और १ जुलाई से १६ जुलाई २०२४ के बीच १४५.७ मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। आज जिले में औसतन ३०.६५ मिमी वर्षा दर्ज की गई।

जिले की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने बैकुंठपुर एवं सोनहत एसडीएम सहित सभी तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों का सघन निरीक्षण करने और जल भराव वाले इलाकों, नदी-नालों के पास के संवेदनशील स्थानों का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन ने किसानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि मौसम विज्ञान केन्द्र द्वारा जारी चेतावनियों और पूवार्नुमानों पर सतर्कता से ध्यान दें और खेती-बाड़ी की योजना उसी अनुसार बनाएं। साथ ही जल संरक्षण को प्राथमिकता देने की भी सलाह दी गई है।

भारत में टेस्ला की पहली कार लॉन्च, एक बार चार्ज करने पर 622किमी चलेगी, इतनी होगी कीमत

नई दिल्ली ,16 जुलाई । टेस्ला ने मुंबई में 'एक्सपीरियंस सेंटरइ लॉन्च करने के साथ देश में अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वाई को लॉन्च किया। टेस्ला ने आधिकारिक बयान में कहा कि कंपनी ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के इर्द-गिर्द एक संपूर्ण इकोसिस्टम तैयार करके विकास की बड़ी योजना तैयार की है।

टेस्ला ने पहली इलेक्ट्रिक स्ङ्क मॉडल ङ्क को भारत में लॉन्च किया। कंपनी का दावा है कि ये कार एक बार फुल चार्ज में 622 किलोमीटर तक चल सकती है। कार में सेफ्टी के लिए 8 एयरबैग के साथ लेवल-2 एडास जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इलेक्ट्रिक कार को भारत में दो वैरिएंट- रियर व्हील ड्राइव और लॉन्ग रेंज रियर व्हील ड्राइव में पेश किया गया है। इसकी आरडब्ल्यूडी वैरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 60 लाख रुपए है। वहीं लॉन्ग रेंज वैरिएंट की कीमत 68 लाख रुपए है।

27 पर ऑलआउट होने के बाद वेस्टइंडीज में मचा हड़कंप, बोर्ड ने बुलाई आपात बैठक

नईदिल्ली,16 जुलाई। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में दूसरे सबसे कम स्कोर (27 रन) पर ऑलआउट होने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट में भूचाल आ गया है. जिसकी वजह से क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक आपात बैठक में दिग्गज खिलाड़ी ब्रायन लारा, क्लाइव लॉयड और विव रिचर्ड्स को शामिल होने के लिए बुलाया है. ताकि ये तीनों खिलाड़ी खिलाड़ी शिवनारायण चंद्रपॉल, डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ क्रिकेट रणनीति और टीम के हालिया बेहद निराशाजनक प्रदर्शन का आकलन करें.

वेस्टइंडीज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर न सिर्फ 3-0 से सीरीज में मिली करारी हार मिली, बल्कि हर मैच तीन दिन के अंदर ही खत्म हो गया. सबसे खराब प्रदर्शन तीसरे और आखिरी टेस्ट में आया, जब वे 14.3 ओवर में सिर्फ 27 रन पर ऑलआउट हो गए. जो कि टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे छोटा स्कोर है और 1955 में न्यूजीलैंड द्वारा बनाए गए 26 रन से केवल एक रन ज्यादा था. इसके ये वेस्टइंडीज के पिछले न्यूनतम स्कोर 47 रन से भी काफी कम था.

वेस्टइंडीज की इस शर्मनाक पारी में एक अनचाहा रिकॉर्ड ये भी बन गया कि ऐसा पहली बार हुआ जब किसी टीम के एक टेस्ट पारी में सात खिलाड़ी शून्य पर आउट हो गए और शीर्ष छह बल्लेबाजों ने केवल छह रन बना सके, जो टेस्ट इतिहास में अब तक के सबसे कम रन था.

क्रिकेट वेस्टइंडीज के अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने स्वीकार किया कि हालिया हार वेस्टइंडीज क्रिकेट समुदाय में कई रातों की नींद हराम कर देंगी. हालाँकि, उन्होंने धैर्य रखने का आग्रह किया और टीम के पुनर्निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया और अगली पीढ़ी के खिलाडि?ों में निवेश शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया. शैलो ने एक बयान में कहा, 'हर वेस्ट इंडीज क्रिकेट प्रशंसक की तरह, मुझे भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया टेस्ट हार का दर्द महसूस हुआ. हम में से कई लोगों के लिए, जिनमें खिलाड़ी भी शामिल हैं, आगे कुछ रातें नींद से भरी होंगी, जिन्हें मैं जानता हूं कि इस नुकसान का उतना ही गहरा एहसास है. लेकिन निराशा स्वाभाविक है, लेकिन हमें इस पल को अपनी यात्रा का आधार नहीं बनने देना चाहिए. हम पुनर्निर्माण के दौर में हैं, अगली पीढ़ी में लगातार निवेश कर रहे हैं, और उस भावना को फिर से जगा रहे हैं जिसने लंबे समय से वेस्ट इंडीज क्रिकेट को दुनिया में एक ताकत बनाया है.'

उन्होंने आगे कहा, 'आगे का रास्ता हमारी परीक्षा लेगा, लेकिन मुझे अपने खिलाडि?ों की प्रतिभा और प्रतिबद्धता पर पूरा भरोसा है जब वे खुद को समर्पित करते हैं. हमने पहले ही उत्साहजनक संकेत देखे हैं, खासकर गेंद के साथ. हमारे बल्लेबाज उत्सुक हैं, लेकिन अब उन्हें और भी अधिक सचेत रहना होगा क्योंकि वे सुधार के लिए काम कर रहे हैं.' शैलो ने स्पष्ट किया कि लारा, रिचर्ड्स और लॉयड को आपात बैठक में बुलाना केवल औपचारिक नहीं है, बल्कि वे वेस्ट इंडीज क्रिकेट के विकास के अगले चरण को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे.

बता दें कि वेस्टइंडीज अब 21 जुलाई से ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा और फिर उसके बाद अगस्त में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर टेस्ट मैच की सीरीज खेलेगा.

छोटी खबरें

रविंद्र जडेजा ने 73 साल बाद लॉर्ड्स मे रचा इतिहास

0-टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक जड? वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली,16 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में 14 जुलाई 2025 को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर रविंद्र जडेजा ने कुछ ऐसा कर दिया, जिससे 73 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया. भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर जडेजा ने लॉर्ड्स टेस्ट में 61 रनों की नाबाद पारी तब खेली जब भारत को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य मिला था. लेकिन जडेजा टीम को जीत नहीं दिला पाए और भारतीय टीम 22 रनों से मैच हार गई. भारतीय क्रिकेट टीम को इस मैच में बेशक हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कुछ पारियां ऐसी होती हैं जो समय की धूल को चीरते हुए हमेशा याद रखी जाती हैं. इस हारे हुए मैच को भी जडेजा के लिए हमेशा याद रखा जाएगा. रविंद्र जडेजा ने इस मैच में टीम इंडिया के लिए इतिहास भी रचा और 73 साल बाद लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने. जडेजा ने पहली पारी में 72 और दूसरी पारी में नाबाद 61 रनों की पारी खेली. इससे पहले सिर्फ वीनू मांकड़ ने 1952 में पहली पारी में 72 और दूसरी पारी में 184 रन बनाए थे. इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भी जडेजा के कायल हुए और उनकी बेमिसाल पारी के लिए बधाई दी. स्टोक्स ने जी भर कर जडेजा को गले लगाया. जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है और ये तस्वीर भावुक कर देने वाली है क्योंकि इस तरह की पारी कभी-कभी ही देखने को मिलती है. रविंद्र जडेजा के इस सीरीज में अब तक के प्रदर्शन की बात की जाए तो उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है. जडेजा ने 3 मैचों की 6 पारियों में 4 अर्धशतकों की मदद से 327 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका औसत 109.00 का रहा है, जबकि स्ट्राइक रेट 52.57 का रहा है. जडेजा का हाईएस्ट स्कोर 89 रन रहा है. जडेजा बल्ले के अलावा गेंद के साथ इस सीरीज में अब तक 3 विकेट ही हासिल कर पाए हैं. वो इस सीरीज में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन हुए हैं.

सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन ने बनाई प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह, पीवी सिंधु टूनार्मेंट से हुईं बाहर

नई दिल्ली,16 जुलाई। जापान ओपन सुपर 750 टूनार्मेंट से भारत के लिए अच्छी और बुरी खबर दोनों आई हैं. इस खबर को सुनने के बाद कुछ बैडमिंटन फैंस खुश है तो कुछ निराश है. दरअसल जापान ओपन से भारत के लिए बुरी खबर पीवी सिंधु का बाहर होना रहा है. तो वहीं अच्छी खबर ये है कि, सात्विक और चिराग ने शानदार जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है. इसके साथ ही चिराग शेट्टी ने भी दूसरे राउंड में अपना स्थान पक्का कर लिया है.

भारत के स्टार शटलर सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार को जापान ओपन के मेंस डबल्स में धमाकेदार जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टर फाइनल में एंट्री मारी ली है. भारतीय जोड़ी ने लगातार दो सेट जीतकर कोरियाई जोड़ी डोंग-जू और कांग मिन ह्युक को 21-18, 21-10 से हरा दिया और प्री-क्वार्टर फाइनल में एंट्री कर ली.

भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने मेंस सिंगल्स के पहले राउंड में चीनी खिलाड़ी वांग जिनसेंग को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है. लक्ष्य ने अपना मैच सीधे सेटों में जीत लिया. सेन ने जिनसेंग को 21-11, 21-18 से हरा दिया. लक्ष्य में पूरे मैच के दौरान बेहतरीन खेल दिखाया और अंत में धमाकेदार जीत दर्ज कर ली.

लॉर्ड्स टेस्ट में जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास, इशांत शर्मा को पीछे छोड़कर हासिल की बड़ी उपलब्धि

नईदिल्ली,16 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन कर रहे हैं. अब तक सीरीज के तीन मैच खेले जा चुके हैं जिसमें से बुमराह को दो मैच ही खेलने का मौका मिला. उनमें तेज गेंदबाज ने कुल 13 विकेट लेने में सफल रहे. लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में बुमराह ने 6 विकेट लिए थे जबकि दूसरी पारी में उन्हें कोई भी विकेट नहीं मिल सका था. वहीं दूसरे मैच में वर्कलोड की वजह से उन्हें आराम दे दिया गया और फिर लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी हुई, जिसमें बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट लिए और दूसरी पारी में 2 विकेट निकाले. ऐसा करके बुमराह ने इतिहास रच दिया और उन्होंने इशांत शर्मा को पीछे छोड़ दिया. अब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में इंग्लैंड में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बुमराह के नाम हो गया. पहले ये रिकॉर्ड इशांत शर्मा के नाम था. तेज गेंदबाज बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 19 पारियों में 49 विकेट लिए हैं. जबकि इशांत ने 22 पारियों में 48 विकेट लिए. कपिल देव तीसरे स्थान पर चले गए हैं. उन्होंने 22 पारियों में 43 विकेट लिए थे. बता दें कि जसप्रीत बुमराह ने 2018 में इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट मैच खेला था. अब वह भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं. बुमराह को इस सीरीज में एक और टेस्ट खेलने की संभावना है. अगर वो अगला मैच खेलते हैं और उसमें एक विकेट लेते ही वो इंग्लैंड की धरती पर इंग्लैंड के खिलाफ 50 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे.

लॉर्ड्स टेस्ट में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत को 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से इंग्लैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. पहला मैच इंग्लैंड ने पांच विकेट से जीता था जबकि दूसरे मैच में भारत ने जबरदस्त वापसी करते हुए 336 रनों से जीत दर्ज की थी. सीरीज का चौथा मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला

भारत बनाम इंग्लैंड चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड के स्क्वाड का हुआ ऐलान

नईदिल्ली,16 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैंचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है. चौथा मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा. उससे पहले इंग्लैंड ने अपने स्क्वाड में बड़ी तबदीली की है. चोटिल स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को टीम में शामिल किया गया है. बता दें कि बशीर लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में के दौरान चोटिल हो गए थे और उनकी उंगली में फ्रैक्चर होने की वजह से वे सीरीज से बाहर हो गए. बशीर को मैच के तीसरे दिन भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में चोट लगी थी, जब रवींद्र जडेजा ने एक जोरदार शॉट सीधे बशीर की तरफ मारा, जिसे पकड? की कोशिश में गेंद उनकी उंगली पर लग गई. इसके बावजूद 21 वर्षीय बशीर ने आखिरी दिन ओवर भी फेंका और मोहम्मद सिराज के रूप में मैच का आखिरी विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत पक्की कर दी.

उनकी जगह अब टीम में शामिल किए गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर ने आखिरी बार जुलाई 2017 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था. उन्होंने अबतक केवल तीन टेस्ट, 6 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं. टेस्ट में उनके नाम 7 वनडे में 5 और टी20 में 11 विकेट हैं.

------------------------- व्यापार-------------------------

गूगल दक्षिण कोरिया में स्टैंडअलोन यूट्यूब सब्सक्रिप्शन शुरू करने की बना रहा योजना

सोल ,16 जुलाई । गूगल दक्षिण कोरिया में यूट्यूब वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए एक स्टैंडअलोन प्रीमियम सब्सक्रिप्शन प्लान शुरू करने की योजना बना रहा है, जिसमें म्यूजिक स्ट्रीमिंग का विकल्प नहीं होगा। देश के एंटीट्रस्ट रेगुलेटर ने मंगलवार को कहा कि यह निर्णय दक्षिण कोरिया की कथित प्रतिस्पर्धा विरोधी प्रथा को दूर करने के लिए एक स्वैच्छिक सुधारात्मक उपाय के रूप में लिया गया है।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फेयर ट्रेड कमीशन (एफटीसी) के अनुसार, यूट्यूब प्रीमियम लाइट नाम से इस स्टैंडअलोन प्रोडक्ट की कीमत मौजूदा यूट्यूब प्रीमियम प्लान की कीमत से लगभग आधी होगी, जिसमें वीडियो और म्यूजिक स्ट्रीमिंग दोनों फीचर्स होंगे।

एफटीसी ने कहा कि एंड्रॉइड यूजर्स यूट्यूब प्रीमियम लाइट की मेंबरशिप 8,500 वॉन (6.15 अमेरिकी डॉलर) प्रति माह पर ले सकते हैं, जबकि आईओएस यूजर्स के लिए मासिक कीमत 10,900 वॉन निर्धारित की गई है।

नए सब्सक्रिप्शन प्लान को गूगल की सुधारात्मक कार्य योजना के रूप में प्रस्तावित किया गया था ताकि यूट्यूब म्यूजिक को वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की विज्ञापन-मुक्त प्रीमियम सब्सक्रिप्शन सर्विस के साथ बंडल करने की उसकी प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथा को संबोधित किया जा सके।

2020 में गूगल द्वारा इस तरह के प्रोडक्ट के लॉन्च के बाद एफटीसी ने 2023 में अमेरिकी तकनीकी दिग्गज द्वारा कोरिया के निष्पक्ष व्यापार नियमों के कथित उल्लंघन की जांच शुरू की।

एफटीसी ने गूगल पर ग्राहकों को दोनों सर्विस की सदस्यता लेने के लिए प्रभावी रूप से मजबूर करने, उन लोगों के लिए विकल्प सीमित करने का आरोप लगाया है जो शायद केवल विज्ञापन-मुक्त वीडियो स्ट्रीमिंग तक पहुंच चाहते थे, जिससे उपभोक्ता विकल्प सीमित हो गए और उसके बाजार प्रभुत्व का दुरुपयोग हुआ।

लंबी कानूनी लड़ाई लड? के बजाय गूगल ने एफटीसी की 'सहमति निर्णयइ नामक प्रक्रिया के तहत स्टैंडअलोन वीडियो स्ट्रीमिंग सब्सक्रिप्शन प्लान शुरू करने की एक सुधारात्मक कार्य योजना प्रस्तुत की है। यह व्यवस्था एफटीसी को अपनी जांच सस्पेंड करने की अनुमति देती है अगर कंपनी स्वेच्छा से ऐसे उपाय प्रस्तावित करती है जो कथित उपभोक्ता नुकसान को दूर करते हैं।

एफटीसी ने कहा कि वह गूगल के प्रस्ताव को स्वीकार करने या न करने पर अंतिम निर्णय लेने से पहले 14 अगस्त तक 30 दिनों की अवधि में संबंधित मंत्रालयों और हितधारकों से राय एकत्र करने की योजना बना रहा है।

अगर एफटीसी इस प्रस्ताव का समर्थन करता है तो गूगल इस वर्ष के अंत तक यूट्यूब प्रीमियम लाइट योजना शुरू करने की योजना बना रहा है।

प्रस्ताव के तहत, गूगल ने कहा कि वह अपने यूजर्स पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए यूट्यूब प्रीमियम लाइट और यूट्यूब प्रीमियम की कीमतों को कम से कम एक वर्ष के लिए स्थिर रखेगा।

अमेरिकी कंपनी ने यह भी कहा कि वह नए कलाकारों की खोज कर और विदेशी म्यूजिक फेस्टिवल में उनकी भागीदारी में मदद कर कोरियाई म्यूजिक इंडस्ट्री के विकास का समर्थन करने के लिए 15 बिलियन वॉन का एक फंड बनाएगी।

भारत में टियर-2 और टियर-3 गैर-मेट्रो शहर अधिक नौकरियों और प्रतिभाओं को कर रहे आकर्षित : रिपोर्ट

नई दिल्ली ,16 जुलाई । भारत के गैर-मेट्रो शहरों में रोजगार बाजार की गति और आर्थिक अवसर बढ़ रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

प्रोफेशनल नेटवर्क प्लेटफॉर्म लिंक्डइन की सिटीज ऑन द राइज रिपोर्ट में विशाखापत्तनम, रांची, विजयवाड़ा, नासिक और रायपुर को सबसे तेजी से बढ़ते गैर-मेट्रो केंद्रों के रूप में मार्क किया गया है, जहां पेशेवर अवसरों में तेजी आ रही है। रिपोर्ट उन उभरते टियर-2 और टियर-3 विकास क्षेत्रों जैसे राजकोट, आगरा, मदुरै, वडोदरा और जोधपुर पर भी प्रकाश डालती है, जो ऐसे पेशेवरों के लिए हैं जो स्थानांतरित होना चाहते हैं, नए उद्योगों में प्रवेश करना चाहते हैं या स्थानीय स्तर पर अपना करियर बनाना चाहते हैं। इन उभरते शहरों की सफलता का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को दिया गया है। लिंक्डइन इंडिया की संपादकीय प्रमुख और करियर विशेषज्ञ निराजिता बनर्जी ने कहा, टियर-2 और टियर-3 शहर भारत के आर्थिक परिवर्तन के केंद्र में हैं। जीसीसी निवेशों का प्रवाह, स्थानीय एमएसएमई में उछाल और सरकार का विकसित भारत का दृष्टिकोण सामूहिक रूप से छोटे शहरों को सीरियस करियर हब में बदल रहे हैं। बनर्जी ने आगे कहा, इसका मतलब है कि कई भारतीयों के लिए, सार्थक करियर प्रगति के लिए अब बड़े शहर जाना जरूरी नहीं है। क्योंकि ये 10 उभरते शहर उद्योगों, कार्यों और भूमिकाओं में वास्तविक अवसर प्रदान करते हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में टियर-2 और टियर-3 भारतीय शहरों में कदम रखने और प्रतिभाओं को आकर्षित करने में टेक्नोलॉजी, फार्मा और फाइनेंस कंपनियों की भूमिका पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार ने भारतीय डाक को दिया 20-30 प्रतिशत की ग्रोथ का टारगेट : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली ,16 जुलाई । सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय डाक के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 20 से 30 प्रतिशत की महत्वाकांक्षी वृद्धि का लक्ष्य रखा है। यह बयान केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर दिया गया।

इसका लक्ष्य भारतीय डाक को उसकी सामाजिक जिम्मेदारी से समझौता किए बिना मुनाफा में लाना है।

सिंधिया ने प्रदर्शन मानकों, नवाचार और जवाबदेही को प्राथमिकता देने वाली कॉर्पोरेट-शैली की संरचना को अपनाने के लिए भारतीय डाक की प्रशंसा की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारतीय डाक केवल एक सेवा नहीं है, बल्कि हमारे देश के सुदूर कोनों को जोड? वाली एक जीवनरेखा है। देश के हर कोने से ऊर्जा, प्रतिबद्धता और विचारों को देखकर गर्व होता है।

नई दिल्ली में इंडिया पोस्ट के 'वार्षिक व्यावसायिक सम्मेलन 2025-26इ में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने एक पेशेवर, सेवा केंद्रित संस्कृति विकसित करने के महत्व पर जोर दिया, जिससे भारतीय डाक आम लोगों को सेवाएं देते हुए लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवाओं में सशक्त प्रतिस्पर्धा कर सके।

केंद्रीय मंत्री ने आंतरिक संचार और ज्ञान साझाकरण को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में एक नए मासिक ई-न्यूजलेटर और डाक संवाद की भी शुरूआत की।

यह न्यूजलेटर भारतीय डाक के कर्मचारियों के नवाचारों, व्यावसायिक अंतर्दृष्टि और क्षेत्र की सफलता की कहानियों के साथ-साथ उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले लोगों के अटूट विश्वास को भी उजागर करेगा।

सभी सर्किल प्रमुखों ने बैठक के दौरान अपने व्यावसायिक प्रदर्शन, क्षेत्रीय पहलों, कठिनाइयों और विकास को गति देने वाली रणनीतियों पर प्रस्तुतियां दीं। ये प्रस्तुतियां भारतीय डाक की बैंकिंग, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और सार्वजनिक सेवा वितरण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किए जा रहे जीवंत और जमीनी प्रयासों पर केंद्रित थीं, साथ ही राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप भी थीं।

सिंधिया ने प्रतिनिधियों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और प्रत्येक क्षेत्र में उनके लक्ष्यों, चुनौतियों और प्रगति पर ध्यान दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय डाक समावेशी विकास को बढ़ावा देने और मजबूत लॉजिस्टिक्स, वित्तीय समावेशन और डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राज्य में 67389 व्यक्ति हुए ठगी के शिकार

रायपुर। राज्य में डिजिटल अरेस्ट एवं आनलाईन ठगी की प्राप्त शिकायतों का निराकरण का मामला गजेन्द्र यादव ने विधानसभा में उठाया। जिस पर उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने सदन को बताया कि प्रदेश से 67389 व्यक्तियों द्वारा ठगी की शिकायतें एनसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाईन दर्ज करायी गयी है। पोर्टल से प्राप्त जानकारी अनुसार ठगी की राशि लगभग 791 करोड़ रुपए है। प्राप्त शिकायतों में से 21195 शिकायतों का निराकरण किया गया है एवं 1820 पीड़ितों की राशि वापस करायी गयी है। (ग) एनसीआरपी पोर्टल अनुसार दुर्ग जिले में 9060 शिकायतें प्राप्त हुई है।

न्यूज गैलरी

निगम में कौन है नेता प्रतिपक्ष.. आकाश या संदीप ..?

रायपुर। लगता है रायपुर नगर निगम पार्षद दल के नेता प्रतिपक्ष के रुप में आकाश तिवारी को स्वीकारने तैयार नहीं है,तभी तो संदीप साहू के नाम पर अधिकृत रुप से परिचय पत्र जारी कर दिया गया है जिसमें पदनाम के सामने नेता प्रतिपक्ष व पार्षद लिखा हुआ है। अब परिचय पत्र जारी होने के बाद इस पद को लेकर फिर से चर्चा छिड़ गई है। बता दें कांग्रेस ने पहले संदीप साहू को ही नेता प्रतिपक्ष पार्षद दल बनाया था लेकिन बागी होकर चुनाव लड़े आकाश तिवारी का जैसे ही घर वापसी हुई कांग्रेस पार्टी ने उसे नेता प्रतिपक्ष बनाते हुए पत्र जारी कर दिया। इस बीच कांग्रेस के पांच पार्षद संदीप साहू समेत पार्टी से नाराज होकर इस्तीफा दे दिए थे। बाद में समझाईश के बाद सभी मान गए और ,इस्तीफा भी वापस हो गया और आकाश तिवारी को ही नेता प्रतिपक्ष के रुप में पार्टी ने स्वीकरोत्ति दे दी। इसकी अधिकृत सूचना भी पार्टी कार्यालय से निगम प्रशासन को भेजा गया। लेकिन अब नगर निगम से परिचय पत्र जारी हुआ तो फिर बवाल मच गया कि ये कैसे हो गया? अब देखें आगे यह एपिसोड क्या गुल खिलाता है?

टैरिफ में न्यूनतम वृद्धि, आपूर्ति में गुणवत्ता – छत्तीसगढ़ में ऊर्जा सुधारों को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन: मुख्यमंत्री

00 स्टील उद्योगों के लिये राहत, घरेलु उपभोक्ताओं के लिए संरक्षण, कृषि पंपों पर नहीं पड़ेगा बोझ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2025-26 हेतु घोषित बिजली टैरिफ में मात्र 1.89 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जो कि विगत वर्षों में न्यूनतम वृद्धि में से एक है। यह निर्णय जनसुनवाई की प्रक्रिया के बाद पारदर्शी ढंग से लिया गया है और इसे घरेलू उपभोक्ताओं से लेकर स्टील और रोलिंग मिल उद्योगों तक ने सराहा है।

आम उपभोक्ताओं को राहत, किसानों पर कोई अतिरिक्त भार नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि घरेलू विद्युत दरों में केवल 10 से 20 पैसे तक की मामूली वृद्धि की गई है, जबकि कृषि पंप उपभोक्ताओं के लिए 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है – जिसका सीधा असर किसानों पर नहीं पड़ेगा क्योंकि यह राशि शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में पहले से अग्रिम भुगतान की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि छत्तीसगढ़ के कृषक वर्ग पर कोई अतिरिक्त आर्थिक भार न पड़े। सरकार किसानों के हितों की पूरी तरह से रक्षा कर रही है।

उद्योगों को बढ़ावा – स्टील इंडस्ट्री की दरों में कटौती

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखने हेतु मिनी स्टील, रोलिंग मिल और फेरो एलॉय जैसे ऊर्जा-गहन उद्योगों की दरों में कटौती की है। यह निर्णय उद्योगों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

बेहतर आपूर्ति और घटती हानियाँः गुणवत्तापूर्ण वितरण प्रणाली की दिशा में अग्रसर छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में औसतन 23.85 घंटे/दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 23.45 घंटे/दिन बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। विशेष रूप से कृषि फीडरों में 18 घंटे प्रतिदिन की आपूर्ति दी जा रही है, जो देश के सभी राज्यों में सर्वाधिक आंकड़ों में शामिल है। तकनीकी और वाणिज्यिक हानि को 2020-21 में 23.14 प्रतिशत से घटाकर 2024-25 में 13.79 प्रतिशत किया गया है। यह उपलब्धि दक्ष संचालन, पारदर्शी व्यवस्था और तकनीकी सुधारों का प्रमाण है।

अधोसंरचना विकास के लिए बड़ा निवेश, कोरबा में 1320 मेगावॉट का नया प्लांट

वर्तमान टैरिफ में केपिटल इन्वेस्टमेंट प्लान का भी समावेश है जिसके अंतर्गत ट्रांसमिशन कंपनी के लिए 2433 करोड़, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के लिए 3977 करोड़ और जनरेशन कंपनी के लिए 2992 करोड़ का प्रावधान है। कोरबा में 1320 मेगावॉट के प्लांट की स्थापना का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है, जिसकी लागत 15,800 करोड़ है। इससे छत्तीसगढ़ भविष्य में ऊर्जा-सरप्लस राज्य बनेगा और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

सौर ऊर्जा की ओर एक कदमः घरेलू उपभोक्ताओं के लिए डबल अनुदान योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट तक के संयंत्रों पर 78,000 तक केंद्र सरकार से अतिरिक्त 2 किलोवाट तक के संयंत्रों पर 30,000 तक राज्य शासन से अनुदान दिया जाएगा। यह योजना छत्तीसगढ़ के घरेलू उपभोक्ताओं को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में क्रांतिकारी पहल है।

ऊर्जा के क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये के करार, आएगी रोजगार क्रांति

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बताया कि पॉवर कंपनी/शासन द्वारा 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के करार किए गए हैं, जिससे आने वाले समय में ऊर्जा उत्पादन और रोजगार दोनों के क्षेत्र में क्रांति आएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हमारी प्राथमिकता है कि बिजली उपभोक्ताओं को न केवल निर्बाध आपूर्ति मिले, बल्कि वह गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और टिकाऊ हो। वर्तमान और भावी योजनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय मानक स्थापित करेगा।

धमतरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा भर्ती में नियमों की हुई अवहेलना, पर किसी प्रकार की अनियमितता नहीं

रायपुर। विधायक ओंकार साहू ने बजट सत्र 2025 में पूछे गए अता. प्रश्न संख्या 55 (क्रमांक 2209), दिनांक 18.03.2025 के उत्तर में धमतरी जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती में नियमों की अवहेलना तथा 15वें वित्त आयोग मद से खरीदी में गंभीर वित्तीय अनियमितता पाई गई है? का मामला विधानसभा में उठाया। लोक स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि जिला धमतरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती में नियमों की अवहेलना हुई है परन्तु 15वें वित्त आयोग मद से जिला धमतरी में किसी भी प्रकार की खरीदी नहीं की गई है। अतः खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई है। ओंकार साहू ने फिर पूछा कि उक्त अनियमितताओं के संबंध में की गई जांच में दोषी पाए गए किस-किस अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध अब तक क्या प्रशासनिक, विभागीय अथवा दंडात्मक कार्रवाई की गई है? कृपया पृथक-पृथक विवरण सहित दिनांकवार जानकारी प्रस्तुत की जाए? स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि जिला धमतरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती के संबंध में जांच समिति द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन अनुसार जिला प्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा भर्ती अनियमितता उल्लेखित है, उपरोक्त संबंध में राज्य कार्यालय द्वारा जिला प्रबंध-प्रशिक्षण/मानव संसाधन को भर्ती में अनियमितता के संबंध में कारण बताओ नोटिस पत्र क्रमांक एनएचएम / एचआर/2025/129/3651, दिनांक 04.02.2025 जारी किया गया। जिला प्रबंधक के प्रतिउत्तर के आधार पर नियमानुसार कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

विधायक साहू ने पूछा कि क्या शासन द्वारा लोक वित्तीय दायित्व एवं बजट उत्तरदायित्व अधिनियम तथा छत्तीसगढ़ वित्तीय नियम का उल्लंघन कर संविदा नियुक्ति एवं खरीदी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को सेवा से पृथक करने की अनुशंसा की गई है? यदि नहीं, तो इसके कारणों की स्पष्ट जानकारी दी जाए? इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि संविदा भर्ती में हुई अनियमितता के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

32 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन व 128 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन की तकनीकी स्पेसिफिकेशन के आधार पर बाजार दर से है समतल्य - स्वास्थ्य मंत्री

रायपुर। लोक स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मानसून सत्र के तीसरे दिन पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में बताया कि वर्ष 2023-24 में सीजीएमएससी के अंतर्गत 32 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन जिला अस्पताल बालोद, बलरामपुर, बेमेतरा, बिलासपुर, गरियाबंद, कबीरधाम, मुंगेली, रायगढ़, सुरजपुर, दुर्ग, सुकमा और नारायणपुर हेतु तथा 128 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में में सप्लाई के लिए टेंडर आहूत किया गया था। 32 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन की बेस प्राईज तय नहीं की गई थी। 128 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन का बेस प्राईज दस करोड़ रुपए मात्र शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव द्वारा रखी गई थी। इसके अंतर्गत 32 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन हेतु दो एजेंसियों द्वारा द्वितीय निविदा में भाग लिया गया था। 32 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन 09 जिला अस्पताल बालोद, बलरामपुर, बेमेतरा, बिलासपुर, गरियाबंद, कबीरधाम, मुंगेली, रायगढ़, सुरजपुर के लिए प्रति मशीन चार करोड़ उन्नचास लाख निन्यान्बे हजार नौ सौ निन्यान्बे रुपए बावन पैसे मात्र दर पर एजेंसी समता इंटरप्राजेस, श्री. प्रियेश जैन, बाफना मार्केट, सदर बाजार, धमतरी, छत्तीसगढ़ को निविदा प्राप्त हुआ था। 128 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव के लिए तृतीय निविदा में एक एजेंसी के द्वारा भाग लिया गया था। जिसमें 128 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन ग्यारह करोड़ अड़तालीस लाख पचास हजार रुपए दस पैसे मात्र दर पर एजेंसी समता इंटरप्राजेस, श्री. प्रियेश जैन, बाफना मार्केट, सदर बाजार, धमतरी, छत्तीसगढ़ को निविदा प्राप्त हुई थी। आज दिनांक तक संबंधित फर्म को दस करोड़ अस्सी लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

स्वास्थ्य मंत्री ने आगे बताया कि निविदा के माध्यम से चयनित एजेंसी द्वारा 05 नग 32 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन मेक- ₹सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड.₹ द्वारा जिला अस्पताल बालोद, बेमेतरा, गरियाबंद, कबीरधाम और मुंगेली हेतु सीजीएमएससी को सप्लाई की जा चुकी है। उक्त मशीनों को सप्लाई हेतु तत्कालीन संचालक, स्वास्थ्य सेवायें, छ0म0 द्वारा जिलो से प्राप्त माग पत्र के आधार पर तत्कालीन प्रबंध संचालक, सीजीएमएससी को निविदा कर क्रय करने आपूर्ति करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया। उक्त मशीनों हेतु राशि की स्वीकृति मुख्यमंत्री अस्पताल रूपांतरण कोष के अधिशासी समिति के अनुमोदन उपरांत छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रशासकीय स्वीकृति उपरांत प्रदाय की गई। निविदा प्राप्त एजेंसी द्वारा वर्तमान में 1 नग 128 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन मेक- ₹सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड.₹ की सप्लाई मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में की गई है। सप्लाई हेतु तत्कालीन आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा, संचालक, चिकित्सा शिक्षा, प्रबंध संचालक, सीजीएमएससी, अधिष्ठाता, मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव एवं प्रभारी महाप्रबंधक (उपकरण) सीजीएमएससी की स्वीकृति से सप्लाई की गयी है। उक्त मशीनों हेतु राशि की स्वीकृति मुख्यमंत्री अस्पताल रूपांतरण कोष के अधिशासी समिति के अनुमोदन उपरांत छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रशासकीय स्वीकृति उपरांत प्रदाय की गई। सप्लाई की गई 32 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन एवं 128 स्लाईस सीटी स्कैनर मशीन की तकनीकी स्पेसिफिकेशन के आधार पर बाजार दर से समतल्य है।

विकासखण्ड क्षेत्राधिकार के आधार पर साइबर सेल की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव नहीं

रायपुर। विधायक राजेश अग्रवाल ने प्रदेश में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम एवं समय पर कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु राज्य के प्रत्येक विकासखण्डों में मिनी साइबर सेल की स्थापना का मामला उठाया। इस पर उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने सदन को बताया कि प्रदेश में साइबर अपराध की रोकथाम एवं समय पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान में राज्य स्तर पर 01 राज्य साइबर थाना एवं रेंज स्तर पर 05 रेंज साइबर थाना तथा सभी जिलों में साइबर सेल का गठन कर संचालित किया जा रहा है। विकासखण्ड क्षेत्राधिकार के आधार पर साइबर सेल की स्थापना हेतु पुलिस मुख्यालय से राज्य शासन की ओर कोई प्रस्ताव प्रेषित नहीं किया गया है।

अनुशासनहीनता पर बड़ी कार्रवाई, प्रभारी प्राचार्य निलंबित

रायपुर। अनुशासनहीनता को बढ़ावा देने,शराब पीकर विद्यालय आने,विद्यार्थियों एवं उनके पालकों से एडमिशन के नाम पर अवैध वसूली एवं अमर्यादित व्यवहार सम्बन्धी शिकायत पर कड़ी कार्यवाही करते हुए प्रभारी प्राचार्य को निलंबित कर दिया गया है। विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अजुर्नी में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य (मूल पद व्याख्याता एल बी) खूबचंद सरसींहा के द्वारा शराब पीकर विद्यालय आने, विद्यार्थियों एवं उनके पालकों से एडमिशन के नाम पर अवैध वसूली, कर्मचारियों $को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने,अमर्यादित व्यवहार एवं अनुशासनहीनता को बढ़ावा देने सम्बन्धी शिकायत की जांच विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा कराई गई।जांच उपरांत शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर दीपक सोनी के द्वारा प्रभारी प्राचार्य खूबचंद सरसीहा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। नोटिस का जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने के कारण प्रभारी प्राचार्य के निलंबन की अनुशंसा की गई। पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत मानते हुए संचालक लोक शिक्षण ने प्रभारी प्राचार्य खूबचंद सरसीहा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

दिसम्बर 2023 से 23 जून 2025 तक 11,68,416 नवीन पीएम आवास हुए स्वीकृत

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत दिसम्बर 2023 से 23 जून 2025 तक 11,68,416 आवास स्वीकृत किए गए है जिनमें 3,32,885 आवास पूर्ण किये जा चुके हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) अंतर्गत 33,113 नवीन आवास स्वीकृत किये गये है उनमें से भी 9442 आवास पूर्ण किये जा चुके हैं। यह जानकारी पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक भूपेश बघेल के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने विधानसभा में दिए। प्रश्नकाल के दौरान भूपेश बघेल ने गृहमंत्री से जानना चाहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजनान्तर्गत दिसम्बर, 2023 से 23/06/2025 तक कितने नवीन आवास स्वीकृत किये गये हैं? उन आवासों की कुल लागत कितनी है? कितनी राशि जारी हो चुकी है तथा कितने आवास पूर्ण किये जा चुके हैं? कितने पात्र हितग्राहियों को अब तक आवास स्वीकृत नहीं किये गये हैं? उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि दिसम्बर, 2023 से 23/06/2025 तक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत 11,68,416 नवीन आवास स्वीकृत किये गये हैं। उन आवासों की कुल लागत राशि रू. 1402099.20 लाख है राशि रू. 783312.60 लाख जारी हो चुकी है तथा 3,32,885 आवास पूर्ण किये जा चुके हैं। 2,68,369 पात्र हितग्राहियों को अब तक आवास स्वीकृत नहीं किये गये हैं। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) अंतर्गत 33,113 नवीन आवास स्वीकृत किये गये हैं। उन आवासों की कुल लागत राशि रू. 66226.00 लाख है राशि रू. 38223.40 लाख जारी हो चुकी है तथा 9442 आवास पूर्ण किये जा चुके हैं। 1283 पात्र हितग्राहियों को अब तक आवास स्वीकृत नहीं किये गये हैं।

विश्वविद्यालयों व कॉलेजों में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने रिक्त पदों पर भर्ती की कार्रवाई प्राथमिकता से करें- राज्यपाल डेका

00 छात्रों की शिकायतों और तनाव प्रबंधन पर विश्वविद्यालय विशेष रूप से ध्यान दें
00 राज्यपाल ने ली शासकीय विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक

रायपुर। राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री रमेन डेका ने आज प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए रिक्त पदों पर भर्ती की कार्रवाही को प्राथमिकता से करने कहा। उन्होंने सभी कुलपतियों से कहा है कि वे डीन स्टूडेंट वेलफेयर को सक्रिय करें और विद्यार्थियों की शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए समय पर निराकरण सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने सोशल मीडिया के इस दौर में छात्रों के तनाव प्रबंधन पर भी विशेष बल दिया है।

राजभवन के कांफ्रेंस हॉल में आज आयोजित बैठक में राज्यपाल श्री डेका ने विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की। श्री डेका ने कहा कि विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विश्वविद्यालयों में स्थाई रजिट्रार नियुक्त हो। आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाए जिससे विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ेगी। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि जब रिक्त पदों पर समय पर भर्ती होगी और प्रमोशन होंगे तब ही छत्तीसगढ़ के प्रोफेसर को कुलपति बनने का अवसर मिल सकेगा। बैठक में उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों से रिक्त पदों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लंबे समय से टीचिंग स्टाफ की भर्ती नहीं होने से शैक्षणिक गुणवत्ता पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय नेक ग्रेडिंग प्राप्त करें और गुणवत्ता में सुधार लाए। राज्यपाल ने प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए सभी टीचिंग स्टाफ को वापस बुलाने के निर्देश दिए है। डेका ने कृषि विश्वविद्यालय को निर्देश दिए कि किसानों को पारंपरिक फसल के स्थान पर लाभप्रद फसल के लिए प्रोत्साहित करें। टमाटर के विपणन पर विशेष ध्यान देने कहा ताकि उन्हें खराब होने से बचाया जा सके। खाद्य उत्पादन और आपूर्ति में संतुलन होना चाहिए। उद्यानिकी विश्वविद्यालय को स्व सहायता समूहों के साथ मिलकर कार्य करने कहा गया। राज्यपाल ने कुलपतियों से कहा कि वर्ष में एक बार एलुमिनाई मीट (पूर्व छात्रों का सम्मेलन) करें। कुलपतियों से कहा गया है कि वे कॉलेजों का आकस्मिक निरीक्षण करें और साल में दो बार प्राचार्यों के साथ बैठक करें। विश्वविद्यालयों को रिसर्च एवं डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए कहा कि कुलपति अपने कॉलेजों के प्राचार्यो को इसकी संपूर्ण जानकारी दें। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सभी कुलपति आपस में बैठक कर अपने सुझाव और अनुभव साझा करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों, विशेष कर व्यवसायिक और तकनीकी विश्वविद्यालयों में नवाचार को बढ़ावा देने और युवाओं को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया। बैठक के प्रारंभ में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना ने समीक्षा बैठक के मुख्य बिन्दुओं की जानकारी दी। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने बारी-बारी से प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त श्री संतोष देवांगन, राजभवन की उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

पीएम आवास के लिए कबीरधाम और तखतपुर में वसूली की शिकायत आई, जांच चल रही - शर्मा

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास के लिए कबीरधाम और तखतपुर में वसूली की शिकायत सामने के बाद राज्य सरकार ने जांच समिति गठित कर दी और वह अभी जांच कर रही है। राज्य को 34 हजार 396 आवासों का लक्ष्य मिला है। सर्वेक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृति की कार्रवाई चल रही है। यह जानकारी नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरणदास महंत द्वारा बीजापुर में मनरेगा का बकाया मजदूरी भुगतान नहीं होने के सवाल के जवाब में पंचायत-ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने विधासभा में दिए।

प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने प्रधानमंत्री आवास को लेकर जानकारी चाही। इस पर पंचायत-ग्रामीण विकासव उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के लिए राज्य को 34 हजार 396 आवासों का लक्ष्य मिला है। सर्वेक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृति की कार्रवाई चल रही है। डॉ। महंत ने जानना चाहा कि अल्पसंख्यकों के लिए 15 फीसदी, और दिव्यांगों को 5 फीसदी आवास उपलब्ध कराने का प्रावधान है। क्या इसका पालन किया गया है? इसके जवाब में पंचायत मंत्री ने कहा कि वर्ष 2011 की सर्वे सूची, और आवास प्लस के सारे पात्र हितग्राहियों को आवास दिया जा चुका है।

नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि पीएम ने घोषणा की थी कि प्रधानमंत्री आवास के लिए पैसे की लेनदेन की शिकायत पर कलेक्टर को निलंबित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में प्रधानमंत्री आवास से जुड़ी 2965 लेनदेन की शिकायतें आई है। क्या इस पर कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी? नेता प्रतिपक्ष ने कबीरधाम के कुकदूर में बैगा आदिवासियों, और तखतपुर में आवास के लिए वसूली की शिकायत आई है। सक्ती में भी आवास मित्रों ने इसकी शिकायत की है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जिन-जिन जिलों में प्रधानमंत्री आवास के मकान में पैसे के लेन देन की शिकायत हुई है, उन जिलों के कलेक्टरों को निलंबित किया जाएगा? इस पर विजय शर्मा ने कहा मुख्यमंत्री विष्णुदेव की सरकार में सुशासन भी है, और सुदर्शन भी है। आपके पास कोई जानकारी है तो दें जांच होगी। इस पर चरण दास महंत ने इसके बाद मनरेगा का मुद्दा उठाते हुए सरकार से कहा कि जिन जिन स्थानों में राशि नहीं दी है, वह सूची है, उसमें जशपुर जिला भी शामिल है। बीजापुर में तो केवल 38 प्रतिशत की राशि दी है। भुगतान क्या बाद में करेंगे या नहीं करेंगे? इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार और परीक्षण की आवश्यकता होगी, लेकिन 30 जून तक लेबर पेमेंट कर दिया गया है, अगर आपको पास कुछ जानकारी होगी उसकी जानकारी मुझे दे सकते है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कई ऐसी सूची है, जिसकी मेरे पास फोटो भी है। आप इजाजत देंगे तो मैं विधासभा अध्यक्ष के पटल पर भी रख दूंगा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस पर कहा कि मुझे बड़ा कष्ट हुआ है कि मुझे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मैं किसी को घूमा रहा हूं, जबकि इनके शासन काल में इन्होंने इस कार्य में लेटलतीफी की है। सारे पत्र मेरे पास हैं, जिसमें इन्होंने आवास को लेने से इनकार किया। मंत्री विजय शर्मा के जवाब से सदन में कांग्रेस विधायक आक्रोशित हो गए, और पक्ष-विपक्ष के बीच जोरदार हंगामा हुआ।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

C M Y K

सरगुजा संभाग

अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

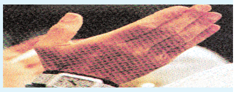

धन कमाना बुरा नहीं है धन का दुरूपयोग करना बुरा है।

बिजली दरों में बढ़ोत्तरी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर ने किया विरोध प्रदर्शन - 10

■ताली और थाली के माध्यम से किया गया जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन...- 12

बारिश के मौसम में मेडिकल कॉलेज अस्पताल की व्यवस्थाओं की खुली पोल, जगह-जगह टपक रहा पानी

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बीच संभाग के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज अस्पताल में व्यवस्थाओं की पोल खुल गई है। बारिश में अस्पताल के अंदर की तस्वीर हैरान करने वाली है। अस्पताल के अंदर की गैलरी में चारो ओर बारिश का पानी टपक रहा है। पानी के रिसाव की वजह से कई जगह की फॉल सीलिंग भी गिर गई है। ऐसे में ईलाज कराने पहुंच रहे लोगों और अस्पताल स्टाफ को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के पहले मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मरम्मत कार्य के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। राशि की स्वीकृति नहीं मिलने से अस्पताल के अंदर अव्यवस्था का आलम हो गया है। अस्पताल की छत से लगातार बारिश का पानी टपक रहा है, जो कि, बड़े हादसे को आमंत्रण दे रही है। वहीं जिम्मेदार मेडिकल कॉलेज अस्पताल की छत पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

जहरीले जंतु के काटने से छात्रावास के तीसरी कक्षा के छात्र की हुई मौत

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)। रामचंद्रपुर विकासखंड के दूरस्थ ग्राम झारा में स्थित

बालक छात्रावास में मंगलवार की शाम ५ के करीब जहरीला जंतु के द्वारा कक्षा तीसरी में पढ़ने वाले बच्चे को काट लिया वही बच्चे को सनवाल अस्पताल ले जाने में काफी देर हो गई जिस कारण से रास्ते में जाते-जाते बच्चों की मौत हो गई घटना से स्वजनों में काफी आक्रोश देखा गयाम घटना के बाद छात्रावास अधीक्षक एवं मंडल संयोजक को को तत्काल पद हटा दिया गया। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जांच करने पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक छात्रावास झारा में शाम ५ बजे के करीब कक्षा तीसरी में पढ़ने वाले छात्र विजय कुमार सिंह पिता हीरालाल सिंह को जहरीला जंतु को पैर में काट लिया गया। जिसके काफी देर बाद उसे सनवाल अस्पताल ले जाया जा रहा था जिससे रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।बताया जा रहा है कि इस दौरान छात्रावास अधीक्षक नहीं थे। विजय ग्राम पचवाल का रहने वाला था जिसके स्वजन घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल सनवाल अस्पताल पहुंचे जहां वे अपने मृत बच्चे को देखकर हतप्रभ रह गय। घटना के बाद स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के पश्चात छात्रावास अधीक्षक एवं मंडल संयोजक दोनों को पद से हटा दिया गया है।

छात्रावास अधीक्षक, निलंबित हटाए गए मंडल संयोजक

सहायक आयुक्त समीक्षा जायसवाल ने बताया कि घटना के बाद छात्रावास अधीक्षक को हटा दिया गया है वही निलंबन के लिए जेडी को पत्र लिखा गया है। घटना के बाद मंडल संयोजक को भी पद से हटा दिया गया है।

आवारा कुत्तों के काटने से हिरण हुआ घायल वन विभाग की टीम पहुंची देरी से हुई मौत

पीएम के बाद वन विभाग कार्यालय में किया गया अंतिम संस्कार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जंगल से भटक कर गांव पहुंचे हिरण पर आवारा कुत्तों ने हमलाकर घायल कर दिया जब तक वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचती तब तक हिरण की मौत हो चुकी थी। वन क्षेत्र अधिकारी ने माना वहां व्यवस्था करने में देरी के कारण वन विभाग के टीम घटनास्थल पर देरी से पहुंची।वन विभाग के अधिकारियों के मौजूदगी में शव का पीएम कराकर अंतिम संस्कार किया गया है। १६ जुलाई दिन बुधवार की सुबह लगभग ११ बजे वन विभाग कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक लखनपुर वन परीक्षेत्र अंतर्गत चांदो सर्कल के सिरकोतगा स्कूल मैदान में बुधवार की सुबह लगभग ६ बजे आवारा कुत्तों ने जंगल से भटक कर पहुंचे हिरण पर हमला कर घायल कर दिया। घायल हिरण को तत्काल उपचार नहीं मिलने से उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद देरी से वन विभाग के टीम मौके पर पहुंची और हिरण के शव को कब्जे में लेकर लखनपुर वन विभाग कार्यालय लाया गया जहां पशु चिकित्सा सफदर अली ने अधिकारियों की उपस्थिति में शव का पोस्टमार्टम किया और वन विभाग कार्यालय परिसर में ही विधिवत अंतिम संस्कार किया गया। हिरण की उम्र ६ से ८ वर्ष बताया जा रहा है। दूसरे हिरण की मौजूदगी की सूचना मिलने पर टीम गठित कर हिरण की तलाश की जारही है।

वाहन व्यवस्था में देरी होने से टीम देर से पहुंची

इस संबंध में प्रभारी रेंजर कमलेश राय से फोन पर बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि ग्रामीणों से सूचना मिली कि घायल अवस्था में सिरकोतगा स्कूल मैदान में हिरण पड़ा हुआ है। वाहन व्यवस्था करने में देरी होने से वन विभाग की टीम देर से पहुंची। श्वास नली के काटने से हिरण की मौत हो चुकी थी। गांव में दूसरे हिरण की सूचना पर चार लोगों की टीम गठित की गई और हिरण की तलाश शुरू की गई है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु 31 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि ऐसे बालक-बालिकाएं जिन्होंने बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला और संस्कृति एवं नवाचार के क्षेत्र में असाधारण क्षमता और उपलब्धि प्राप्त की है जो कि राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हो, उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार २०२५ प्रदान किया जाना है। जिसके लिए पात्र बालक एवं बालिकाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु ऑनलाइन पोर्टल पर ३१ जुलाई २०२५ तक आवेदन कर सकते हैं। इस हेतु आवेदक की आयु १८ वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए, आवेदक भारतीय नागरिक हो, प्राप्त उपलब्धि आवेदन करने की अंतिम तिथि से दो वर्ष के भीतर होनी चाहिए, आवेदक को उक्त समान श्रेणी में पूर्व में पुरस्कार प्राप्त नहीं हुआ हो। उन्होंने बताया कि आवेदन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में मो.न. ७०००४४८४०४ पर संपर्क किया जा सकता है।

होटल व्यवसायी से मारपीट का मामला... सात आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। होटल के गार्ड एवं व्यवसायी से मारपीट के मामले मे कोतवाली पुलिस ने ७ आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थी/आहत दीपक जायसवाल निवासी केदारपुर थाना अम्बिकापुर ने ८ जुलाई को थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उक्त दिनांक को शाम लगभग ०५:३० बजे विकास सोनी, चुम्मा शर्मा उर्फ दीपक शर्मा, विशाल मिंज, राहुल सिंह, अविनेन्द्र सिंह उर्फ सिप्पू, सिद्धार्थ त्रिपाठी, गोरा खान एवं अन्य लोग सेहत भोजनालय से खाना खाकर बाहर निकले, जो अपने वाहनो को प्रार्थी के होटल के सामने बेतरतीब तरीके से खड़ी किये थे, जिससे प्रार्थी के होटल के गार्ड सूरज द्वारा उन्हे अपने वाहन को सही तरीके से खड़ा करने के लिये बोल रहा था। इतने में सभी मिलकर गार्ड को गाली गलौज करने लगे, तब प्रार्थी द्वारा उक्त युवकों को गाली गलौज करने से मना कर जाने की बात बोला। उक्त युवकों द्वारा प्रार्थी कों तुम बोलने वाले कौन होते हो कहते हुए जान से मारने की धमकी देते हुये सभी युवक मिलकर हाथ मुक्का, लात

से तथा स्टील के रॉड, हॉकी स्टीक से गार्ड को मारने लगे। प्रार्थी तथा इसके चाचा सतीश जायसवाल द्वारा बीच बचाव करने गये तो इन लोगों के साथ भी मारपीट किये हैं। मारपीट करने से प्रार्थी, उसके चाचा एवं होटल के गार्ड कों चोट आना बताया। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना कोतवाली मे धारा २९६,३५१(३), ११५(२), ३(५) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रकरण के आहत गवाहों का कथन लेख कर घटना का सीसीटीव्ही फूटेज का अवलोकन पर प्रकरण में धारा १९१(२), १९१(३), २३४, ३३३ बी.एन.एस. के अपराध का घटित होना परिलक्षित होना पाये जाने पर प्रकरण मे उपरोक्त धारा जोड़कर मामले के आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था। मामले मे पुलिस टीम द्वारा पूर्व मे आरोपी चुम्मा शर्मा उर्फ दीपक शर्मा आत्मज संतोष शर्मा उम्र ३२ वर्ष निवासी आईटीआई कॉलोनी कोर्ट के पीछे थाना अंबिकापुर एवं विकास सोनी उर्फ भोला सोनी आत्मज दशरथ प्रसाद सोनी उम्र २७ वर्ष नगर निगम पानी टंकी के पास अंबिकापुर कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया था एवं अन्य फरार आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था।

फरार आरोपियों के सम्बन्ध मे पुलिस टीम द्वारा अग्रिम जानकारी प्राप्त कर मामले मे शामिल अन्य आरोपियों की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया। आरोपियों द्वारा अपना नाम अविनेन्द्र सिंह उर्फ सिप्पु आत्मज रोजश सिंह उम्र ३२ वर्ष निवासी बाबुपारा जेल रोड़ अंबिकापुर, विशाल मिंज आत्मज कुवर साय मिंज उम्र ३७ वर्ष निवासी नावापारा चर्च के सामने थाना गांधीगनर राहुल सिंह आत्मज स्व. सतेन्द्र सिंह उम्र ३७ वर्ष निवासी मिशन चौक अम्बिकापुर थाना अम्बिकापुर जिला सरगुजा, सिद्धार्थ त्रिपाठी उर्फ सिद्ध आत्मज धनंजय त्रिपाठी उम्र ३२ वर्ष निवासी शिव मंदिर के नीचे गांधीनगर थाना गांधीनगर ,गोरा खान उर्फ मो. जावेद सिद्धकी आत्मज मजहर अली उम्र ४४ वर्ष निवासी टावर गली मोमिनपुरा थाना अम्बिकापुर का होना बताये। आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया।आरोपी गोरा खान के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त स्टील का रॉड जप्त किया गया है।आरोपी गोरा खान, विशाल मिंज एवं सिद्धार्थ त्रिपाठी के विरुद्ध पूर्व मे कई आपराधिक प्रकरण दर्ज है, मामले मे अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, जिनका पता तलाश किया जा रहा है।सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक अभिषेक दुबे, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक दीपक पाण्डेय, अमरेश सिंह, मनीष सिंह, जितेश साहू, संजीव चौबे, दीपक दास, रमेश राजवाड़े सक्रिय रहे।

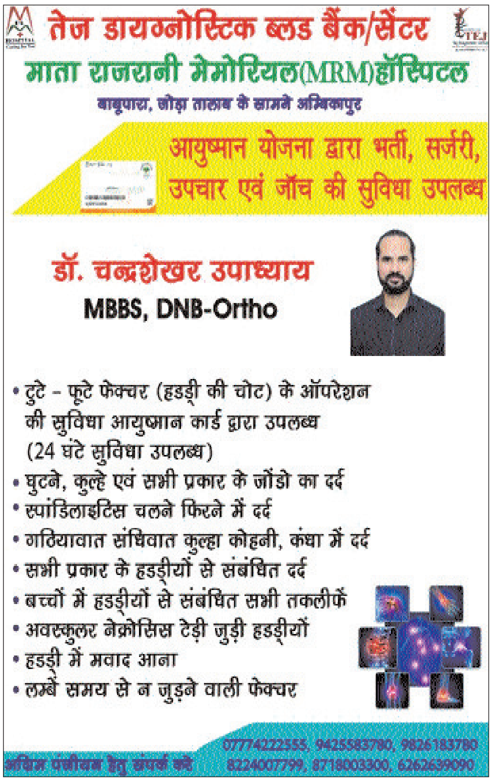

साइबर ठगी के मामलो मे प्रयुक्त म्यूल एकाउंट के 2 खाता धारक आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। साइबर ठगी के मामलो मे प्रयुक्त म्यूल एकाउंट के ०२ खाता धारक आरोपी को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों द्वारा कुछ रकम के ऐवज मे अपना अकाउंट अवैध रकम के लेन देन मे उपयोग करने हेतु अन्य आरोपी कों दिया गया था। म्यूल एकाउंट के जरिये रकम लेनदेन कर आरोपीगण साइबर ठगी की घटनाओ कों अंजाम दे रहे थे। मामले मे शामिल अन्य आरोपी फरार है, जिनका पता तलाश किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त सूची अनुसार फर्जी मोबाइल नम्बरो कों जारी करने वाले पॉइंट ऑफ सेल्स (पीओएस), म्यूल अकाउंट

खाता धारकों के विरुद्ध सख़्ती से कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध मे पुलिस मुख्यालय रायपुर से दिशा निर्देश प्राप्त हुए है, इसी क्रम मे फर्जी मोबाइल नम्बर धारक के विरुद्ध साइबर पुलिस स्टेशन नॉर्थ, नॉर्थ दिल्ली से समन्वय पुलिस पोर्टल में ऑनलाईन शिकायत दर्ज है। उपरोक्त ऑनलाईन शिकायत में शिकायत कर्ता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कर बताया गया है कि आरोपी द्वारा शिकायतकर्ता कों फोन कर लोन देने का झांसा देकर धोखाधड़ी किया गया है। उक्त शिकायत पर कार्यवाही किये जाने पर मामले मे संदिग्ध मोबाईल नंबर की संलिप्तता पाई गई है। जो साइबर ठगी में उपयोग किये गए म्यूल एकाउंट से लिंक पाया गया है, जिसके बैंक खाता धारक रवि कुमार माझी के म्यूल अकाउंट मे २५०००/- रुपये एवं धीरज कुमार सिंह के म्यूल अकाउंट मे २७३८०/- रुपये प्राप्त होना पाया गया है। उपरोक्त बैंक खाता क्रमांक ऑनलाईन फ्रॉड के शिकायत से संबंधित होने पर मामले मे थाना गांधीनगर मे धारा ३१७(४), ३१८(४), ६१(२) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा म्यूल अकाउंट खाता धारक आरोपी रवि कुमार माझी एवं धीरज कुमार सिंह का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया। आरोपियों द्वारा अपना नाम रवि कुमार माझी आत्मज सोती राम माझी उम्र ३४ वर्ष निवासी नेहरू वार्ड सत्तीपारा, धीरज कुमार सिंह आत्मज स्व. दिलीप सिंह उम्र ३४ वर्ष निवासी बीचपारा फूंदुरडिहारी थाना गांधीनगर का होना बताया। आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार करते हुए कुछ रकम के ऐवज मे अपना अपना खाता खुलवाकर अवैध सट्टा के रकम लेनदेन हेतु अन्य आरोपी कों देना स्वीकार किये है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है, मामले मे शामिल अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, जिसका पता तलाश किया जा रहा है।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, साइबर सेल से सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, प्रधान आरक्षक विकास सिन्हा, आरक्षक अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह, घनश्याम देवांगन, वीरेंद्र पैकरा, अनुज जायसवाल, जितेश साहू, मनीष सिंह, राहुल केरकेट्टा, अमनपुरी सक्रिय रहे।

जिले में अब तक 309.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में २४ घण्टे के दौरान १७.१ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक ४२.३ मि.मी. वर्षा तहसील लुण्ड्रा में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में १ जून से अब तक ३०९.१ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि ०१ जून २०२५ से १६ जुलाई २०२५ तक अम्बिकापुर में ३६०.५, दरिमा में २५०.४, लुण्ड्रा में ३९१.२,

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मणिपुर वार्ड में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मणिपुर वार्ड में बुधवार को संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव उपस्थित रहे। इस दौरान नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर तथा माल्यार्पण कर शाला प्रवेश करवाया गया। बच्चों को पुस्तकें तथा अन्य अध्ययन सामग्री वितरित की गई। वहीं कक्षा ९वीं से १२वीं तक संकुल स्तर पर सर्वाधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव ने कहा कि हर बच्चे के लिए शिक्षा जरूरी है, बच्चे पढ़ेंगे तभी देश बढ़ेगा। बच्चे देश के भविष्य है अच्छी शिक्षा से माता-पिता एवं विद्यालय दोनों का नाम रौशन होता है। उन्होंने उपस्थित बच्चों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और मन लगाकर पढ़ने प्रेरित किया।कार्यक्रम पश्चात विद्यालय परिसर में च्एक पेड़ माँ के नामच्च अभियान के तहत पौधा रोपण किया गया। कार्यक्रम में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति से श्री प्रयागराज साहु, जनप्रतिनिधियों में श्री भारत सिंह सिसोदिया,प्राचार्य श्री एल.पी. गुप्ता, संकुल समन्वयक श्री नरेश पाण्डेय एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक

C M Y K

संविलियन सहित अन्य मांगों को लेकर एनएचएम कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। संविलियन एवं स्थायीकरण एनएचएम के अनुभवी संविदा कर्मियों के सेवाकाल एवं कार्य की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए, अन्य राज्यों की तर्ज पर संविलियन किए जाने की मांग को लेकर एनएचएम कर्मियों ने बुधवार को प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है।

एनएचएम कर्मियों ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत लगभग १६ हजार कर्मचारी कार्य कर रहे हैं जिसमें चिकित्सकीय तथा प्रबंधकीय दोनों ही प्रकार के कैडर मिलकर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संपादित करने का सफलतापूर्वक कार्य करते आ रहे हैं जिससे राज्य को स्वास्थ्य क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है । कोविड काल में विषम परिस्थितियों में कार्य किया गया, कई संविदा कर्मचारियों को जान भी गंवानी पड़ी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी वर्ष २०१८ में निर्मित मानव संसाधन नीति के दिशा निर्देशों के तहत कार्य करते हैं। समय के साथ कर्मचारियों की समस्याओं में इजाफा होता जा रहा है तथा अब मानव संसाधन नीति में बदलाव की भी आवश्यकता है । एनएचएम कर्मचारियों ने १० बिंदुओं की अपनी मांग के संबंध में ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि संविलियन एवं स्थायीकरण एन एच एम के अनुभवी संविदा कर्मियों का सेवाकाल एवं कार्य की

गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए, अन्य राज्यों की तर्ज पर इनका संविलियन किया जाए। स्वयं छत्तीसगढ़ प्रदेश में शिक्षा विभाग में कार्यरत हजारों शिक्षाकर्मियों का शिक्षा विभाग में संविलियन किया गया है। कर्मचारियों ने मांग करते हुए कहा कि पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना एक पृथक पब्लिक हेल्थ कैडर का गठन कर क्लिनिकल तथा मैनेजमेंट कैडर के एन एच एम कर्मचारियों को इसमें समायोजित किया जाए, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था में स्थायीत्व एवं पेशेवर गुणवत्ता सुनिश्चित हो। पद, योग्यता एवं कार्य अनुभव के अनुसार समान कार्य के लिए समान वेतन की नीति लागू कर ग्रेड पे निर्धारित किया जाए। मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान राज्यों में एनएचएम कर्मचारियों हेतु ग्रेड पे व्यवस्था लागू की गई है। ग्रेड पे के माध्यम से वेतन विसंगति का निराकरण भी होगा। कई प्रकरणों में देखा जा रहा है कि, किसी कर्मचारी का कार्य मूल्यांकन व्यक्तिगत दुर्भावना के आधार पर खराब कर दिया जाता है इसमें पारदर्शिता लाने बाचत व्यवस्था बनाई जाये। जुलाई २०२३ को संविदा कर्मचारियों हेतु घोषित २७ प्रतिशत वेतन वृद्धि कई अन्य विभागों जैसे मनरेगा, आजीविका मिशन, आवास योजना में प्रदाय किया जा चुका है एन एच एम कर्मचारी आज पर्यंत तक उक्त लाभसे वंचित हैं। नियमित भर्ती में सीटों का आरक्षण जब तक स्थाईकरण हेतु नीति नहीं बन जाती तब तक स्वास्थ्य विभाग में हो रही नियमित भर्तियों में एन एच एम कर्मचारियों के लिए मध्य प्रदेश की तरह ५० प्रतिशत सीटें आरक्षित की जावे जिससे अनुभवी मानव संसाधन का लाभ प्रदेश को मिल सके। सेवा काल के दौरान दिवंगत एन एच एम कर्मियों के परिजनों को मानवीय आधार पर अनुकंपा नियुक्ति की सुविधा प्रदान की जाए। यह सुविधा मध्य प्रदेश में लागू की गई है जबकि छत्तीसगढ़ में यह बिजली विभाग में प्रदान की जा रही है। मेडिकल एवं अन्य अवकाश की सुविधा एन एच एम संविदा कर्मियों को भी नियमित कर्मियों के समकक्ष सवैतनिक चिकित्सा अवकाश, संतान पालन अवकाश, अर्जित अवकाश जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएं। स्थानांतरण नीति विशेष परिस्थितियों जैसे चिकित्सकीय आवश्यकता, पारिवारिक दायित्व, पति-पत्नी प्रकरण को ध्यान में रखते हुए एक पारदर्शी एवं मानवीय स्थानांतरण नीति बनाई जाए। न्यूनतम १० लाख तक कैशलेश चिकित्सा बीमा सुविधा अल्प वेतन में कार्य कर रहे एन एब एम संविदा कर्मी जब किसी रोग या दुर्घटना से पीड़ित होते हैं तो परिवार पर आर्थिक बोझ पड़ता है कई प्रकरण में धन के अभाव में कर्मचारी की जान भी चली जाती है, उक्त प्रावधान से सामाजिक सुरक्षा पुष्ट होगी।
संघ की यह भी माँग है कि, सामाजिक- आर्थिक सुरक्षा का ध्यान करते हुए अस्पतालों में कार्यरत एचडब्ल्यूसी संगवारी की सेवा निरंतर रते हुए पद को आरओपी में स्वीकृत किया जाये।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुओं को संस्कार भारती सरगुजा ने किया सम्मानित

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। विगत दिवस कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती, सरगुजा इकाई के द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरु पूजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस क्रम में साहित्य गुरु बीडी लाल और शायर-ए-शहर यादव विकास तथा सरगुजा के अन्य कला गुरुओं में जवाहिर राम, कृष्णाराम, शांति बाई और पार्वती बाई को संस्कार भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष सरगुजा रंजीत सारथी, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं कला धरोहर पुरातत्व विभाग संयोजक आनंद सिंह यादव, संस्कार मित्र व कवि मुकुंदलाल साहू, वरिष्ठ साहित्यकार मोहनलाल मयंक के द्वारा उनके निवास स्थान पर जाकर शाल, श्रीफल, प्रशस्ति-

पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।
उल्लेखनीय है कि बीडी लाल सेवानिवृत्त प्राचार्य होने के अलावा सरगुजा के एक वरिष्ठ साहित्यकार हैं जिन्होंने सरगुजिहा रामायण की रचना की है। उनके द्वारा सीतायन, सरगुजा गीतों के गावाक्षों से, बात आम आदमी, ओ धृतराष्ट्र, श्रीकृष्ण चरित्र, भारत के लाल, गुलदस्ता गीत और गजल आदि कृतियों का सृजन किया गया है। उन्हें मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। शायर-ए-शहर यादव विकास सरगुजा के प्रतिष्ठित गजलकार हैं जो सरगुजिहा के साथ हिन्दी भाषा में गजलें लिखते हैं। उनके तीन काव्य-संकलन प्रकाशित हो चुके हैं। कला गुरुओं में जवाहिर राम ग्राम सरईटिकरा के द्वारा सरगुजा की संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन हेतु सरगुजिहा तीज-त्योहारों में गाए जानेवाले लोकगीतों को स्वरबद्ध किया गया है। उन्हें जिला व राज्य स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। कला गुरु शांतिबाई ग्राम गोरापारा की निवासी हैं जो उम्र दराज होने के बाद भी आज की नई पीढ़ी को सुआ व बायर नृत्य गीतों में पारंगत कर रही हैं। उनके द्वारा राज्य में कई कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई है। कला गुरु पार्वती बाई रामपुर की निवासी हैं जो नृत्य व गीत गायन में अत्यंत निपुण हैं। कला गुरु कृष्णाराम जमगला के निवासी हैं। वे भी नृत्य गीत में अत्यंत माहिर हैं और सरगुजिहा संस्कृति को बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। विगत दिनों नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव में सरगुजिहा लोकगीत गायन में इन्हें प्रथम स्थान भी प्राप्त हो चुका है। वे विकलांग होने के बाद भी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने का निरंतर काम कर रहे हैं। इनके अलावा गायक रामनारायण सिंह, तिवारी सिंह पैकरा और फलेन्द्र सिंह भी अपनी लोककला-प्रतिभा के प्रदर्शन में संलग्न हैं। संस्कार भारती एवं च्मोर माटी के फूलज लोककलामंच, जमगला के सदस्यों के द्वारा बालक आश्रम जमगला के प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया।

रामानुजगंज से अंबिकापुर का हुआ सफर कष्टप्रद, गड्ढो को भरवाने में रुचि नहीं ले रहे अधिकारी

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)। राष्ट्रीय राज्य मार्ग ३४३ की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गई है जिससे रामानुजगंज से बलरामपुर का सफर अत्यंत कष्टकारी लोगों के लिए हो गया है प्रतिदिन बड़ी संख्या में चार चक्का वाहन बड़े-बड़े गड्ढो की चपेट में आने से जहां-तहा खराब हो जा रहे हैं। वहीं दुर्घटनाएं भी रोज हो रही है परंतु राष्ट्रीय राज्य मार्ग के अधिकारी गड्ढो को भरने में रुचि नहीं ले रहे हैं।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राज्य मार्ग की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गई है बरसात के समय लगातार गड्ढो की गहराई एवं चौड़ाई में वृद्धि हो रही है जिसमें वाहन फस रहे हैं व आवगमन दिन भर में कई बार बाधित हो जा रहा है। रामानुजगंज से बलरामपुर लोग आने-जाने में परहेज कर रहे हैं जब अत्यंत जरूरी रह रहा है तब ही जा रहे हैं। यात्री बसें कोई भी निर्धारित समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच रही है सभी बसें २ से ४ घंटे तक लेट हो जा रही है। क्षेत्र की एंबुलेंस सेवा भी प्रभावित हो रही है मरीजों को लेकर आने-जाने वाले एंबुलेंस भी कई बार गड्ढो में फंस जा रहे हैं।

११० किलोमीटर का सफर हुआ १५० किलोमीटर का

क्षेत्र के वरिष्ठ व्यापारी संजय गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कहते हैं कि दूरी को घटाएंगे परंतु अपना क्षेत्र मात्र एक ऐसा क्षेत्र है जहां लगातार दूरी बढ़ रही है पहले रामानुजगंज से अंबिकापुर की दूरी ११० किलोमीटर थी परंतु लोग प्रतापपुर होकर जा रहे थे तो दूरी १३० किलोमीटर हो गई अब लोग वाड्रफनगर होकर जा रहे हैं तो दूरी डेढ़ सौ किलोमीटर हो गई।

बिजली दरों में बढ़ोत्तरी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर ने किया विरोध प्रदर्शन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के द्वारा २० माह में बिजली की दरों में प्रति यूनिट ८० पैसों की बढ़ोतरी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर के द्वारा देव तालाब के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल के नाम के नाम जे ई सचिन कुजूर को ज्ञापन सोपा है और भाजपा सरकार द्वारा बढ़ाए गए बिजली बिल दरों को वापस लेने मांग की गई। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के आह्वान और जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर के पदाधिकारी कार्यकताओं के द्वारा १६ जुलाई दिल बुधवार की दोपहर लगभग २:०० बजे छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार के द्वारा २० माह में बिजली की दरों में प्रति यूनिट ८० पैसे की बढ़ोतर्रि को

लेकर विरोध प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई रैली के माध्यम से सहायक अभियंता कार्यालय पहुंच के सचिन हजूर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सोपा गया है। भाजपा सरकार द्वारा बढ़ाए गए बिजली बिल दरों को वापस लेने मांग किया गया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस प्रदेश सदस्य विक्रमादित्य सिंहदेव,पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अमित सिंहदेव, कांग्रेस नेता रमेश जायसवाल दिनेश तायल ,शराफत अली, इरशाद खान, मंडल अध्यक्ष जगरोपण यादव, मुकेश सिंह ,सूरज सिंह, अजर राम चौधरी जसीमुद्दीन खान, वीरेंद्र सहदेव भानु राजवाड़े, मुजीब खान, राम सुजान द्विवेदी, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शासकीय सेवकों को देय तिथि से महंगाई भत्ता लंबित एरियर्स सहित अन्य ज्वलंत मुद्दों के निराकरण की मांग

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने किया मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रदेश के शासकीय सेवकों को देय तिथि से महंगाई भत्ता लंबित एरियर्स सहित अन्य ज्वलंत मुद्दों का त्वरित निराकरण करने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के द्वारा कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया।

छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन की बैठक दिनांक १५ जून को फेडरेशन के अध्यक्ष कमल वर्मा के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी घटक संगठनों के पदाधिकारियों ने ज्वलंत मुद्दों को लेकर मांगों को पूरा कराने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया।
ज्ञापन के जरिए कहा गया कि प्रदेश के कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लिए

मोदी की गारंटी अनुसार केन्द्र के समान २ प्रतिशत महंगाई भत्ता देय तिथि से दिया जावे। प्रदेश के कर्मचारियों के लिए मोदी की गारंटी अनुसार जुलाई २०१९ से समय समय पर देय महंगाई भत्ते की लंबित एरियर्स राशि का समायोजन जीपीएफ खाते में किया जावे। वेतन विसंगति एवं अन्य मुद्दो के लिए गठित पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाये।
प्रदेश में चार स्तरीय पदोन्नत समयमान वेतनमान कमशः ८ वर्ष, १६ वर्ष, २४ वर्ष एवं ३० वर्ष सेवा पूर्ण करने उपरांत लागू किया जाये। वेतनमान स्वीकृति आदेश जारी किया जावे। प्रदेश में अन्य भाजपा शासित राज्यों की भांति कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू की जाये। प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति निःशर्त लागू करने स्थायी आदेश जारी किया जाये। वर्तमान में १० प्रतिशत सीलिंग समाप्त करते हुए सीधी भर्ती के समस्त पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाये।
मध्यप्रदेश की भांति छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय सेवकों को ३०० दिवस अर्जित अवकाश दिया जाये। प्रदेश के शासकीय सेवकों को पुरानी पेंशन के लाभ हेतु एन.पी.एस. खाते में कटौती तिथि से सेवा गणना की जाये। साथ ही पूर्ण पेंशन की पात्रता हेतु नीति निर्धारित किए जाने की सहित अन्य मांग की गई।

बिजली दरों को लेकर कांग्रेस द्वारा फैलाया जा रहा दुष्प्रचार- भारत सिंह सिसोदिया

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ में बिजली दरों को लेकर कांग्रेस नेता टी.एस. सिंहदेव द्वारा लगाए गए आरोप निराधार, भ्रामक और पूरी तरह से तथ्यों से परे हैं। भाजपा सरकार पर अनैतिक भार और सामाजिक अन्याय जैसे शब्दों का प्रयोग करना उनके राजनीतिक हताशा का प्रमाण है। उपरोक्त प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि टीएस सिंह देव का मिथ्या आरोप है कि बिजली की दरें बढ़ाकर जनता पर बोझ डाला जा रहा है, जबकि छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष २०२५-२६ के लिए बिजली दरों में मात्र १.८९त्न की मामूली वृद्धि की गई है जो देशभर में सबसे कम है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सिर्फ १०-२० पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि हुई है, जो महंगाई दर से भी कम है। कृषि पंपों पर ५० पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि हुई है, लेकिन किसानों पर कोई अतिरिक्त भार नहीं पड़ा क्योंकि सब्सिडी पहले की तरह जारी है। टी एस सिंहदेव के कोयला, पानी, जमीन हमारी, फिर बिजली महंगी क्यों? आरोप पर भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि संसाधन राज्य में उपलब्ध होना केवल एक पक्ष है। बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन में हजारों करोड़ की लागत आती है। भाजपा सरकार ने इन क्षेत्रों में ?९,४०० करोड़ से अधिक का निवेश किया है, जिससे छत्तीसगढ़ आने वाले वर्षों में ऊर्जा सरप्लस राज्य बनने जा रहा है। टी एस सिंहदेव के कथन भाजपा सरकार के आने से दरें हमेशा बढ़ींज्ज की कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए श्री सिसोदिया ने बताया कि २००३ से २०१८ तक कांग्रेस ने कुल मिलाकर बिजली सुधारों में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सिंहदेव के कथन अनुसार ही

१५ वर्षों में दरें ३.३० से ६.४० रु./यूनिट तक बढ़ीं यानी ९४ प्रतिशत की वृद्धि। इसके विपरीत भाजपा सरकार ने २०२३ से अब तक सिर्फ १३ प्रतिशत की वृद्धि की है , वो भी चरणबद्ध और तकनीकी सुधारों के साथ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ ०.२ प्रतिशत की बढ़ोतरी कर अपनी पीठ थपथपाई, लेकिन उसी दौरान एटी और सी घाटा २३.१४ प्रतिशत तक पहुंच गए। भाजपा सरकार ने इन तकनीकी हानियों को घटाकर १३.७९ प्रतिशत पर ला दिया है जो पारदर्शिता और दक्षता का प्रमाण है। आगे उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी बकायेदारों पर सख्ती की है। विद्युत वितरण कंपनियों ने बड़े उद्योगों से क्लोज मॉनिटरिंग के तहत रिकवरी अभियान चलाया है। जबकि कांग्रेस सरकार के समय में ही अधिकांश बकाया बढ़े, लेकिन तब न तो वसूली हुई, न ही पारदर्शिता।
टीएस सिंहदेव के बयान डेढ़ साल में तीसरी बार वृद्धि हुई पर भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि बिजली दरों की समीक्षा हर वर्ष नियामक आयोग द्वारा होती है। ये कोई राजनीतिक फैसला नहीं, स्वायत्त संस्थान का निष्पक्ष निर्णय होता है। वृद्धि इतनी मामूली रही कि घरेलू बजट पर कोई असर नहीं पड़ा। ऊर्जा-गहन उद्योगों को कुछ राहत दी गई है ताकि रोजगार, निवेश और प्रतिस्पर्धा में वृद्धि हो। साथ ही, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत आम नागरिकों के लिए १.०८ रुपए लाख तक की सब्सिडी भी दी जा रही है, जिससे वे सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बन सकें।
उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीति स्पष्ट है , हर घर, हर खेत तक सस्ती, सतत और गुणवत्तापूर्ण बिजली । कांग्रेस को जनता को गुमराह करने से पहले तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन, वितरण, पारदर्शिता और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय मॉडल बनने की ओर अग्रसर है।

ग्राम जोराडोल में पीएम आवास मजदूरी राशि गबन का मामला, ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पत्थलगांव (अम्बिकावाणी समाचार)। ग्राम जोराडोल के ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मंजूर आवास निर्माण में मजदूरी भुगतान में हुई अनियमितता को लेकर

पत्थलगांव एसडीएम ॠतुराज सिंह बिसेन को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का आरोप है कि मनरेगा योजना के अंतर्गत आवास निर्माण कार्य हेतु स्वीकृत मजदूरी राशि का दुरुपयोग किया गया है। बिना जानकारी के अन्य मजदूरों के नाम से फर्जी मास्टर रोल तैयार कर राशि निकाल ली गई।
ग्रामीणों ने बताया कि इस गंभीर गड़बड़ी का मुद्दा ग्राम सभा में आयोजित मनरेगा सामाजिक अंकेक्षण बैठक में उठाया गया, जहाँ रोजगार सहायक एवं सचिव ने गड़बड़ी स्वीकारते हुए आपसी सहमति से राशि लौटाने के लिए एक इकरारनामा भी तैयार किया। रोजगार सहायक द्वारा उस पर हस्ताक्षर भी कर दिए गए, परंतु ग्राम सचिव ने न केवल साइन करने से इनकार किया, बल्कि सभी ग्रामीणों के सामने इकरारनामा फाड़ दिया। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने एसडीएम से निष्पक्ष जांच कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। एसडीएम ॠतुराज सिंह बिसेन ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें समय पर न्याय नहीं मिला तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

जिला पंचायत सदस्यों के तीन दिवसीय आधारभूत एवं अभिमुखीकरण प्रशिक्षण की हुई शुरूआत

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र के सभाकक्ष में बुधवार को जिला पंचायत सदस्यों के तीन दिवसीय आधारभूत एवं अभिमुखीकरण प्रशिक्षण की शुरूआत हुई। यह प्रशिक्षण १८ जुलाई २०२५ तक जारी रहेगा। प्रशिक्षण की शुरूआत दीप प्रज्वलन कर किया गया। शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत सरगुजा के सदस्यों के साथ-साथ उपायुक्त सरगुजा श्री आर.के. खूंटे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल, क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केन्द्र सरगुजा के प्राचार्य श्री हरिशंकर चौहान, उपसंचालक पीटीसी श्री मिथलेश पैकरा, उप संचालक पंचायत श्री यशपाल प्रेक्षा, संकाय सदस्य श्रीमती श्रद्धा मिश्रा एवं श्री उमेश प्रसाद सिंह उपस्थित थे।

होटल व्यवसायी से मारपीट का मामला... सात आरोपी गिरफ्तार

पेज 09

जिला स्तरीय चरण पादुका वितरण कार्यक्रम में लघु वनोपज संघ जिला अध्यक्ष का हुआ अपमान...

राजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शासन द्वारा तेंदूपत्ता हितग्राहियों को दी जाने वाली महत्वपूर्ण योजना के तहत जिले में मंगलवार को जिला स्तरीय चरण पादुका वितरण कार्यक्रम आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद सहित विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिले के भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारीयों सहित कांग्रेस नेता व लघु वनोपज सहकारी समिति के जिला अध्यक्ष राजपुर कर्रा निवासी लालसाय मिंज मौजूद थे।लेकिन कार्यक्रम के शुरू होते ही जब मंच संचालन कर रहे व्यक्ति ने लघु वनोपज संघ

जिला अध्यक्ष लालसाय मिंज का नाम नही लिया तो वे भड़क गए और अपने को अपमानित महसूस करते हुए कार्यक्रम स्थल से उठकर जाने लगे जिसके बाद बलरामपुर डीएफओ के मान मनुव्वल के बाद कार्यक्रम में रुके।

मंगलवार को बलरामपुर जिले के आडोटोरियम हाल में शासन की महत्वकांक्षी योजना के तहत जिला स्तरीय चरण पादुका कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के महिला सदस्यों को चरणपादुका(जूती) वितरित की जानी थी।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सरगुजा के सांसद चिंतामणि महराज सहित विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा

जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल सहित कई बड़े भाजपा के पदाधिकारियों व वन विभाग के डीएफओ सहित एसडीओ रेंजर एवं तमाम बड़े नेता तथा जिले के अधिकारी उपस्थित थे।इसी कार्यक्रम में लघु वनोपज सहकारी समिति के जिलाध्यक्ष लालसाय मिंज को भी विशिष्ट अतिथि बतौर मौजूद थे।जैसे ही कार्यक्रम की शुरूआत हुई मंच संचालन कर रहे पुष्कर बरवा ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सहित अन्य सभी विशिष्ट अतिथियों को माइक से मँच पर विराजमान के लिए संबोधित किया परंतु लालसाय मिंज का नाम नहीं लिया जिससे लालसाय मिंज भड़क गए और अपने आप को अपमानित महसूस करते हुए वहाँ से जाने लगे।जिसके बाद बलरामपुर डीएफओ आलोक कुमार बाजपेयी ने स्थिति को सम्हालते हुए तत्काल लालसाय मिंज को मनाया जिसके बाद लालसाय मिंज कार्यक्रम में शिरकत की।

लघु वनोपज सहकारी संघ के जिलाध्यक्ष ने लालसाय ने बताया कि जिला स्तरीय चरण पादुका कार्यक्रम में मुझे विशिष्ट अतिथि के रूप में बुलाया गया था। मँच में सभी भाजपा के लोगों को माइक से बुलाकर मँच पर बैठाया गया परंतु मुझे तब बुलाया गया जब मैं वहाँ से उठकर जाने लगा और मुझे पीछे सीट पर बैठाया गया।उन्होंने कहा कि माइक संचालन कर रहे पुष्कर बरवा ने सभी कार्यकर्ता एवं अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष को बुलाकर मँच में बैठाया और मुझे सबसे अंतिम में जब मैं कार्यक्रम से उठकर जाने लगा उस समय मुझे बुलाकर मँच में पीछे बैठाया गया।स्वागत के कड़ी में भी मुझे सबसे पीछे बलरामपुर के एक प्रबंधक द्वारा स्वागत कराया गया।इस कार्यक्रम में मुझे अपमानित किया गया।कार्यक्रम के आयोजक एसडीओ मिश्रा वहाँ के रेंजर उनके प्रति खेद व्यक्त करता हुँ इन्होंने मेरे साथ इस तरह का व्यवहार बरते हैं इसके लिए मैं उनको कभी माफ नहीं करूंगा।

ट्रक-टैंकर की टक्कर में दो घायल, मवेशी की मौत

उदयपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एनएच १३० में कोयला लोड ट्रक और टैंकर के बीच जोरदार टक्कर हो गया। घटना से दोनों वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल अंबिकापुर में ईलाज जारी है। घटना थाना क्षेत्र उदयपुर की है।

अंबिकापुर बिलासपुर मार्ग एनएच १३० के सोनतराई रामगढ़ ढाबा के पास मंगलवार की रात करीब ९:३० बजे अंबिकापुर से बिलासपुर की ओर जा रही ट्रक क्रमांक ओडी १५ एक्स ३६७७ व बिलासपुर से अंबिकापुर आ रही है टैंकर क्रमांक सीजी १५ डीबी ११८७ के बीच जोरदार भिड़ंत हो गया, टक्कर इतनी जोर से हुआ कि दोनों ट्रक की सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं ट्रक के सामने की केबिन पूरी ४तरह पीछे मुड़ गई। घटना से ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर उदयपुर पुलिस मौके पहुंच ११२ वाहन से उदयपुर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से गंभीर स्थिति को देख जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया क्या। ट्रक चालकों की लापरवाही से एक मवेशी इसकी चपेट में आ गया इससे मवेसी की मौत हो गई। एसआई आभास मिंज ने बताया हादसे में ट्रक ड्राइवर बुरी तरह फंस गया था जिसे बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। ट्रक चालकों की लापरवाही से यह हादसा हुई।

केसीसी ऋण के नाम पर किसानों से की गई अवैध वसूली, कलेक्टर से जांच की मांग

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, हमेशा से विवादित रहा हैं चंदौरा में केसीसी ऋण के नाम पर नगद वसूली और चेक जारी न करने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। क्षेत्र के किसानों ने समिति प्रबंधक विजय कुमार देवांगन के खिलाफ कलेक्टर सूरजपुर को शिकायत सौंपते हुए जांच व कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्राम पकनी, चंदौरा और दरहोरा के आदिवासी व अन्य कृषकों ने संयुक्त रूप से बताया कि समिति प्रबंधक द्वारा केसीसी ऋण स्वीकृति कराने के नाम पर प्रत्येक किसान से ४००० से ७००० रुपये तक की अवैध वसूली की गई, किंतु अब तक चेक नहीं दिए जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि जब वे बार-बार समिति कार्यालय जाते हैं तो उन्हें गुमराह किया जाता है, और कभी-कभी जातिगत गालियाँ दी जाती

हैं। पीड़ित किसान पंचन पिता चंदर साय, ग्राम पकनी,सूर्यवंश पिता बंधन, शिवचरण प्रसाद पिता लालजी, ग्राम दरहोरा मंगल सिंह पिता रनसाय, ग्राम पकनी ने कहा कि पैसा देने के बाद भी उन्हें चेक नहीं मिल पा रहा है।शिकायतकताओं ने आरोप लगाया कि समिति प्रबंधक न केवल नगद वसूली और चेक रोकने में लिप्त है, बल्कि जातीय अपमान और धमकियों के माध्यम से किसानों को मानसिक रूप से भी प्रताड़ित करता है। किसानों ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए तत्काल समिति प्रबंधक को निलंबित किए जाने व एक स्वतंत्र जांच टीम गठित कर आर्थिक अनियमितता और जातीय उत्पीड़न की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. अमित जैन
MS, MCH (Neuro Surgery)
मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ. रितेश रंजन
MBBS, MS, MCH (Mumbai)
Neonatal & Pediatric Surgeon
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
+ पीडियाट्रिक सर्जरी, नवजात शिशु की सर्जरी।

डॉ. गौरी शंकर सिंह
MBBS (AFMC) MD (Psychiatry) BHU
मानसिक रोग के लक्षण

डॉ. करण सराफ
MBBS, MD (Medicine) DM (Nephrology) Gold Medalist Consultant Nephrologist & Treatment Physician
किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ. स्नेहिल गोस्वामी
DNB Cardiology
हृदय रोग विशेषज्ञ

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर
1.5 TESLA MRI

20 जुलाई 2025 माह के तीसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें 07774222555,9425583780,9826183780, 8224007799,8718003300,6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
नि: शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी., ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एम.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

www.ambikavani.com | अम्बिकावाणी | अम्बिकापुर, गुरूवार 17 जुलाई 2025 | 12

ताली और थाली के माध्यम से किया गया जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन

◆ कोरोना योद्धाओं का कर रही सरकार अपमान
◆ संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों का आरोप

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। नियमितीकरण ,जॉब सुरक्षा, ग्रेड पे ,अनुकंपा नियुक्ति ,मेडिकल बीमा ,२७ प्रतिशत वेतन वृद्धि जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं की मांग कर रहे छत्तीसगढ़ प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत १६ हजार कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन आज सातवें दिन भी जारी रहा।विरोध प्रदर्शन की इस कड़ी में आज सभी ३३ जिला मुख्यालय में ताली और थाली रैली के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम अपनी १० सूत्री मांगों का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा है।मांग पूरी न होने पर प्रदेश में एनएचएम के १६ हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी किसी बड़े अनिश्चितकालीन आंदोलन पर जाने को विवश हो सकते हैं ऐसा कहा गया है। जिला अध्यक्ष बृजलाल पटेल ने बताया कि जिले में ६४० के करीब एन एच एम कर्मचारी कार्यरत हैं यह कर्मचारी पिछले २० वर्षों से अपनी सेवा शर्तों में सुधार,नियमितीकरण, अपनी नौकरी की सुरक्षा, समान काम समान वेतन, जैसी चाह लिए लगातार पिछली कई सरकारों के कार्यकाल में धरना प्रदर्शन आंदोलन अनुनय निवेदन ज्ञापन देते रहे हैं इस सरकार के कार्यकाल में भी मोदी की गारंटी के नाम से हमारी समस्याओं के समाधान का वादा किया गया है परंतु आज पर्यंत इस संबंध में किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने लगभग १०० से अधिक बार ज्ञापन मंत्रियों, विधायकों, सांसदों को दिया है इसके अलावा कई उच्च अधिकारियों से भी भेंट की गई है , परंतु परिणाम शून्य ही रहा जिसके कारण १० जुलाई से लेकर १७ जुलाई तक या प्रदर्शन चरणबद्ध रूप से जारी है ।कर्मचारियों ने बताया कि, वह ताली और थाली करने पर आज इसलिए मजबूर हैं क्योंकि कोरोना महामारी में प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमें कोरोना वॉरियर का दर्जा देकर पूरे देश भर से हमारे लिए ताली और थाली बजवाई थी परंतु आज छत्तीसगढ़ प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने के बाद भी हम कोरोना योद्धा जिनके लिए देशभर में तालियां थाली बजी, २० वर्षों से पीड़ित हैं जिसके कारण आज लाचार होकर अपने लिए ताली और थाली बजाने पर विवश हो चुके हैं।इस अवसर पर बृजलाल पटेल,तोपान सिंह दायमा,विवेक सदन नाविक, डॉ.अनुराग सिंह,संदीप नामदेव, लव सिंह मराबी सखन आयाम, श्रीमति कंचन जायसवाल, राजेश द्विवेदी,बृजेश कुशवाहा,कुलदीप पैकरा,गिरजा मानिकपुरी,कुंवर प्रताप ,रामकुमार सिदार,तोयात्मा रायल,कमलेश सोनी,उत्तरा कुमार,समय लाल,रविकरण सिंह, डॉ.कुलदीप दुबे,ओमप्रकाश राजवाडे,अमित वर्मा ,सरोज साहू,नंदकिशोर वर्मा एवं समस्त एनएचएम अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं पर त्वरित करें अमल ....कलेक्टर

०० पूछा निरस्त करने का कारण,सौंपा ज्ञापन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने मंडी द्वारा निविदा निरस्त किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा है।संघ द्वारा दिये ज्ञापन में कहा गया है कि मंडी द्वारा ११ विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी।ठेकेदारों के दर खोलने व एल -१ जारी करने के बाद मंडी प्रबंधन ने निविदा निरस्त कर दिया गया जो निंदनीय है।ज्ञापन में कहा गया है कि मंडी प्रबंधन ने निविदा निरस्त करने की वजह सूचना पटल पर जो चस्पा की है उसके अनुसार जिले की महिला बालविकास मंत्री के ७ जुलाई के पत्र का हवाला दिया गया है।संघ ने पूछा है कि जब ठेकेदारों के निविदा दर सार्वजनिक कर दिए गए तब क्यो निरस्त किया गया और अब कारणों को सार्वजनिक किया जाए।ठेकेदारों ने कहा है कि निविदा निरस्त करने के स्पष्ट कारण मय दस्तावेज के उपलब्ध कराया जाए।साथ ही ठेकेदारों को हुई आर्थिक क्षति की क्षतिपूर्ति राशि दी जाए।पत्र पर सात दिवस के अंदर कार्रवाई न होने की दशा में वे न्यायालय की शरण मे जाने को विवश होंगे।इस आशय का ज्ञापन मंडी सचिव व जिला प्रशासन को दिया गया है।इस दौरान संघ के अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता,अंशुल गोयल,विनय जायसवाल सहित अन्य ठेकेदार उपस्थित थे।

श्रम संगठनों का सदस्यता सत्यापन आज से

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रतिवर्ष होने वाले श्रम संगठनों के सदस्यता सत्यापन का कार्य एसईसीएल बिश्रामपुर

क्षेत्र में गुरुवार १७ जुलाई एवं १८ जुलाई २०२५ को संपन्न होगा। इन दो दिनों में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को अलग से २५ जुलाई को सदस्यता सत्यापन का अवसर प्रदान किया जाएगा।

जो कर्मचारी १७ से लेकर २५ जुलाई तक अधिकृत छुट्टी रहेंगे उन्हें छुट्टी पर जाने के पूर्व अंतिम कार्य दिवस के दिन कार्मिक प्रबंधक के पास व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आवेदन के साथ ऑप्शन देने का अवसर दिया गया है।

बताया गया कि सदस्यता सत्यापन के संबंध में जेसीसी की बैठक में यह भी तय किया गया कि जिस कर्मचारी का जहां बिलिंग होता है वहीं सदस्यता का सत्यापन होगा।

क्षेत्रीय मुख्यालय में सदस्यता सत्यापन का समय १०:०० बजे सुबह से १:०० बजे तक रहेगा।

सदस्यता सत्यापन को लेकर प्रमुख श्रम संगठन बीएमएस और एटक के बीच सर्वाधिक सदस्य संख्या को लेकर सीधा मुकाबला है।पिछले लंबे समय से क्षेत्र में बीएमएस का दबदबा बना हुआ है सर्वाधिक सदस्यों के साथ गत वर्ष बीएमएस टॉप पर रही वहीं एटक दूसरे स्थान पर थी। वहीं आपसी खींचातानी के चलते एचएमएस लगातार पिछड़ती चली जा रही है।इस वर्ष भी एचएमएस की स्थिति सुधरती नहीं दिख रही वहीं इंटक भी अपनी उपस्थिति दिखाने संघर्षरत है।बता दे कि कोल सेक्टर की पांच प्रमुख यूनियनों में बीएमएस,एटक,एचएमएस,इंटक

कामगारों से सदस्यता राशि चेक ऑफ सिस्टम से लेते हैं जबकि वाम मोर्चा समर्थित सीटू यूनियन कामगारों से सदस्यता राशि नगद लेती है।आज से शुरू हो रही सदस्यता सत्यापन को लेकर श्रम संगठनों के पदाधिकारी कार्यकर्ता सक्रिय हैं पदाधिकारियों के द्वारा डोर टू डोर संपर्क कर अपने यूनियन के पक्ष में सदस्यता सत्यापन के लिए कामगारों से आग्रह किया जा रहा है।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने निकाली रैली, सौपा ज्ञापन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान पर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी लागू करने के संबंध में ध्यानाकर्षण रैली निकाल ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आव्हान पर १६ जुलाई को प्रदेशभर में एकजुट होकर सभी कर्मचारी-अधिकारी अपनी ११ सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की गारंटी के अनुरूप सुविधाएं लागू करवाने औरराज्य सरकार से लंबित मांगों के जल्द निराकरण की मांग को लेकर किया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न पेंशनर्स संगठनों ने भी फेडरेशन के आंदोलन को पूर्ण समर्थन कर आंदोलन में शामिल हुए।

फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह ने बताया कि यह प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण व लोकतांत्रिक ढंग से आयोजित किया गया। फेडरेशन के सभी संगठनों, पदाधिकारियों व कर्मचारियों से इस ऐतिहासिक आंदोलन में भाग लेकर अपने कार्यक्रम को सफल बनाया।फेडरेशन की ११ सूत्रीय मांगें हैं। इनमें केंद्र सरकार के समान कर्मचारियों व पेंशनरों को देय तिथि से महंगाई भत्ता लागू किया जाए। डीए एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए। सभी कर्मचारियों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान दिया जाए। वेतन विसंगतियों को दूर करने पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए। पुरानी पेंशन योजना हेतु नियुक्ति तिथि से गणना की बहाली पर गंभीर पहल हो । सहायक शिक्षकों व सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को तृतीय समयमान वेतनमान दिया जाए। अनुकंपा नियुक्ति नियमों में १०प्रतिशत सीलिंग में शिथिलीकरण की जाए। प्रदेश में कैशलेश सुविधा लागू की जाए। अर्जित अवकाश नगदीकरण ३०० दिवस की जाए। दैनिक, अनियमित, संविदाकर्मचारियों को नियमित करने की ठोस नीति बने। सभी विभागों में सेवानिवृत्त आयु ६५ वर्ष की जाए। जिला संयोजक ने आगे बताया कि आज उक्त मांगों के निराकरण के लिए सरकार को ध्यानाकर्षण कराया गया है, यदि जल्द ही इस पर विचार नहीं किया गया तो आगामी २२ अगस्त को पूरे प्रदेश में तालाबंदी कर वृहद आंदोलन किया जाएगा। जिला संयोजक ने कर्मचारी अधिकारियों से अपने हक अधिकार की लड़ाई को मजबूती देने की अपील की है। वहीं, जिला संयोजक महिला प्रकोष्ठ ने बताया कि प्रदेश में लगातार कर्मचारियों की मांगों की उपेक्षा हो रही है। समय-समय पर महंगाई भत्ता जैसे मुद्दे पर भीआंदोलन करना पड़ रहा है। पूरे प्रदेश में मोदी की गारंटी देकर पूरा न करना कहीं न कहीं मोदी जी का नाम बदनाम हो रहा है।हम शासन से मांग करते हैं कि प्रदेश में मोदी जी की गारंटी के तहत किये गए वादों को जल्द से जल्द पूरा करे। जिला महासचिव मो.इकबाल अंसारी ने कहा कि आज पूरे देश मोदी जी जो कहते हैं वो पूरा करते हैं, इसका तत्कालीन उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर है जिसमें उन्होंने पाकिस्तान से बदला लेकर अपने वादे को पूरा किया लेकिन छत्तीसगढ़ में उनके नाम का उपयोग कर किये गए वादे को पूरा न करना कहीं कहीं सवालिया निशान पैदा करते हैं।आज के रैली, ज्ञापन कार्यक्रम में जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह, डॉ राजेश पैकरा, प्रतिमा सिंह, मो.इकबाल अंसारी, गोपाल विश्वकर्मा, विजय साहू,निर्मल भट्टाचार्य, मनीष दीपक साहू, राजकुमार सिंह, सतीश प्रताप सिंहदेव, धीरेंद्र उपाध्याय,आदेश रवि, राधेश्याम साहू,कृपालनाथ तिवारी,महावीर ठाकुर,महेश पैकरा,आदित्य शर्मा,विन्देश गुप्ता,ज्योति साधना, माया शर्मा,अनुरंजन देव,रमेश राजवाड़े, संत राम,रामनंदे साहू,रवि प्रसाद पैकरा,शिव कुमार पैकरा,यशवंत प्रताप सिंह,अवधेश कुमार सिंह ,बसंत पैकरा,विजयनारायण सिंह ,विकास कुशवाहा,सुनील उइके,अर्जुन सिंह,सहित कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे।

हर्राटिकरा खेलों इंडिया सेंटर में फुटबॉल अस्मिता लीग का किया गया आयोजन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस. जयवर्धन के मागदर्शन में खेलों इंडिया सेंटर हर्राटिकरा में अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उदेश्य महिलाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान कराना व महिलाओं को प्रेरित करना और उभरती हुई प्रतिभाओं को बढ़ावा देना इस उददेश्य से खेलों इंडिया सेंटर हर्राटिकरा में फुटबॉल अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया। जिसमें शिवपुर, उमेश्वरपुर, खेलों इंडिया सेंटर हर्राटिकरा, खेलों इंडिया सेंटर अम्बिकापुर, एवं कोरिया अम्झर के कुल ०५ टीमो ने इस आयोजन में भाग लिया, जिसमें विजेता शिवनगर उपविजेता खेलों इंडिया सेंटर हर्राटिकरा एवं तृतीय स्थान खेलों इंडिया सेंटर अम्बिकापुर का रहा, आयोजन में अतिथि के रूप में डीप्टी कलेक्टर सुनील अग्रवाल, जिला खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय एवं सरपंच प्रतिनिधि सुन्दर दास, सचिव धनेश्वर प्रजापति, उप सरपंच संजय राजवाड़े, के हाथों से विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। माईक संचालन आलम राजवाडे एवं सीमांचल त्रिपाठी के द्वारा किया गया। राम बहादुर लामा फुटबॉल सचिव जिला फुटबॉल संघ , राम राजवाड़े, रूपनारायण, मानसाय, चन्द्रकुमार भुवन रजक हरीश राजवाडे अनुराधे, महेन्द्र सिंह प्रकाश गुप्ता रेफरी के रूप में रावेन्द्र वर्मा, अनमोल तिग्गा, रोहित रावत आदि का सहयोग रहा।

आवारा कुत्तों का कहर, परीक्षा देने जा रही छात्रा को गिरा-गिराकर नोचा

इंदौर ,16 जुलाई (ए)। मध्य प्रदेश के इंदौर में आवारा कुत्तों के आतंक की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां श्रीनगर एक्सटेंशन इलाके में परीक्षा देने जा रही एक छात्रा पर चार कुत्तों के झुंड ने जानलेवा हमला कर दिया। कुत्तों ने छात्रा को जमीन पर गिराकर बुरी तरह नोच डाला, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

सरकार का ध्यान टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमियों को सशक्त बनाने पर केंद्रित : पीयूष गोयल

नई दिल्ली ,16 जुलाई (ए)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने स्टार्टअप इकोसिस्टम को लगातार मजबूत किया है। साथ ही, समावेशी प्रयासों और भारत की उद्यमशीलता क्षमता को उजागर करने की प्रतिबद्धता के माध्यम से विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमियों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। नेशनल स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल (एनएसएसी) की 10वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को फिर से परिभाषित करने के लिए इनोवेशन को आधार के रूप में रेखांकित किया, जिसमें आरएंडडी और सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त प्रयास एक जीवंत उद्यमशीलता परिदृश्य को पोषित करने और विकसित भारत 2047 की ओर भारत की यात्रा का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने डीप-टेक स्टार्टअप्स के साथ उनके अनुभवों और अंतर्दृष्टि को समझने और उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए बातचीत की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, चर्चा में फंडिंग तक बेहतर पहुंच, इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट, नियामक सुविधा और वैश्विक बाजार संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया गया। डीप-टेक इकोसिस्टम को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में इनोवेशन को बढ़ावा देने के तरीकों पर बहुमूल्य सुझाव साझा किए गए। इस संवाद ने उभरती टेक्नोलॉजी और उद्यमियों के लिए एक सहायक और भविष्य के लिए तैयार वातावरण बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इस बीच, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के तहत एक प्रमुख पहल, नेशनल स्टार्टअप अवॉर्ड (एनएसए) के पाँचवें एडिशन के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

एनएसए कृषि, क्लीन एनर्जी, फिनटेक, एयरोस्पेस, स्वास्थ्य, शिक्षा, साइबर सुरक्षा और सुगम्यता सहित कई क्षेत्रों को कवर करता है। प्रत्येक एडिशन में उभरती चुनौतियों और अवसरों के अनुरूप नई कैटेगरी पेश की जाती हैं।

2016 में शुरू किए गए स्टार्टअप इंडिया ने भारत के उद्यमशीलता

डुमरिया-गंगोटी मार्ग क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर नए सेतु निर्माण के लिए शासन को भेजा गया प्रस्ताव

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। डुमरिया-गंगोटी शिवप्रसादनगर मार्ग पर स्थित पुल २५ जून को क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे स्थानीय नागरिकों के लिए आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में सेतु निर्माण विभाग द्वारा स्थल का सर्वे किया गया है और लगभग ?५०३.५ लाख की लागत से नए टी-बीम स्लैब आधारित ६० मीटर लंबाई वाले पुल के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। निर्माण कार्य की स्वीकृति यदि वर्तमान वर्षा काल के दौरान ही प्राप्त हो जाती है तो वर्षा ऋतु के बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा, जिसे आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व पुल का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में करें कार्य

०० कलेक्टर ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय,१०० सीटर छात्रावास के पालक व अधीक्षिकाओं की ली समीक्षा बैठक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस.जयवर्धन की अध्यक्षता में पालक व अधीक्षिकाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया था। जिसमें कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय,१०० सीटर छात्रावास की अधीक्षिका, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित थे। बैठक में सत्र २०२५-२६ में प्रवेश, शैक्षणिक स्टॉफ व गैर शैक्षणिक स्टॉफ की जानकारी, सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी, छात्राओं को प्राप्त सुविधा, छात्राओं हेतु मेडिकल सुविधा, सत्र २०२४-२५ के परीक्षा परिणाम, व्यवसायिक प्रशिक्षण, खेल-कूद एवं अन्य साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधि, भवन की स्थिति, ज्एक पेड़ मां के नामज्, अपार आईडी की जानकारी प्राप्त की गई।कलेक्टर ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के ८ वीं, १० वीं व १२ वीं के परीक्षा परिणाम की क्रमवार जानकारी ली। जिसमें संबंधितों द्वारा बताया गया कि प्रतापपुर, प्रेमनगर व ओड़गी का परिणाम शत प्रतिशत बताया गया वहीं भैयाथान व सूरजपुर का ८३.३३ प्रतिशत रहा। इसके साथ ही मेन्यू के आधार पर नाश्ता व भोजन,सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, मौसमी बीमारी के सम्बंध में जानकारी ली गई। कलेक्टर ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु कैलेंडर आधारित कार्ययोजना बनाने की बात कही। इसके साथ ही कलेक्टर ने पालकों से उनके सुझाव माँगें और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की।

स्किल इंडिया मिशन के तहत 6 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण दिया गया : जयंत चौधरी

नई दिल्ली ,16 जुलाई (ए)। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि देश में छह करोड़ से ज्यादा लोगों को स्किल इंडिया मिशन के तहत प्रशिक्षण दिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2015 में शुरू किए गए स्किल इंडिया मिशन ने भारत के युवाओं को देश और विदेश, दोनों जगह पर परिवर्तन की एक शक्ति बना दिया है।

उन्होंने बीते 10 साल की इस यात्रा को 'कौशल का दशकइ बताया और कहा, पिछले एक दशक में, कौशल विकास, प्रशिक्षुता, उद्यमिता और पारंपरिक व्यवसायों में समन्वित प्रयासों के माध्यम से एमएसडीई ने 6 करोड़ से अधिक भारतीयों को अपने और देश के लिए एक उज्जवल भविष्य बनाने के लिए सशक्त बनाया है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा, भारतीय कामगार अपनी कड़ी मेहनत और अनुशासन के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री ने इस छिपी हुई क्षमता को पहचाना और स्किल इंडिया मिशन के माध्यम से इसे राष्ट्रीय दिशा दी। आज, यह नए भारत की एक सशक्त पहचान बन गया है।

पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) जैसी योजनाओं ने 1.64 करोड़ से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षित किया है, जबकि 14,500 से ज्यादा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को गुणवत्ता, प्रशासन और संबद्धता मानदंडों में सुधारों के माध्यम से समर्थन दिया गया है।